PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO

बोकारो, शनिवार

08.03.2025

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 36

हिन्दी दैनिक

mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159

RNI : JHAHIN/2014/54374

राष्ट्रीय मुख्यधारा

www.rashtriyamukhyadhara.com

अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

केंद्र सरकार देशभर में 25,000 जन औषधि केंद्र खोलेगी: प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जन औषधि दिवस पर कहा कि केंद्र सरकार सस्ती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए देशभर में 25,000 जन औषधि केंद्र खोलेगी। प्रधानमंत्री ने सिलवासा में एक कार्यक्रम में केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के लिए 2580 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास के बाद सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जन औषधि दिवस भी है। उन्होंने जन औषधि को सस्ते इलाज की गारंटी करार दिया। उन्होंने कहा कि जन औषधि का मंत्र 'दाम कम, दवाई में दम' है। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार अच्छे अस्पताल भी बनवा रही है, आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा भी दे रही है और जन औषधि केन्द्रों के जरिए सस्ती दवाएं भी दे रही है। आने वाले वर्षों में हम देशभर में 25,000 जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़

रहे हैं। अब तक सरकार ने 6,400 करोड़ रुपये से अधिक की सस्ती दवाइयाँ बेची हैं, जिससे लाभार्थियों को लगभग 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत होने का अनुमान है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों के मोटापे से ग्रसित होने पर चिंता जताई और खाद्य तेल की खपत में कटौती की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2050 तक 44 करोड़ भारतीय मोटापे से ग्रस्त होंगे। उन्होंने इसे चौंकाने वाला और खतरनाक आंकड़ा बताया। उन्होंने आगाह किया कि मोटापे के कारण हर तीसरा व्यक्ति गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है। मोदी ने मोटापे से निपटने के लिए खाद्य तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कमी लाने का आह्वान दोहराया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में इससे बड़ी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होंगी। उन्होंने कहा, "हम सभी को अपने खाने के तेल में 10 प्रतिशत की कटौती करनी चाहिए। हमें हर महीने 10 प्रतिशत कम तेल में काम चलाने का प्रयास करना है। मोटापा कम करने की दिशा में ये एक बहुत बड़ा कदम होगा। इसके अलावा हम व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि सिंगापुर कभी एक द्वीप था, जहां कुछ मछुआरे रहते थे, लेकिन अपने नागरिकों की कड़ी मेहनत के कारण यह बहुत कम समय में एक विकसित देश बन गया। इसी तरह दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव को भी बदल सकते हैं। मोदी ने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश के लोग यह बदलाव ला सकते हैं और मैं इस प्रयास में उनके साथ खड़ा होने के लिए तैयार हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिलवासा में 2,587 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को सिलवासा में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के लिए 2580 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि प्रमुख विकास परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि दादरा और नगर हवेली, दमन-दीव हमारा गर्व और विरासत है। इसलिए हम इस प्रदेश को एक ऐसा मॉडल प्रदेश बना रहे हैं, जो अपने समग्र विकास के लिए जाना जाए। उन्होंने कहा कि दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव कई योजनाओं में सैचुरेशन की स्थिति में पहुंच गए हैं। जीवन के हर आयाम और हर जरूरत के लिए सरकार की योजना का लाभ हर लाभार्थी को मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने इससे पहले सिलवासा में नमो अस्पताल के प्रथम चरण का उद्घाटन किया। कुल 460 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित 450-बिस्तरों वाला यह अस्पताल इस केन्द्र-शासित प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को काफी मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने सिलवासा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रोजगार मेले के अंतर्गत नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने पीएम आवास योजना-शहरी, गिर आदर्श आजीविका योजना और सिल्वन दीदी योजना के तहत लाभार्थियों को लाभ भी वितरित किए।

देश के विकास में सीआईएसएफ की अहम भूमिका : अमित शाह

बीते 56 वर्षों में सुरक्षा तंत्र को किया मजबूत

एजेंसी। चेन्नई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को तमिलनाडु के अरक्कोणम में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 56वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने सीआईएसएफ की पत्रिका सेंटिनल का विमोचन किया और परेड का निरीक्षण किया। सीआईएसएफ के देश विकास में योगदान की सराहना करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा, कि सीआईएसएफ ने बीते 56 वर्षों में देश के औद्योगिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया है। देश के विकास और सुरक्षा में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। मैं सीआईएसएफ के प्रत्येक कर्मी को उनके योगदान के लिए बधाई देता हूं।

शहीद जवानों को श्रद्धांजलि : गृह मंत्री ने सीआईएसएफ के

127 शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, इन जवानों ने विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा कर्तव्यों का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनका बलिदान ही भारत को दुनिया के सामने गर्व से खड़ा करता है।

तमिल भाषा को लेकर बड़ा ऐलान: अमित शाह ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की भर्ती में मातृभाषा को शामिल करने की घोषणा करते हुए कहा, कि अब उम्मीदवार तमिल सहित 8 भाषाओं में परीक्षा दे सकेंगे। उन्होंने तमिलनाडु सरकार से मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में तमिल भाषा को शामिल करने का अनुरोध किया।

स्थापना दिवस का आयोजन अब विभिन्न राज्यों में

अमित शाह ने कहा कि 2019 के बाद से सीआईएसएफ स्थापना दिवस दिल्ली के बजाय देशभर के अलग-अलग हिस्सों में मनाया जा रहा है। इस साल यह कार्यक्रम थक्कोलम के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किया गया है। तमिलनाडु की समृद्ध संस्कृति भारत की विरासत को मजबूती प्रदान करती है।

सीआईएसएफ की प्रमुख भूमिका : सीआईएसएफ देशभर में परमाणु संयंत्रों, हवाई अड्डों, मेट्रो नेटवर्क, बंदरगाहों और सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात है। 56 वर्षों में इसने राष्ट्र की औद्योगिक और रणनीतिक संपत्तियों की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संक्षिप्त समाचार

देश के 60 रेलवे स्टेशनों पर केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को ही प्लेटफॉर्म पर जाने की मिलेगी अनुमति

नई दिल्ली। रेलवे स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता

में शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। इसमें त्योहारी सीजन और महाकुंभ के अनुभवों के आधार पर देश के 60 व्यस्त स्टेशनों पर स्थायी प्रतीक्षालय बनाने और सभी प्रमुख स्टेशनों पर एक वरिष्ठ अधिकारी को स्टेशन निदेशक बनाने सहित कई अहम निर्णय लिए गए। केवल कन्फर्म रिजर्व टिकट वाले यात्रियों को ही प्लेटफॉर्म पर जाने की अनुमति दिए जाने का भी निर्णय लिया गया है। रेल मंत्रालय ने बैठक का ब्योरा साझा करते हुए बताया कि पिछले त्योहारी सीजन और महाकुंभ के अनुभवों के आधार पर देशभर के 60 स्टेशनों के बाहर स्थायी प्रतीक्षालय बनाए जाएंगे, जहां नियमित रूप से यात्रियों की भारी भीड़ रहती है। इस पहल के लिए नई दिल्ली, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और पटना स्टेशनों पर पायलट प्रोजेक्ट शुरू हो चुके हैं। इस व्यवस्था से अचानक आने वाली भीड़ को वेटिंग एरिया में नियंत्रित किया जा सकेगा। ट्रेन आने पर ही यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर जाने की अनुमति दी जाएगी, जिससे स्टेशन पर भीड़भाड़ कम होगी। इन 60 स्टेशनों पर पूरी तरह से प्रवेश नियंत्रण लागू किया जाएगा। केवल कन्फर्म रिजर्व टिकट वाले यात्रियों को ही प्लेटफॉर्म पर जाने की अनुमति दी जाएगी। बिना टिकट यात्री या प्रतीक्षा सूची टिकट वाले यात्री बाहरी वेटिंग एरिया में रुकेंगे। सभी अनधिकृत प्रवेश बिंदु सील कर दिए जाएंगे।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं संग राहुल ने की बैठक

अहमदाबाद। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस लीडर राहुल गांधी दो दिन के दौरे पर गुजरात पहुंचे हैं। इस बीच एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का अनेक नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। दो दिन वे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकों की मैराथन सीरीज करेंगे। इसी बीच राहुल गांधी ने वरिष्ठ नेताओं के साथ कांग्रेस दफ्तर में मीटिंग की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कांग्रेस ऑफिस में एक महत्वपूर्ण बैठक की है। इस दौरान उनके साथ संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, गुजरात प्रभारी मुकुल वासनिक और प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल मौजूद थे।

9 घंटे में 5 बैठकें करेंगे राहुल : राहुल गांधी गुजरात में कांग्रेस को मजबूती देने के लिए 9 घंटे में 5 महत्वपूर्ण बैठकें करने जा रहे हैं। इन बैठकों में वे प्रदेश नेताओं, जिला-स्तरीय पदाधिकारियों और वार्ड अध्यक्षों से मुलाकात करेंगे और आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए संगठन की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

दशकों बाद गुजरात में कांग्रेस अधिवेशन : 8 और 9 अप्रैल को गुजरात में कांग्रेस का महाधिवेशन होने जा रहा है। इससे पहले कांग्रेस का आखिरी अधिवेशन 1961 में भावनगर में हुआ था। 64 साल बाद गुजरात कांग्रेस का इतना बड़ा आयोजन कर रही है।

पर्यावरण अनुकूल पहलों को बढ़ावा देना आवश्यक : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को सिविल सेवा अधिकारियों से कहा कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण क्षरण की चुनौतियों से निपटने के लिए पर्यावरण अनुकूल पहलों को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से वंचितों और हाशिए पर पड़े लोगों तक पहुंचना चाहिए। एलबीएसएनएए में 126वें प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे राज्य सिविल सेवा अधिकारियों ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से अपने कामकाज में स्थिरता और समावेशिता के सिद्धांतों को बनाए रखने का आग्रह किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने अधिकारियों को उनकी पदोन्नति और भारतीय प्रशासनिक सेवा

में शामिल होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपनी नई भूमिका में दूसरों को प्रेरित करना चाहिए और उदाहरण पेश करना चाहिए तथा अपने आस-पास के लोगों को सार्वजनिक सेवा में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। राष्ट्रपति ने उन्हें प्रशासनिक कामकाज और सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में राष्ट्रीय और समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। राष्ट्रपति ने कहा कि शासन का सार लोगों की जरूरतों के प्रति जवाबदेही और संवेदनशीलता में निहित है।

हिंद महासागर क्षेत्र में खत्म हुआ तीनों सेनाओं का समुद्री अभ्यास 'ट्रोपेक्स'

एजेंसी। नई दिल्ली

▪ हथियारों से प्रत्यक्ष फायरिंग सहित युद्ध संचालन के विभिन्न पहलुओं का किया प्रदर्शन

हिंद महासागर क्षेत्र में तीन माह से चल रहा तीनों सेनाओं का समुद्री अभ्यास 'ट्रोपेक्स' ख़त्म हो गया है। इस द्विवार्षिक अभ्यास के दौरान हथियारों से प्रत्यक्ष फायरिंग सहित युद्ध संचालन के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। नौसेना, थलसेना, वायुसेना और तटरक्षक बल से जुड़े हथियारों, जहाजों और विमानों की भागीदारी के साथ यह अभ्यास आयुध की सटीक डिलीवरी, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध पर केंद्रित था। भारतीय नौसेना के थिएटर लेवल ऑपरेशनल एक्सरसाइज 'ट्रोपेक्स' की

शुरुआत जनवरी में हुई थी। अब मार्च की शुरुआत में समाप्त होने वाले इस अभ्यास ने नौसेना के संचालन की कई अवधारणाओं को मान्य करने में मदद की है। इस अभ्यास से राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए समन्वित और एकीकृत तरीके से विविध चुनौतियों का जवाब देने की नौसेना की क्षमता का मूल्यांकन हुआ है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी सहित हिंद महासागर में हुए इस अभ्यास का संचालन क्षेत्र उत्तर से दक्षिण तक 35 डिग्री दक्षिण अक्षांश तक लगभग 4300 समुद्री मील और पश्चिम में होर्मुज जलडमरूमध्य से पूर्व में सुंडा और लोम्बोक जलडमरूमध्य तक 5000 समुद्री मील तक फैला हुआ था। नौसेना के अनुसार इस अभ्यास में 65-70 भारतीय नौसेना के जहाज, 9-10 पनडुब्बियां और विभिन्न प्रकार के 80 से अधिक विमानों ने भाग लिया।

सेना का फाइटर जेट जगुआर क्रैश वायुसेना ने दिए जांच के आदेश

पंचकूला। हरियाणा के पंचकूला जिले में मोरनी के समीप स्थित बालदवाला गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सेना का एक फाइटर जेट अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। राहत की खबर यह रही कि विमान के पायलट पैराशूट की मदद से सुरक्षित उतरने में सफल रहे। घटना के कारणों का पता लगाने वायुसेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं। सेना के फाइटर जेट के क्रैश होने की इस घटना के बाद पूरे इलाके में डर और चिंता का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बताया, कि विमान के पायलट ने पैराशूट की मदद से सुरक्षित नीचे उतरने में सफल रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंच गया और स्थिति का जायजा लिया। इस भीषण हादसे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विमान के टुकड़े दूर-दूर तक बिखर गए। भारतीय वायुसेना के अनुसार, यह जगुआर फाइटर जेट नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अंबाला में तकनीकी खराबी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पायलट ने विमान को आबादी क्षेत्र से दूर ले जाने का भरसक प्रयास किया, जिससे किसी बड़े जानमाल के नुकसान से बचा जा सका। भारतीय वायुसेना ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी साझा करते हुए कहा, कि भारतीय वायुसेना के एक जगुआर विमान के क्रैश का कारण सिस्टम में खराबी थी।

सड़क दुर्घटनाओं में 2030 तक 50 फीसदी की कमी लाने का लक्ष्य: नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को ग्लोबल रोड इंफ्राटेक समिट एंड एक्सपो (जीआरआईएस) में सड़क सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं की दर में 50 प्रतिशत की कमी लाना है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि भारत में 4,80,000 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें 1,80,000 मौतें होती हैं और करीब 4,00,000 लोग गंभीर रूप से घायल होते हैं। इनमें 18-45 आयु वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, खासकर दोपहिया वाहन सवार और पैदल यात्री। यहां पर गडकरी ने सड़क निर्माण कंपनियों को नई तकनीक अपनाने

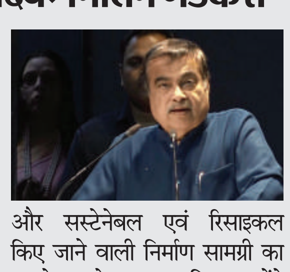

और सस्टेनेबल एवं रिसाइकल किए जाने वाली निर्माण सामग्री का उपयोग करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह खराब इंजीनियरिंग, अनुचित संकेतक और गलत सड़क डिजाइन है। उन्होंने स्पेन, ऑस्ट्रिया और स्विट्जरलैंड जैसे देशों से सीखकर भारत की सड़क सुरक्षा सुधारने पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं से देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को 3प्रतिशत का नुकसान होता है।

पीएम-बीजेपी ने 'अच्छी भी, सस्ती भी' के मंत्र के साथ स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बदला: जेपी नड्डा

नई दिल्ली। जन औषधि दिवस के अवसर पर शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएम-बीजेपी) ने 'अच्छी भी, सस्ती भी' के मंत्र के साथ स्वास्थ्य सेवा को बदल दिया है। इससे सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली, सस्ती दवाइयां सुनिश्चित हुई हैं। इस योजना से 30 हज़ार करोड़ रुपये की बचत हुई है। इसके तहत 2,047 दवाइयां और 300 सर्जिकल आइटम शामिल हैं, जो विभिन्न चिकित्सीय ज़रूरतों को पूरा करते हैं। मुफ़्त दवा योजनाओं के विपरीत, पीएम-बीजेपी सख्त गुणवत्ता जांच, प्रतिस्पर्धी खरीद और पीएमबीआई (भारतीय औषधि

और चिकित्सा उपकरण ब्यूरो) द्वारा प्रबंधित एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से स्थिरता बनाए रखती है। नड्डा ने एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि उद्यमशीलता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए दूरदराज के क्षेत्रों में एससी एवं एसटी समुदायों, महिलाओं और व्यवसायों के लिए विशेष प्रोत्साहन प्रदान किए जाते हैं। भारत से आगे बढ़ते हुए मॉरीशस में पहला विदेशी जन औषधि केंद्र शुरू किया गया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2027 तक 25,000 जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जन औषधि केंद्रों पर जाएं और इसका लाभ उठाएं। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि वे जन औषधि दवाओं से लाभ के अनुभव को दूसरों के साथ साझा करें। हर साल 7 मार्च को 'जन औषधि दिवस' मनाया जाता है ताकि इस योजना के बारे में जागरुकता बढ़ाई जा सके और जेनेरिक दवाओं के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा सके। इस पहल को समर्थन देने के लिए 01 से 07 मार्च तक पूरे देश में सप्ताहभर के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष 01 मार्च को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पीएम-बीजेपी के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए समारोह की शुरुआत की गयी।

मस्क को पलभर में लगा 156818603520 रुपए का झटका और मच गया कोहराम

एजेंसी। सैन फ्रांसिस्को

अरबपति एलन मस्क को एक ही पली में 156818603520 रुपए का झटका लग गया है। स्पेसएक्स के विशाल स्टारशिप मेगा-रॉकेट सिस्टम की आठवीं उड़ान भरने के लिए शुरू ही हुआ था कि उसका संपर्क टूट गया। वह आसमान में ब्लास्ट के बाद आग की गोले में बदल गया। मानो आसमान से आग बरस रही हो। बहामास के तट पर रॉकेट के मलबे के गिरने का वीडियो भी सामने आया है। हालांकि, यह प्रक्षेपण एलन मस्क को खुश करने के लिए काफी है। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि कंपनी रॉकेट से बूस्टर को पकड़ने में सफल रही, क्योंकि यह लॉन्च टॉवर पर वापस आ गया था, लेकिन स्टारशिप अंतरिक्ष यान खो गया

था। स्पेसएक्स के स्टारशिप में ब्लास्ट के बाद एक और बड़ी खबर अमेरिका के फ्लोरिडा से ही आ रही है। अमेरिकी विमानन अधिकारियों ने स्पेसएक्स के स्टारशिप के मलबे गिरने की डर से फ्लोरिडा के कई हवाई अड्डों पर फ्लाइट को रोक दिया गया है। अटलांटिक महासागर के ऊपर असफल प्रक्षेपण के बाद ऑरलैंडो और मियामी के हवाई अड्डों पर ग्राउंड स्टॉप लगा दिया गया था। हालांकि इसे तब से हटा लिया गया है। किसी भी चोट या क्षति की सूचना नहीं मिली है। स्पेसएक्स के स्टारशिप अंतरिक्षयान में गुरुवार को टेक्सास से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद विस्फोट हो गया, जिससे इस साल एलन मस्क के मंगल रॉकेट कार्यक्रम के लिए नकली उपग्रहों को तैनात करने का प्रयास विफल हो गया। सोशल मीडिया पर कई वीडियो में अंतरिक्ष में स्टारशिप के टूटने के बाद दक्षिण फ्लोरिडा और बहामास के पास शाम के आसमान में आग के मलबे को देखा जा सकता है। इसके इंजन बंद होने के साथ ही अनियंत्रित रूप से घूमने के तुरंत बाद हुआ, मिशन के स्पेसएक्स लाइवस्ट्रीम में दिखाया गया। यह विफलता कंपनी की सातवीं स्टारशिप उड़ान के एक महीने से भी कम समय बाद हुई है, जो विस्फोटक विफलता में समाप्त हुई थी।

जयशंकर के पीओके वाले बयान पर बोले उमर अब्दुल्ला- किसने उन्हें रोका

जम्मू। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने केंद्र सरकार को चुनौती देते हुए पूछा, आखिर किसने उन्हें रोका है? दरअसल लंदन के चाथम हाउस थिंक टैंक में एक सवाल-जवाब सत्र के दौरान एस. जयशंकर ने कहा था कि कश्मीर मुद्दे का समाधान तभी संभव होगा जब पाकिस्तान पीओके से पीछे हटे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने कश्मीर को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसमें अनुच्छेद 370 का हटाया जाना पहला कदम था।

भारत और भूटान ने सीमा क्षेत्र सर्वेक्षण टीमों और अन्य हितधारकों के कार्यों पर जताया संतोष

नई दिल्ली। सीमा संबंधी क्षेत्र कार्य से संबंधित मामलों की समीक्षा के लिए भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय सीमा कार्यालय, भूटान सरकार के अधिकारियों के बीच 06-07 मार्च को नई दिल्ली में बैठक हुई। भारतीय पक्ष का नेतृत्व महासर्वेक्षक हितेश कुमार एस. मकवाना ने किया जबकि भूटानी पक्ष का नेतृत्व भूटान सरकार के अंतरराष्ट्रीय सीमा सचिव दाशो लेथो टी. तांगबी ने किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों पक्षों ने सीमा क्षेत्र संबंधी मामलों पर सर्वेक्षण टीमों और अन्य हितधारकों द्वारा किए गए कार्य पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने अगले तीन क्षेत्र सत्रों के लिए कार्य योजना को भी अंतिम रूप दिया। इसके अलावा दोनों पक्षों ने दोनों सरकारों की प्राथमिकताओं के

अनुसार सर्वेक्षण और सीमा संबंधी कार्य से संबंधित तकनीकी और क्षमता निर्माण सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। भारत और भूटान के बीच मैत्री और सहयोग के अनूठे संबंध हैं, जो आपसी विश्वास, साझा मूल्यों और सभी स्तरों पर अत्यंत सद्भावना पर आधारित हैं। बैठक सौहार्द्रपूर्ण और मैत्रीपूर्ण माहौल में हुई और यह द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों में नियमित संवाद की परंपरा के अनुरूप है। गौरतलब है कि भारत अपने पड़ोसी देश भूटान के साथ कुल 699 किलोमीटर की सीमा साझा करता है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शनिवार, 08 मार्च, 2025

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में नौ से सताएगी गर्मी

एजेंसी : रांची। झारखंड में रविवार से गर्मी सताएगी। रविवार से राज्य के सभी जिलों में तापमान अधिक वृद्धि दर्ज की जायेगी। इससे लोगों को गर्मी का अधिक एहसास होगा। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को बताया कि शुक्रवार और शनिवार दो दिनों तक तापमान में मामूली वृद्धि होगी, लेकिन रविवार से इसमें अधिक बढोत्तरी होने की सम्भावना है। अभिषेक आनंद ने कहा कि उत्तर पश्चिम की ओर से आनेवाली हवाओं की वजह से तापमान में अधिक बढोत्तरी नहीं हो रही है, लेकिन हवा की गति कम होते ही लोगों को गर्मी का अधिक एहसास होगा। वही रांची का शुक्रवार को अधिकतम तापमान 27.0 डिग्री, न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री, जमशेदपुर का 32.1, न्यूनतम तापमान 14.6, डालटेनगंज का 30.6, न्यूनतम तापमान 10.6 रहा।

झारखंड विधानसभा में बाबूलाल मरांडी बने नेता प्रतिपक्ष, साधु हत्या पर हंगामा

एजेंसी : रांची : झारखंड : विधानसभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने शुक्रवार को इस संबंध में आधिकारिक घोषणा की। इससे पहले गुरुवार को उन्हें भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया था। नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के बाद बाबूलाल मरांडी को मुख्यमंत्री और अन्य विधायकों ने बधाई दी। वहीं, रांची के चान्हो थाना क्षेत्र में एक आश्रम में घुसकर अपराधियों ने साधु सहित दो लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। इस मामले को लेकर भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने शुक्रवार को विधानसभा में उठाया और संसदीय कार्य मंत्री से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि झारखंड में साधु-संन्यासी भी सुरक्षित नहीं हैं। इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सदन को बताया कि पुलिस ने इस मामले में त्वरित कारवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित अभी फरार हैं। उन्होंने कहा कि जो भी इस अपराध में शामिल होगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।

गेगदा गांव में किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

एजेंसी : रांची : रामगढ़। झारखंड के ग्रामीण परिदृश्य में, जहां किसान मेहनत से अपनी आजीविका चलाते हैं, वहां जानकारी सबसे बहुमूल्य फसल साबित हो सकती है। इसी सोच के साथ, पीवीयूएन लिमिटेड ने शुक्रवार को गेगदा गांव में किसानों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पहल किसानों की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई थी। बीते कुछ हफ्तों में, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के कृषि (ऑनर्स) के अंतिम वर्ष के छात्रों ने पीवीयूएनएल की सामुदायिक विकास टीम के साथ मिलकर एक व्यापक आवश्यकता मूल्यांकन सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण में पाया गया कि किसानों को फसल चक्र, आधुनिक सिंचाई तकनीकों, जैविक खेती के तरीकों, जैविक खाद और उर्वरक बनाने की जानकारी नहीं थी। इसके अलावा, कई किसान सरकारी सब्सिडी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजनाओं से अनजान थे। गेगदा के खेत एक जीवंत कक्षा में बदल गए। युवा और बुजुर्ग किसान, पुरुष और महिलाएं, सभी उत्सुकता और उम्मीद के साथ एकत्र हुए। कृषि प्रशिक्षुओं, स्थानीय कृषि मित्रों और पीवीयूएनएल के कर्मचारियों ने उन्हें सरल और प्रभावी सिंचाई तकनीकों से अवगत कराया, जिससे जल संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। जैविक खेती पर आयोजित सत्रों ने किसानों को स्थायी कृषि विधियों की जानकारी दी। जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहे और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटे। पीवीयूएनएल ने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं पर विस्तृत जानकारी देने के लिए सूचनात्मक पुस्तिकाएं भी वितरित की। जिनमें योजनाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया गया था। यह पहल न केवल किसानों को तकनीकी ज्ञान से सशक्त बना रही है, बल्कि समुदाय और पीवीयूएनएल के बीच सहयोग और विश्वास को भी मजबूत कर रही है। कार्यक्रम के समापन के साथ, किसान नई आशाओं और बेहतर कृषि तकनीकों की जानकारी के साथ अपने घर लौटे।

सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए इनर व्हील क्लब ने निकाली कार रैली

एजेंसी : रांची : रामगढ़। रामगढ़ जिले में सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए इनर व्हीलक्लब ने नई पहल शुरू की है। शुक्रवार को क्लब के सदस्यों ने कार रैली निकाल कर लोगों को जागरूक करने का काम किया है। कार रैली को थाना चौक से क्लब की अध्यक्ष पिंकी पोद्दार के की ओर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली झंडा चौक, मेन रोड, बिजुलिया, रामगढ़ कॉलेज होते हुए पटेल चौक पर जाकर समाप्त हुआ। इस दौरान यह संदेश दिया गया कि सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय का कैंसर होता है। यह तब होता है जब सर्विक्स की परत में असामान्य कोशिकाएं विकसित होने लगती हैं। कैंसर के सामान्य लक्षणों में असामान्य रक्तस्राव, मासिक धर्म के बीच ब्लीडिंग, मल और मूत्र त्याग करते समय ब्लीडिंग हो सकते हैं। संस्था के लोगों ने बताया कि सर्वाइवकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीन लगवाया जाना उचित है। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एक प्रभावी उपाय है। महिलाओं का नियमित रूप से सर्वाइकल पैप स्मीयर टेस्ट होने से सर्विक्स में किसी भी परिवर्तन को पहले पता किया जा सकता है। 24 वर्ष की उम्र से लेकर 50 वर्ष की उम्र तक की महिलाओं को हर तीन साल में स्क्रीनिंग करानी चाहिए। 50 वर्ष के बाद, 64 वर्ष तक हर पांच साल में स्क्रीनिंग करानी चाहिए। रैली में सचिव नवालजीत कौर, शर्मिष्ठा दत्ता ,अनुराधा श्रॉफ, दीपा वडेरा, ममता बसंत, नीतू अग्रवाल, नमिता श्रॉफ, पिंकी बंसल , जेनेशा वडेरा, प्रियंका जैन, मेघा बगड़िया, जसमीत कौर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

विधानसभा में आदिवासी समाज की मानव श्रृंखला और अधिवक्ता सुरक्षा कानून पर हुई चर्चा

एजेंसी : रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के नौवें दिन शुक्रवार को सदन की कार्यवाही 11.07 बजे शुरू हुई। सदन में सूचना के तहत डॉ. रामेश्वर राव ने आदिवासी समाज द्वारा मानव श्रृंखला बनाए जाने का मामला उठाया। इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कमेटी बनाकर सिरम टोली स्थित सरना स्थल का निरीक्षण करने की बात कही। बाद में विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो ने कमेटी बनाने पर अपनी सहमति दे दी। अब विधानसभा कमेटी मामले की जांच करेगी। इसके बाद विधायक जयराम महतो ने राज्य में अधिवक्ता प्रोटेक्शन कानून लागू करने की मांग की।

सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है : मुख्यमंत्री

एजेंसी : रांची

झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से महिला विधायकों ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी महिला मंत्रियों और विधायकों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड विधानसभा में महिला जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति से नारी शक्ति को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष की सभी महिला विधायक सदन में महिलाओं की सुरक्षा, स्वावलंबन और सशक्तिकरण की आवाज हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी की भागीदारी से ही देश, राज्य और समाज के सर्वांगीण विकास का रास्ता खुलता है। हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में झारखंड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना जैसी कई योजनाओं के माध्यम से आधी आबादी को सशक्त बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे इस बात का गर्व है कि झारखंड की महिलाओं ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल सहित अनेकों क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल कर राज्य का नाम रोशन किया है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल कर रही हैं। महिलाएं अपने मंजिल और मुकाम को हासिल करने में कामयाब हों, इसके लिए सरकार पूरा सहयोग करने को तैयार है। एक बार फिर आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बहुत-बहुत बधाई। इस अवसर पर मंत्री दीपिका पांडेय, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक डॉ. नीरा यादव, विधायक लुइस मरांडी, विधायक सविता महतो, विधायक रागिनी सिंह, विधायक ममता देवी, विधायक पूर्णिमा दास साहू, विधायक श्वेता सिंह और विधायक मंजू कुमारी मौजूद थीं।

आदिवासी संगठनों ने रैम्प के विरोध में बनायी मानव श्रृंखला

एजेंसी : रांची

रांची के चुटिया के सिरमटोली सरना स्थल के सामने बनाए गए फ्लाईओवर रैम्प को लेकर आदिवासी संगठनों ने हरमू रोड से विधानसभा तक मानव श्रृंखला बनाकर विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि सिरमटोली सरना स्थल आदिवासियों का पवित्र स्थल है, जहां हर साल लाखों लोग सरहुल शोभायात्रा में शामिल होते हैं।संगठनों का आरोप था कि राजेन्द्र चौक से सिरमटोली तक फ्लाईओवर बनाकर और रैम्प तैयार करके इस पवित्र स्थल के सामने वाहनों का आवागमन किया जा रहा है, जिससे आदिवासी धार्मिक गतिविधियों में परेशानी उत्पन्न हो सकती है।आदिवासी मूलवासी मंच के अध्यक्ष सूरज टोप्पो ने कहा कि हम पिछले दो महीनों से फ्लाईओवर रैम्प हटाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार हमारी बातों को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि आदिवासी धार्मिक स्थल के सामने रैम्प हटाने के बजाय ओवरब्रिज को आगे बढ़ाया जाए, ताकि सरहुल शोभायात्रा में किसी प्रकार की समस्या न हो।मौके पर बबलु मुंडा, सुरज टोप्पो, अमित मुंडा, मोहन तिर्की, विजय कुमार उरांव सहित सैकड़ों आदिवासी संगठन के लोग शामिल थे।

राज्यपाल से जेपीएससी अध्यक्ष और नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के कुलपति की शिष्टाचार भेंट

एजेंसी : रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के नवनियुक्त अध्यक्ष एल. खियांग्ते ने शुक्रवार को राज भवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने उन्हें आयोग के कार्यों की समीक्षा करने की सलाह दी और झारखंड लोक सेवा आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया में गति, पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से आयोग अपनी खोई हुई विश्वसनीयता पुनः प्राप्त करेगा, जिससे जनमानस में इसकी छवि बेहतर होगी और विद्यार्थियों की शिकायतें दूर होंगी। इसके अलावा, राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से पलामू के नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति डॉ. डीके सिंह ने भी राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने डॉ. सिंह से विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा की स्थिति में सुधार लाने के लिए व्यापक प्रयास करने की अपील की। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने, अकादमिक कैलेंडर का पालन करने और सत्र के नियमितीकरण के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

रांची में कोयला कारोबारी पर जानलेवा हमला, अमन साहू गिरोह ने ली जिम्मेदारी

एजेंसी : रांची

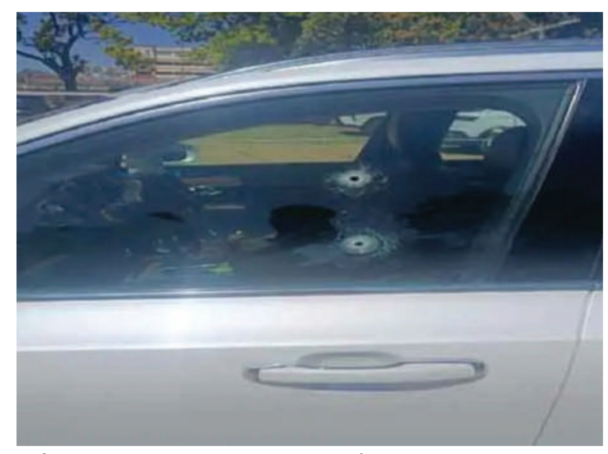

रांची के बरियातू इलाके में दिनदहाड़े कोयला कारोबारी बिपिन मिश्रा पर जानलेवा हमला हुआ। अपराधियों ने उन पर 12 से ज्यादा गोलियां चलाईं, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, बरियातू थाना क्षेत्र के गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल के पास वाली गली से जैसे ही कोयला कारोबारी अपने कार से बिपिन मिश्रा आगे बढ़े, पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी की वारदात के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद बरियातू पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कोयला कारोबारी के परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए हैं। कोयला कारोबारी विपिन मिश्रा बरियातू इलाके में ही रहते हैं। बरियातू थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल हुए हैं, अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है। आस पास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने कोयला कारोबारी विपिन मिश्रा पर गोलीबारी की घटना का जिम्मा लिया है। मयंक सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि बिपिन मिश्रा पर हुए हमले की जिम्मेवारी लेता हूं। विपिन मिश्रा बच गया पर मेरी कोशिश जारी रहेगी। उन्होंने बिपिन मिश्रा के लिए काम करने वाले सभी ठेकेदारों और ट्रांसपोर्टरों को काम बंद करने की चेतावनी दी है।

इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों का हंगामा, मेस के खाने पर उठाए सवाल

एजेंसी : रांची

झारखंड : पलामू के एक मात्र सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में मेस का खराब खाने मिलने पर जमकर हंगामा किया गया। बड़ी संख्या में छात्र कॉलेज कैंपस में जमा होकर विरोध प्रदर्शन किये। गुरुवार रात इस प्रदर्शन में छात्रों ने मेस संचालक को बदलने की मांग की। छात्रों का कहना है कि हॉस्टल में मिलने वाला खाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। कई छात्र एनीमिया और पेट संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं। मेस की फीस देने के बावजूद उन्हें मैगी और बिस्कुट पर निर्भर रहना पड़ता है।

छात्रों ने कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की-छात्रों ने मेस के खाने का वीडियो बनाकर सुखी पूड़ी और तेल भरे खाने की वास्तविकता दिखाई है। नाराज छात्रों ने कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। कॉलेज प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को शांत करने का प्रयास किया।

मेस फीस बढ़ाने के बावजूद खाने की गुणवत्ता में सुधार नहीं- एक छात्रा ने बताया कि अनुचित भोजन के कारण वह मात्र दो महीने में एनीमिया से ग्रसित हो गई। छात्रों का आरोप है कि मेस फीस बढ़ाने के बावजूद खाने की गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हुआ है। चार हजार रुपए उनसे मेस चार्ज लिए जा रहे हैं। कॉलेज से छुट्टी लेकर विद्यार्थी घर चले जाते हैं तब भी उनसे मेस की पूरी फीस ली जाती है। छात्रों ने मेस के ठेकेदार को हटाने और नियमित रूप से मेस की जांच करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी न होने पर वे अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। इधर, प्रिंसिपल डॉ. संजय कुमार सिंह ने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया तब जाकर मामला शांत हुआ। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि कॉलेज खुलने के बाद विद्यार्थियों के लिए मेस का खोला जाना जरूरी था। खाने की क्वालिटी को लेकर शिकायत है, उसमें सुधार कराया जाएगा। विद्यार्थियों ने मेस संचालन को लेकर मांग पत्र दिया है। विद्यार्थियों से मेस को लेकर नियम बनाने के लिए कहा गया है। फिर उसे लागू कर दिया जाएगा।

इंटर की छात्रा ने घर में फांसी लगा किया आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी : रांची

लोहरदगा । सेन्हा थाना क्षेत्र के कंडरा बगीचा टोली में अपने घर पर इंटर की एक छात्रा ने फंदे से लटकर खुदकुशी कर ली। इस घटना से परिजनों एवं आसपास पड़ोसियों के बीच शोक की लहर है। सेन्हा थाना क्षेत्र के कंडरा बगीचा टोली निवासी चारु उरांव की पुत्री ऋतु कुमारी (18) ने अपने घर के एस्बेस्टस में कुंडी से साड़ी का फंदा बना खुदकुशी कर ली। परिजनों ने घटना की सूचना शुक्रवार सुबह सेन्हा थाना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल लोहरदगा भेज दिया। परिजनों ने बताया कि घटना के पूर्व घर के सभी सदस्य फसल की सिंचाई करने खेत चले गए थे। जब लड़की की मां घर पहुंची तो देखा कि घर के अंदर कुंडी में साड़ी से फंदा बना कर ऋतु झूली हुई थी। इसके बाद शोर गुल होने लगा जिसे अगल बगल के लोग और परिवार के सभी लोग खेत से घर पहुंच स्थानीय मुखिया तथा चौकीदार को सूचना दिया। सेन्हा थाना प्रभारी वारिश हुसैन ने बताया कि पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। खुदकुशी के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

सीता सोरेन पर उनके ही पूर्व पीए ने तानी बंदूक, गिरफ्तार

एजेंसी : रांची

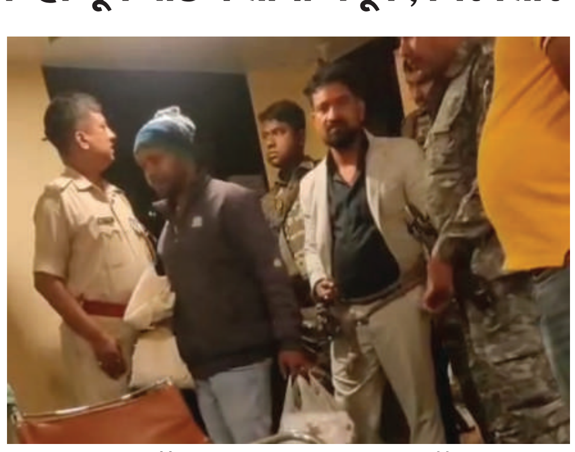

धनबाद। भाजपा नेता सह शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन की हत्या करने का प्रयास किया गया है। हालांकि हमले में वह बाल बाल बच गईं। यह जानलेवा प्रयास उनके पूर्व पीए देवाशीष घोष ने किया हैं । घटना धनबाद के सरायढेला थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान घटी। बताया जाता है कि सीता सोरेन गुरुवार को एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए कतरास पहुंची थीं। इस दौरान वह सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में रुकी थीं। जहां उनका पूर्व पीए देवाशीष घोष पहले से होटल के कमरे में मौजूद था। सीता सोरेन जैसे ही होटल के कमरे में घुसी वैसे ही देवाशीष घोष ने उनपर पिस्टल तान दिया और फायर करने का प्रयास किया। हालांकि इससे पहले कि वह गोली चला पाता, सीता सोरेन की सुरक्षा में मौजूद सुरक्षा गार्डों ने देवाशीष घोष को दबोच लिया। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने देवाशीष के पास से दो पिस्टल बरामद किया है। मामले को लेकर डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम ने बताया कि सीता सोरेन के पीए देवाशीष मनोरंजन घोष के खिलाफ सीता सोरेन पर पिस्टल तानने की प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपित के पास से पुलिस ने पिस्टल भी जब्त किया है। फिलहाल आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया यह घटना धनबाद के सोनोटेल होटल में बीती देर रात की घटी है। मामले में आगे जांच की जा रही है।

लातेहार में वाहन के धक्के से लकड़बग्घा की मौत

एजेंसी : रांची

लातेहार। जिले के मनिका हाई स्कूल के पीछे शुक्रवार को एक मृत लकड़बग्घा पाया गया। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन कर रही है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को कुछ लोगों ने हाई स्कूल के पीछे एक जानवर को मृत पड़ा हुआ देखा । जानवर को देखकर लोगों ने हल्ला मचा दिया कि बाघ की मौत हुई है । मामले की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मृत जानवर को देखा। वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा मृत जानवर की पहचान लकड़बग्घा के रूप में की गई। पूरे मामले की छानबीन के बाद रेंजर ठाकुर पासवान ने बताया कि ऐसा लग रहा है जैसे किसी वाहन के धक्के के कारण लकड़बग्घा की मौत हुई होगी। उन्होंने कहा कि संभावना है कि रात में किसी गाड़ी की चपेट में लकड़बग्घा आ गया होगा जिसके कारण यह घटना हुई होगी । उन्होंने बताया कि पशु चिकित्सक को बुलाया जा रहा है। मृत लकड़बग्घा का पोस्टमार्टम करने के बाद जो रिपोर्ट आएगी उससे स्पष्ट हो पाएगा कि लकड़बग्घा की मौत कैसे हुई । हालांकि घटनास्थल राष्ट्रीय राजमार्ग 39 के बिल्कुल करीब है ,इसलिए वहां के धक्के से लकड़बग्घा की मौत होने की संभावना प्रबल लग रही है । उल्लेखनीय है कि जिले के जंगली इलाकों में लकड़बग्घा पाए जाते हैं। रात के समय लकड़बग्घा जंगलों से निकलकर सड़क पर भी आ जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

शांति निकेतन में सम्मानित हुए गोमिया के कलाकार

राष्ट्रीय मुख्यधाराः गोमिया : रविन्द्र नाथ टैगोर की कर्मभूमि शांति निकेतन में ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का समापन हुआ। इस अधिवेशन में एमवीआर म्यूजिकल ग्रुप के संगीत निदेशक मुकेश कुमार सिन्हा, की-बोर्ड प्लेयर ऋषभ देव सिन्हा एवं ऑक्टा पैड प्लेयर विनीत कुमार को एआईटीसी के जनगीत के संगीत निर्देशन के लिए प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक केन्द्र कोलकाता के द्वारा निर्मित सृजनी शिल्पग्राम के मंच पर देश के सत्रह राज्यों से आए रंगकर्मियों का कला मंचन एवं विचारों का आदान-प्रदान हुआ। राष्ट्रीय महासचिव सतीश कुंदन एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक मेहरा, उपाध्याय, राजेन्द्र प्रसाद एवं श्रीमती सरसि चंद्रा ने अनेक प्रदेशों से आए रंगकर्मियों के साथ मिलकर एआईटीसी का ध्वज फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात प्रसिद्ध लेखक श्री सुरेन्द्र सागर द्वारा रचित एवं एम भी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा संगीतबद्ध किए गए एआईटीसी के जनगीत की प्रस्तुति मुकेश कुमार सिन्हा एवं ऋषभ देव सिन्हा के द्वारा दी गई। देश के अलग-अलग हिस्सों से आए लगभग 300 रंगकर्मियों ने दो दिवसीय सत्र में भाग लिया, जिसमें 15 मार्च से राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन एकल नाट्य प्रतियोगिता, नाटक लेखन प्रतियोगिता आयोजित करने पर सहमति बनी। साथ ही शास्त्रीय व अर्ध शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता भी ऑनलाइन ही करवाए जाएंगे।

डीवीसी कोनार डैम में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : डीवीसी कोनार डैम स्थित मुख्य कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में शुक्रवार को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन एचओपी राणा रंजीत सिंह ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। एचओपी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने का कार्य किया जा रहा है। कहा कि हिन्दी काफी सुगम एवं सरल भाषा है, जिसके कारण इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया गया है। हिन्दी में काम करना आसान है और उन्होंने अपने सभी विभागों के अधिकारियों, इंजीनियरों एवं कर्मचारियों हिन्दी में कार्य करने की सलाह देते हुए इस पर बल दिया। उन्होंने हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर राजभाषा विभाग द्वारा दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र के बारे में भी बताया। कार्यशाला का संचालन हिन्दी अधिकारी अशोक कपूर ने किया। कार्यशाला में प्रबंधक सिविल पवन कुमार, डीवीसी उच्च और मध्य विद्यालय के प्राचार्य भरत महतो और राजेश्वर रजक के साथ मुख्य कार्यालय के राजेश कुमार, सीएसआर के कार्यपालक सुनील कुमार सहित अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

पूर्व विधायक ने बाबूलाल मरांडी को दी बधाई

राष्ट्रीय मुख्यधाराः गोमिया : झारखंड विधानसभा में बाबूलाल मरांडी को भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने पर गोमिया के पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने बाबूलाल मरांडी को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ महतो ने कहा कि यह झारखंड की राजनीति के लिए सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और बाबूलाल मरांडी की कुशल रणनीति से झारखंड सेवा, सुशासन और अंत्योदय कल्याण की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में भाजपा और मजबूत होगी और राज्य सरकार की मनमानी पर अंकुश लगेगा।

प्रभु की कृपा जब मिल जाए, तो कुछ भी असंभव नहीं : पं. गोविंद शास्त्री

श्यामा माई मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन सोल्लास मना कृष्ण जन्मोत्सव, झूम उठे भक्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नगर के सेक्टर-2डी स्थित श्यामा माई मंदिर में चल रहे होली महोत्सव सह श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन शुक्रवार को श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आनंद छाया रहा। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। उन्होंने भजन-कीर्तन के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। वे जमकर झूमे। वृंदावन से पधारे कथावाचक गोविंद कृष्ण शास्त्रीजी महाराज ने भक्ति के साधन पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि मनुष्य के जीवन में अच्छे व बुरे दिन प्रभु की कृपा से ही आते हैं।

उन्होंने कहा कि जिस समय भगवान कृष्ण का जन्म हुआ, जेल के ताले टूट गये। पहरेदार सो गये,

वासुदेव व देवकी बंधन-मुक्त हो गए, प्रभु की कृपा से कुछ भी असंभव नहीं है, कृपा न होने पर प्रभु मनुष्य को सभी सुखों से वंचित कर देते हैं। भगवान का जन्म होने के बाद वासुदेव ने भरी जमुना पार करके उन्हें गोकुल पहुंचा दिया। वहां से वह यशोदा के यहां पैदा हुई शक्तिरूपा बेटी को लेकर चले आये। कृष्ण जन्मोत्सव पर- नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की, गीत पर भक्त जमकर झूमे। कंस ने वासुदेव के हाथ से कन्या रूपी शक्तिरूपा को छीनकर जमीन पर पटकना चाहा तो वह कन्या राजा कंस के हाथ से छूटकर आसमान में चली गई। शक्ति रूप में प्रकट होकर आकाशवाणी करने लगी कि कंस, तेरा वध करने वाला पैदा हो चुका है। भयभीत कंस खींझता हुआ अपने महल की ओर लौट गया और इस तरह भगवान द्वापर में धरती पर प्रकट हुए और धरती पर दुष्टों का संहार किया और भक्तों का उद्धार। कथा के बीच-बीच में पं. गोविंदजी ने मनमोहक भजन गाकर भक्तों को खूब झुमाया और माहौल भक्तिरस में सराबोर रहा।

मंदिर के अमरेंद्र मिश्र सभागार में आयोजित इस अनुष्ठान में महायज्ञ के यजमान मंजू मिश्र व गोविंद मिश्र, श्यामानंद मिश्र, इंदु मिश्र सहित मैथिली कलामंच कालीपूजा ट्रस्ट के अध्यक्ष कृष्ण चंद्र झा एवं महामंत्री सुनील मोहन ठाकुर के अलावा सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

बोकारो के वरीय अधिवक्ता विश्वनाथ प्रसाद सिंह का आकस्मिक निधन, शोक की लहर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो के सेक्टर 12 निवासी 68 वर्षीय अधिवक्ता विश्वनाथ प्रसाद सिंह का शुक्रवार तड़के निधन हो गया। उनका दाह संस्कार गरगा श्मशान घाट पर किया गया। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स द्वारा शुक्रवार को बोकारो सिविल कोर्ट परिसर में अधिवक्ता विश्वनाथ प्रसाद सिंह के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने कहा कि स्व विश्वनाथ प्रसाद सिंह के सम्मान में सभी अधिवक्ता शुक्रवार को अपने आप को न्यायीक कार्य से अलग रखा। श्री गिरि ने कहा कि स्व सिंह काफी दिनों असाध्य बीमारी से पीड़ित थे। वे बोकारो कोर्ट में वर्ष 1999 से वकालत कर रहे थे। वे अपने पीछे एक पुत्र, दो पुत्री समेत पत्नी छोड़ गए है। शोक सभा में अधिवक्ता रंजन कुमार मिश्रा, फटीक चंद्र सिंह, संजय कुमार प्रसाद, अतुल कुमार, अशोक कुमार महथा, नरेश महतो, शंकर दे, धुर्वेश्वर मंडल, राणा प्रताप शर्मा, संजीत महतो, विष्णु चरण महाराज, नीतीश नंदी, राजेश कुमार,अंकित ओझा, प्रेरणा पांडेय, जितेंद्र कुमार, अंजनी चौधरी, विजय कुमार, ओम प्रकाश लाल, चंदन कुमार, कृष्ण देव

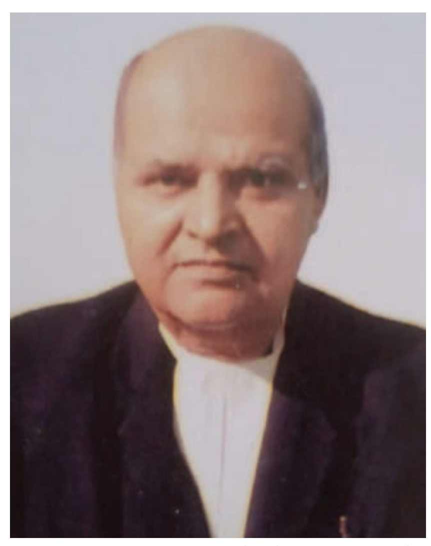

प्रसाद, विकास कुमार, राज श्री, दीपिका सिंह, संजीत कुमार सिंह, सुमन वर्मा, विकास प्रजापति, मो हसनैन आलम, वंशिका सहाय, दीप्ति सिंह, रीना कुमारी, अरूप चक्रवर्ती, इंद्रनील चटर्जी, सुभाष चक्रवर्ती व अन्य अधिवक्ता उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री ने महिला विधायकों से की मुलाकात, दी शुभकामनाएं

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः झारखंड विधानसभा में शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य की महिला विधायकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि "आधी आबादी की सक्रिय भागीदारी से ही देश, राज्य और समाज के सर्वांगीण विकास का रास्ता खुलता है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट उपलब्धियों से राज्य का मान-सम्मान बढ़ा रही हैं। उन्होंने विधानसभा में महिला विधायकों की उपस्थिति को नारी शक्ति के सशक्तिकरण का प्रतीक बताया और सभी महिला विधायकों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य की सभी महिलाओं को शुभकामनाएं, बधाई और जोहार प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के उत्थान और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इस अवसर पर बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, "हेमंत सोरेन हमेशा से महिलाओं के विकास को प्राथमिकता देते आए हैं, जिससे समाज को मजबूती मिल रही है।" उन्होंने 'मईया सम्मान योजना' जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखंड सरकार और इंडिया गठबंधन महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति गंभीर है और योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

बोकारो में तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार, 18 मोबाइल और लैपटॉप बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो जिले में साइबर ठगी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये अपराधी लोगों को फोन कर ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने इनके पास से 18 मोबाइल, एक लैपटॉप और दो डायरी बरामद की है, जिसमें कई लोगों के कॉन्टैक्ट नंबर और बैंक अकाउंट डिटेल दर्ज हैं।

गुप्त सूचना पर हुई छापेमारी- चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पुपुनकी में एक घर में छिपे इन तीनों अपराधियों की सूचना पुलिस को मिली थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर इन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पकड़े गए साइबर अपराधियों की पहचान सुबल दास, सूरज दास और देवाशीष दास के रूप में हुई है, जो लंबे समय से साइबर ठगी के धंधे में सक्रिय थे।

पहले भी दर्ज हैं कई मामले- पुलिस जांच में पता चला है कि इन तीनों अपराधियों का पहले से ही आपराधिक इतिहास रहा है। जामताड़ा और मिहिजाम थाना में इनके खिलाफ साइबर अपराध से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। पुलिस को शक है कि ये किसी बड़े गिरोह का हिस्सा हैं, जो अलग-अलग राज्यों में साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम देता है।

पुलिस करेगी गहन जांच- इस मामले को लेकर बोकारो के चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की है। फिलहाल पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है और पूरे गिरोह की जड़ तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। यह भी जांच की जा रही है कि ये अपराधी किन-किन राज्यों में ठगी के मामलों में शामिल रहे हैं और इनके संपर्क में और कौन-कौन लोग हैं।

पुलिस को उम्मीद है कि इनकी गिरफ्तारी से साइबर ठगी से जुड़े कई और मामलों का खुलासा हो सकता है।

बिना एनओसी के डीवीसी की जमीन पर कार्य को लेकर एचओपी को लिखा पत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल नई बस्ती निवासी गिरिडीह सांसद के प्रतिनिधि तथा डीवीसी विस्थापित एवं स्थानीय समन्वय समिति के युवा अध्यक्ष जितेंद्र यादव ने शुक्रवार को डीवीसी के स्थानीय एचओपी को गोविंदपुर सी पंचायत सचिवालय एवं डीवीसी उच्च विद्यालय के समीप बिना एनओसी के अनाधिकृत रूप से चहारदीवारी निर्माण को लेकर पत्र लिखा है। पत्र के अनुसार उक्त स्थान के समीप ही कुछ माह पूर्व एक विस्थापित द्वारा जीवन निर्वहन करने को लेकर पेवर ब्लॉक बिछाने का कार्य किया जा रहा था तो डीवीसी प्रबंधन ने उसे रोक दिया था, तो फिर चहारदीवारी का निर्माण बिना एनओसी के कैसे करने दिया जा रहा है। लिखा है कि पंद्रह दिनों के अंदर उक्त निर्माण कार्य पर कार्रवाई नहीं की जाएगी तो सभी विस्थापितों के द्वारा डीवीसी की जमीन पर अनाधिकृत रूप से निर्माण कार्य आरंभ कर दिया जाएगा। सांसद प्रतिनिधि ने एचओपी को भेजे पत्र की प्रतिलिपि पीएमओ नई दिल्ली, डीवीसी चेयरमैन, सीएमओ झारखंड, गिरिडीह सांसद, बोकारो डीसी, एसडीएम बेरमो तथा सीओ बेरमो को भी भेजी है।

निविदा के बाद डीएमएफटी फंड से हो रहा निर्माण कार्य- गोविंदपुर सी पंचायत के मुखिया विकास सिंह ने मामले में पूछे जाने पर कहा कि बोकारो जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफटी फंड से निविदा के बाद ही उक्त स्थान पर कार्य आरंभ किया गया है। कहा कि उक्त स्थान पर चहारदीवारी निर्माण के बाद एक सार्वजनिक पार्क का निर्माण स्थानीय लोगों एवं बच्चों के लिए किया जाएगा, जो किसी का निजी नहीं होगा।

बोकारो में राजराजेश्वरी महालक्ष्मी यज्ञ, श्रीमद् देवी भागवत कथा में पहुंचे कथा मर्मज्ञ डॉ. श्रीधर ओझा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः शुक्रवार को 4F सूर्य मंदिर मैदान स्थित बोकारो यज्ञ मंडप में राजराजेश्वरी महालक्ष्मी यज्ञ और श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान के बीच कथा व्यास डॉ. श्रीधर ओझा जी महाराज का अचानक आगमन हुआ। वे मां छिन्नमस्ता के दर्शन के लिए आए थे, लेकिन भक्तों के आग्रह पर वे यज्ञ मंडप में पधारे। बोकारो के श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया और उनकी उपस्थिति से माहौल भक्तिमय हो गया।

महाराज श्रीधर ओझा जी ने अपने संबोधन में यज्ञ की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां राजराजेश्वरी नौ दिनों में ही समाहित हैं और इस वर्ष महाकुंभ

का विलक्षण पर्व भी मनाया गया है। उन्होंने इसे बोकारो नगर का महाकुंभ बताते हुए कहा कि यहां देवी भागवत कथा की श्वेत धारा, यज्ञ के धुएं की नील धारा और देवी-देवताओं की अदृश्य धारा प्रवाहित होगी। उन्होंने कहा कि त्रिवेणी संगम की तरह इस महायज्ञ में दान और भक्ति का वही पुण्यफल प्राप्त होगा, जैसा कुंभ में संगम स्नान से मिलता है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे इस नौ दिवसीय महायज्ञ में शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ उठाएं। महाराज जी ने कहा, "जो ग्रह-नक्षत्र कुंभ में होते हैं, वही संयोग इस महायज्ञ में भी रहेगा। भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। यही मेरा आशीर्वाद है।"

महाराज श्रीधर ओझा जी के आगमन पर यज्ञ में शामिल श्रद्धालुओं ने हर्षोल्लास से स्वागत किया। इस अवसर पर विमलेश पांडे, कृष्णकांत त्रिपाठी, नितिन त्रिपाठी, राजीव पांडे, अजय गुप्ता, डीआर परमानंद चंद्रवंशी सहित कई भक्तगण उपस्थित रहे।

बोकारो में भक्ति और आस्था से ओतप्रोत यह आयोजन नौ दिनों तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन यज्ञ, देवी भागवत कथा और भजन-कीर्तन की रसधार बहेगी।

बोकारो में बैंक कर्मियों का प्रदर्शन, 24-25 मार्च को हड़ताल की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बैंकों में कार्यरत सभी यूनियनों क्रमशः एआईबीए, एआईबीओसी, एनसीबीए, बीईएफआई, एएबीओए, एएनबीईएफआई, एनबीओसी,एनओबीयू, एनओबीओ के यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बैनर तले शुक्रवार को चास-बोकारो के सभी बैंक कर्मचारी एवं अधिकारियों ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होकर स्थानीय भारतीय स्टेट बैंक, बोकारो स्टील सिटी शाखा, सेक्टर 4 सिटी सेंटर के सामने विशाल प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन आगामी दिनांक 24-25 मार्च को घोषित दो दिवसीय अखिल भारतीय बैंक हड़ताल के आलोक में आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की कड़ी में पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के तहत किया गया। इस प्रदर्शन के माध्यम से बैंक कर्मियों ने बेहतर ग्राहक सेवा एवं कार्यस्थल पर तनाव के लिए अविलंब बैंक में सभी संवर्गों में समुचित बहाली की मांग की। साथ ही, यह भी मांग की कि बैंकों में पांच दिवसीय बैंकिंग को भी जल्द से ज्यादा लागू किया जाए। इसके साथ यह भी

मांग की गई की इंडियन बैंक एसोसिएशन (सभी बैंकों के शीर्ष प्रबंधन की सम्मिलित आधिकारिक संस्था) के साथ यूएफबीयू की हुई वार्ताओं में जो मामले लंबित रह गए हैं, उनका सकारात्मक समाधान भी जल्द से जल्द किया जाए। इन्हीं मांगों के आलोक में बैंक कर्मियों ने नारों के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद की। इस प्रदर्शन में महिला बैंक कर्मियों की भारी उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर यूएफबीयू के जिला संयोजक सिद्धेश नारायण दास ने बताया कि 3 मार्च 2025 को दिल्ली में हुए प्रदर्शन के दिन के अखिल भारतीय नेतृत्वकर्ता द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा निदेशालय (डीएफएस) के अधिकारियों से भी वार्ता कर उन्हें यूएफबीयू द्वारा घोषित दिनांक 24 एवं 25 मार्च 2025 को दो दिवसीय हड़ताल के संबंध में दिए गए नोटिस के संबंध में बताया एवं अपनी मांगों से अधिकारियों को अवगत कराया। डीएफएस अधिकारियों द्वारा कहा गया कि इंडियन बैंक एसोसिएशन इस संबंध में यूएफबीयू से वार्ता कर मामले का निष्पादन करेगी। किंतु अभी तक इंडियन बैंक एसोसिएशन द्वारा वार्ता के लिए कोई सूचना नहीं दी गई है। हम आज के इस देशव्यापी प्रदर्शन के माध्यम से भारत सरकार एवं इंडियन बैंक एसोसिएशन को आगाह करना चाहते हैं यदि हमारी मांगों पर अविलंब ध्यान नहीं दिया गया तो 24 एवं 25 मार्च को दो दिवसीय हड़ताल तो होगी ही। साथ ही इसके बाद भी यदि सरकार नहीं चेतती है तो हम अपने बैंकों, बैंक के ग्राहकों एवं अपने अस्तित्व की रक्षा हेतु संघर्ष को और भी तेज करेंगे एवं मांगों की पूर्ति होने तक अंतिम दम तक संघर्ष करेंगे। प्रदर्शन को संबोधित करने वाले वक्ताओं में मुख्य रूप से सिद्धेश नारायण दास, राघव कुमार सिंह, राजेश श्रीवास्तव, प्रदीप झा, राकेश मिश्रा, अवधेश प्रसाद, दिलीप कुमार, प्रशांत कुमार, विवेक ठाकुर, अनिल कुमार, मनमीत कौर, वंदना कुमारी, ममता राउत, ऋचा कुमारी, राजकुमार प्रसाद, रणधीर मिश्रा, मनोज झा पंकज सिंह प्रभात कुमार आदि उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शनिवार, 08 मार्च, 2025

संक्षिप्त समाचार

डॉ अभय को मिला आईसीएसएसआर की रिसर्च परियोजना

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांचीः डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, भूगोल विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ अभय कृष्ण सिंह को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली से 'नील-हरित अवसरचना (ब्लून ग्रीन इंफ्रास्ट्रसक्चलर) के नुकसान और इसके जलवायुवीय जलचक्रीय गतिकी (हाइड्रोक्लावइमेटिक डाइनेमिक्सो) और आजीविका पर प्रभाव विषय पर 30 लाख रुपये की मेजर रिसर्च परियोजाना स्वीकृत हुई है।

यह विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार है कि किसी शोधकर्ता को आईसीएसएसआर से मेजर रिसर्च परियोजना प्राप्त हुई है, जिससे यह संपूर्ण विश्वविद्यालय समुदाय के लिए गर्व की बात है।

यह परियोजना रांची और उसके शहरी क्षेत्र में 1974 से 2024 के बीच नील-हरित अवसंरचना (बीजीआई) में आए परिवर्तनों का भू-स्थानिक तकनीकों (जीओसपैटिअल टेक्निक्सू) और रिमोट सेंसिंग की सहायता से विश्लेषण करेगी।

डॉ अभय कृष्ण सिंह प्रतिबद्ध शोधकर्ता और भू-स्थानिक तकनीकों के विशेषज्ञ हैं। वे विश्वविद्यालय के रिमोट सेसिंग और जीआईएस विभाग के प्रमुख भी हैं।

उन्होंने दो पुस्तकें लिखी हैं और उनके 30 से अधिक शोध-पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ सिंह हाइड्रोक्लाइमेटिक (जलवायुचीय-जलचक्रीय) समस्याओं के समाधान के लिए 'स्पंज सिटी अवधारणा के प्रबल समर्थक हैं। उनकी यह परियोजना रांची में स्पंज सिटी मॉडल की व्यवहार्यता, संभाव्यता और व्यावहारिकता का मूल्यांकन करेगी, जिससे जल संरक्षण, जलभराव की रोकथाम और जलवायु संतुलन की दिशा में ठोस कदम उठाया जा सके।

यह परियोजना अगले दो वर्षों तक चलेगी और इसके निष्कर्ष शहरी नियोजन तथा जलवायु प्रबंधन की प्रभावी नीतियों तैयार करने में सहायक होंगे। डॉ सिंह की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार एवं शोध जगत में हर्ष और गर्व का वातावरण है। यह शोध न केवल रांची शहर की पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान देगा, बल्कि भारत के अन्य शहरी क्षेत्रों के लिए भी एक अनुकरणीय मॉडल तैयार करेगा।

छह पंचायतों को पंचायती व्यवस्था से जोड़े सरकार : अरूप

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची। मासस विधायक अरूप चटर्जी ने सरकार से उनके क्षेत्र के छह पंचायतों को पंचायती व्यवस्था से जोड़ने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002 में डीसी के आदेश पर 50 में से छह पंचायतों को पंचायती व्यावस्था से अलग कर दिया गया था, क्योंकि उस इलाके में साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क बनना था। लेकिन यह पार्क नहीं बनाया गया और इन पंचायतों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया।

जादूगोड़ा की महिलाओं को बचाए सरकार : जयराम- जेकेएलएम के विधायक जयराम महतो ने जादूगोड़ा में परमाणु रेडिएशन की शिकार महिलाओं की पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि यहां के एक दर्जन गांवों की 47 महिलाएं मां बनने की इच्छाए जागृत नहीं कर पाती। इसपर सरकार को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां 30 प्रतिशत महिलाओं को खुद गर्भपात हो जाता है। उन्होंने कहा कि जादूगोड़ा से यूरेनियम निकालकर कंपनी ले जाती है और इसके कचरे को यहां लाकर पुनः फेंक देती है जो काफी गंभीर बात है। उन्होंने सरकार से धनबाद के प्रदूषण पर डब्यूएचओ की चिंता की ओर ध्यान आकृष्ट कराया और सरकार से धनबाद सहित पूरे राज्ये में घट रहे वन क्षेत्र को बढ़ाने की मांग की।

वहीं आजसू विधायक निर्मल महतो ने उनके इलाके में खोले जा रहे अवैध खदानों पर नकेल कसने की मांग की। उन्होंने कहा कि खदान मालिक क्षेत्र में अंधाधुंध तरीके से वनों की कटाई कर रहे हैं और विरोध करने वालों की पिटाई भी करते हैं।

एक बीडीओ पर कई प्रखंडों का प्रभार : अनंत प्रताप- झामुमो के विधायक अनंत प्रताप देव ने गढ़वा जिले में प्रखंड कार्यालयों में प्रखंड विकास पदाधिकारियों की कम संख्या पर चिंता प्रकट की और सरकार से कार्यालयों में उनकी नियुक्ति की मांग की। उन्होंने कहा कि एक-एक बीडीओ पर दो-तीन प्रखंड कार्यालयों का प्रभार है। इससे विकास कार्य प्रभावित हो रहा है। वहीं बजट पर वाद-विवाद में हिस्सा लेनेवालों में विधायक जनार्दन पासवान, श्वेता सिंह, सुरेश पासवान, बसंत सोरेन और मनोज यादव शामिल थे।

पुलिसकर्मी के बेटे का मिला शव

राष्ट्रीय मुख्यधाराः पलामू। जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के ओरिया गांव निवासी मुन्ना कुमार (22) की बीती रात टीवीएस अपाची मोटरसाइकिल (जेएच03यू 7172) से दुर्घटना में मौत हो गई। वह एक शादी समारोह में शामिल होने गया था, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। शुक्रवार सुबह उसकी बाइक और उसका शव शाहद में मिला, जिससे परिजन चिंतित हो गए।

थाना प्रभारी राजू कुमार गुप्ता ने बताया कि पुलिस को सुबह सूचना मिली कि एक युवक का शव सड़क किनारे पड़ा है।

मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

वही मुन्ना कुमार के असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बताया जाता है कि युवक के पिता बिंदेश्वरी राम पुलिस विभाग में जमादार की ट्रेनिंग कर रहे थे। घटना की खबर मिलते ही वे तुरंत गांव लौटे। पूरे गांव में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की गहन जांच की मांग की है।

बीडीओ ने सभी पंचायतों में दिया पेयजल की समस्या दूर करने का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोमिया : गोमिया प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त बोकारो के निर्देशानुसार गोमिया प्रखंड की सभी पंचायतों में पेयजल की समस्या को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में बीडीओ महादेव कुमार महतो, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता रोहित मंडल, प्रभारी पंचायती राज पदाधिकारी राजकिशोर मिश्र, कनीय अभियंता दीपक कुमार तथा गोमिया प्रखण्ड की पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव उपस्थित थे। बैठक में बीडीओ महादेव कुमार महतो ने कहा कि गोमिया प्रखण्ड में लोगों को पेयजल की उपलब्धता के लिए सभी पंचायत के मुखिया एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग खराब पड़े हुए चापाकल एवं जलमीनार को अपने अपने स्तर से मरम्मत करेंगे, ताकि आने वाले गर्मी के दिनों में लोगों को सुचारू रूप से पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि समय कम है, इसे देखते हुए सभी पंचायत प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी इसे अति आवश्यक समझते हुए जल्द से जल्द खराब पड़े हुए चापाकल एवं जलमीनार की मरम्मत का कार्य शुरू कर दें। इस सम्बन्ध में बोकारो उपायुक्त का स्पष्ट निर्देश है पेयजल समस्या के समाधान में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। मौके पर मुखिया बलराम रजक, विनोद विश्वकर्मा, राजेश रजवार, आदित्य कुमार महतो, महादेव महतो, शर्मीला देवी, सावित्री देवी, सोनाराम मुर्मू, रामवृक्ष मुर्मू, मिनी देवी, रीतलाल महतो, पंचायत सचिव राधा कुमारी, राजू मल्लाह, सुदामा तूरी, उदय डे, संजय कुमार, ओमप्रकाश, अनुज कुमार, सोनू कुमार, रितु कुमारी, प्रीति कुमारी, पूर्णिमा कुमारी, नितेश कुमार, चंदन कुमार, पंकज कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त ने पथ निर्माण योजनाओं की बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः जिला के उपायुक्त हेमंत सती ने पथ निर्माण विभाग के अन्तर्गत संचालित योजनाओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में चल रही सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के के अंदर करें गुणवत्तापूर्ण और सही तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी पर निर्देशित किया गया मिर्जाचौकी से बोआरीजोर मार्ग, अन्य मार्गो समेत अन्य योजनाओं की बारीकी से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं को शीघ्र दूर करने और प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कोटालपोखर में पेयजल आपूर्ति पुनः चालू करने के को लेकर आजसू ने सौंपा ज्ञापन,दी आंदोलन की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के कोटालपोखर पंचायत में जलमीनार पाइपलाइन द्वारा पेयजल आपूर्ति को सुचारु रूप से पुनः चालू करने को लेकर आजसू के बरहरवा प्रखंड सचिव प्रणव कुमार साह ने साहिबगंज पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता से मिलकर ज्ञापन सौंपा।उन्होंने कहा कि विगत महीने भर से कोटालपोखर पंचायत क्षेत्र में जलमीनार पाइपलाइन द्वारा पेयजल आपूर्ति अवरुद्ध है।जिसके कारण समस्त पंचायतवासी पेयजल की कमी से जूझ रहे हैं।गर्मी के दस्तक देते ही विभिन्न जलाशय एवं पेयजल के स्त्रोत जवाब दे रहे हैं।ऐसे में जालमीनार पाइपलाइन द्वारा पेयजल आपूर्ति ही यहां के लोगों का सहारा है।लेकिन विभिन्न कारणों से विगत एक महीने से उक्त जालमीनार पाइपलाइन द्वारा पेयजल आपूर्ति अवरुद्ध है।और यह पहला मामला नहीं है जब पेयजल आपूर्ति किसी कारण बंद है।इसके पूर्व भी हर वर्ष किसी न किसी कारण से पेयजल आपूर्ति बंद कर दिया जाता है।जिससे यहां के आवाम को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।इससे पूर्व भी ज्ञापन के माध्यम से इस समस्या को लेकर विभाग अवगत करा समाधान की गुहार लगा चुके हैं।लेकिन अब तक उक्त समस्या का ठोस एवं स्थाई समाधान नहीं हो पाया है।यदि अभिलंब इस समस्या का समाधान नहीं किया गया और जल्द से जल्द पेयजल आपूर्ति पुनः सुचारू रूप से चालू नहीं किया गया तो आजसू पार्टी पंचायत के लोगों के साथ-साथ पर उतरकर जोरदार आंदोलन करेगी।

महिलाओं के साथ पुरुष को कंधे से कंधा मिलाकर चलने की जरूरत : अविजीत घोष

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के अस्पताल प्रबंधन द्वारा महिलाओं को कैंसर से बचाव के लिए आयोजित जागरूकता शिविर शुक्रवार को संपन्न हुआ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संबोधन में वरिष्ठ महाप्रबंधक अविजीत घोष ने कहा कि महिलाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पुरुष को चलना चाहिए। उनकी सफलता में ही पुरुषों, समाज और देश की सफलता निहित है। उन्होंने कहा कि आदिकाल में भी समाज कल्याण में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। वर्तमान समय में भी हम महिलाओं से अलग हटकर समाज के निर्माण के बारे में सोच भी नहीं सकते। श्री घोष ने कहा कि महिलाएं हमेशा पूजनीय रही है, इसलिए हम सभी का दायित्व बनता है कि हम सभी मिलकर उनका आदर करें।

अवसर पर अशर्फी अस्पताल के डॉक्टर विप्लव मिश्रा और डॉक्टर रमेश कुमार ने महिलाओं को होने वाले स्तन कैंसर सहित अन्य तरह के कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से अवगत कराया और कहा कि हर महिलाओं को 45 साल से अधिक उम्र होने पर कैंसर संबंधित बीमारी की जांच कराते रहना चाहिए। इस अवसर पर डॉक्टर पीके घोष, विनोद कुमार राय, कंचन स्मिता टोप्पो, डॉक्टर अंजनी तिग्गा आदि ने समारोह को संबोधित किया।

चिकित्सक व कर्मियों का पदस्थापन के लिए विधायक ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा मांग पत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : राजमहल विधायक एमटी राजा ने झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि राजमहल विधानसभा क्षेत्र के स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई और लचर पचर अवस्था से अवगत कराया है. कहा है कि साहेबगंज जिला स्थित सदर अस्पताल साहेबगंज एवं अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में और साहिबगंज जिले के अंतर्गत आने वाले प्रखंड में डॉक्टरो एवं मेडिकल स्टाफो की घोर कमी है. जिससे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त नहीं है साहेबगंज सदर अस्पताल में डॉक्टरो के कुल 40 स्वीकृत पद के स्थान में मात्र 10 डॉक्टर ही पदस्थापित है.जिससे लाखों की आबादी वाला साहेबगंज शहर को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है.वही राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में डॉक्टरों के कुल 21 स्वीकृत पदो के स्थान पर मात्र 5 डॉक्टरों ही कार्यरत है.जिसमें एक भी विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं है और न ही महिला डॉक्टर है. अस्पताल में प्रतिदिन प्रसव की संख्या लगभग 10 है. महिला विशेषज्ञ एवं सर्जन नही रहने के कारण ए ग्रेड नर्स तथा एएनएम एवं जीएनएम के भरोसे कार्य लिया जा रहा है. जिससे जच्चा बच्चा के जान को खतरा बना रहता है.साथ ही साथ अस्पताल में सिटी स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड मशीन, एक्स रे मशीन, डिजीटल ईको, ईसीजी व एमआरआई मशीन की व्यवस्था नहीं होने के कारण गरीब जनता प्राईवेट अस्पतालों में जाकर अपना ईलाज कराकर कर्ज में डूब रहे हैं. इसलिए

सदर अस्पताल साहेबगंज एवं अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में रिक्त पदों में डॉक्टरों का पदस्थापन किया तथा अस्पताल में सिटी स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड मशीन, एक्स रे मशीन, डिजीटल ईको, ईसीजी व एमआरआई मशीन की व्यवस्था टेक्निशियन सहित उपलब्ध कराएं. स्वास्थ्य मंत्री ने आश्वासन देते हुए कहा है कि इस दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी.

बरलंगा के दो स्कूलो मे हुआ प्रबंधन समिति का चुनाव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। बरलंगा थाना क्षेत्र के दो स्कूलो मे पर्यवेक्षक पंकज रंजन की उपस्थिति मे प्रबंधन समिति का चुनाव संपन्न कराया गया।राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय रौ रौ एंव प्रथामिक विद्यालय हरना मे चुनाव किया गया। रौ रौ विद्यालय में गणेश मांझी को अध्यक्ष चुना गया वही उपाध्यक्ष रेखा देवी को बनाया गया है।तथा हरना मे पर्यवेक्षक विश्वजीत पांडेय की निगरानी मे अध्यक्ष ममता देवी एवं उपाध्यक्ष चंपा देवी का सर्वसम्मति से चयन किया गया। मौके पर प्रधानाध्यापक सचिदानंद तिवारी, पंचानन राय,मुखिया जितलाल टुडू,निर्मल महतो, प्रकाश महतो, मकर दास बाबाजी, पुनवा नायक,मीना देवी, देव कुमार आदि उपस्थित थे।

उत्तम तकनीक अपना कर अपनी आमदनी बढ़ायें किसानः उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

खूंटी। कृषि, पशुपालन एवं सहाकारिता विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में जिला प्रशासन की ओर से शुक्रवार से कचहरी मैदान में दो दिवसीय कृषि मेला सह किसान सम्मान सम्मेलन का शुभारंभ किया गया।

इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि उपायुक्त लोकेश मिश्रा, जिला परिषद, खूंटी के अध्यक्ष मसीह गुड़िया, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

मेले में जिले के किसानों को कृषि की उच्च तकनीक की जानकारी दी जा रही है। जिले के विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाये गये थे, जहां कृषकों को सरकार की ओर से संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही योजनाओं के प्रति जागरुक होकर लाभ लेने की अपील की जा रही है। मेला में कृषि उत्पाद और कृषि के विविध संयत्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है।

मौके पर उपायुक्त ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से किसानों के आय को सुदृढ़ करने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित है। जिला प्रशासन किसानों को सशक्त करने की दिशा में कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि किसान उन्नत तकनीक से खेती कर अपनी आर्थिक स्थिति को कैसे सुदृढ़ करें, इस दिशा में जिला प्रशासन की टीम लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तम तकनीक अपना कर किसान अपनी आमदनी बढ़ायें।

उन्होंने किसानों से अपील की कि अपने विकास के लिए सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक होकर योजनाओं से लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि जिले के किसान वर्तमान में साल में दो ही फसल की खेती कर पाते हैं। जिला के किसान साल में खेती से तीन फसलों को कैसे प्राप्त करें, जिला प्रशासन इस दिशा में प्रयासरत है ताकि अवैध फसल की खेती से लोगों का मोह भंग हो। उपायुक्त ने लोगों से अवैध अफीम खेती को त्याग कर बागवानी, पशुपालन, कुक्कुट पालन, मधुमक्खी पालन आदि को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिले में स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, तरबूज व मशरूम की खेती में बढ़ोतरी हुई है। जिले में 60 मेट्रिक टन क्षमता वाली कटहल प्रसंस्करण यूनिट संचालित है।

जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने कहा कि जानकारी के अभाव में लोग सरकार की ओर से सचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं प्राप्त कर पाते है। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की चर्चा करते हुए लोगों से जागरुक होकर लाभ उठाने की अपील की।

काम नहीं करने वाली आंगनबाड़ी सेविकाओं के खिलाफ कार्रवाई करें अधिकारीः डीसी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

खूंटी। खूंटी जिले में समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों की संख्या, संचालन, भवनों की स्थिति, सेविका और सहायिका के रिक्त पदों एवं उनकी चयन प्रक्रिया, पूरक पोषाहार कार्यक्रम, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, एमटीसी केंद्र का संचालन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण ट्रैकर, बाल संरक्षण सहित अन्य मुद्दों की समीक्षा की गई।

समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि नियमानुसार रिक्त पदों पर सेविका एवं सहायिका का चयन किया जाए। जो सेविकाएं एवं सहायिकाएं अपने उत्तरदायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं कर रही हैं, उनके विरुद्ध ग्रामसभा के माध्यम से अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन सुरक्षित भवनों में किया जाए एवं वहां मूलभूत सुविधा पेयजल, शौचालय आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित हो। वैसे आंगनबाड़ी केंद्र जहां पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था नही है, वैसे आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्राथमिकता के आधार पर 15 वित्त की राशि का सदुपयोग करते हुए अविलंब उक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश डीसी ने दिया।

पूरक पोषाहार कार्यक्रम के तहत पोषाहार वितरण की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने आवश्यक निर्देश दिए। सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत विद्यालयों से फॉर्म कलेक्शन करने का निर्देश दिया गया, जिससे पात्र लाभुकों को उक्त योजना से जोड़ा जा सके। बैठक में बाल संरक्षण पदाधिकारी से बाल संरक्षण को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई।

उपायुक्त ने कहा कि ईट भट्टा, होटल, रेस्टुरेंट सहित अन्य स्थानों पर छापेमारी करे, जिससे खूंटी को पूर्ण रूप से बाल मजदूरी जैसी घटनाओं से मुक्त रखा जा सके। वहीं हर माह कार्यशाला का आयोजन करने एवं विद्यालयों में भी जागरूकता अभियान चलाकार बाल सुरक्षा पर विस्तार से जानकारी देने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सीडीपीओ, महिला पर्यवेक्षक आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जुगसलाई में पिता-पुत्र पर चाकू से हमला

जमशेदपुर, एजेंसी। जुगसलाई थानांतर्गत रेलवे फाटक के पास देर रात परवेज अहमद पर आपसी विवाद में अज्ञात युवकों ने चाकू से हमला कर दिया. हमले में परवेज व बेटा रहमत जख्मी हो गया है. बेटे को पेट व परवेज को हाथ में चाकू लगी है. परवेज किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़े हैं. सूचना पर पुलिस पहुंची व घायलों को एमजीएम अस्पताल लेकर गयी. मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने एक युवक को पकड़ कर पिटाई की. पुलिस ने बदमाश युवक को थाना लेकर गयी, जहां उससे पूछताछ की जा रही है.

चोइरा में कटिंग कर रखे गये 45 लाख के सरिया जब्त

धालभूमगढ़, एजेंसी। मोहलीशोल के चोइरा बस स्टैंड के पास गुरुवार को धालभूमगढ़ पुलिस व टाटा स्टील सिक्योरिटी विभाग के अधिकारियों के साथ छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध रूप से ट्रकों से कटिंग कर रखे गये सरिया जब्त किया. पुलिस ने ट्रकों से कटिंग कर एनएच किनारे रखे सरिया के साथ ट्रेलर पर लदे हुए सरिया भी जब्त किया है. इस संबंध में थाना प्रभारी अमीर हमजा ने बताया कि भारी मात्रा में सरिया जब्त किया गया है. जब्त सरिया का वजन एवं मूल्यांकन किया जा रहा है. टाटा स्टील सिक्योरिटी विभाग की लिखित शिकायत के बाद मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जायेगी.

टाटा स्टील सिक्योरिटी सर्विसेज के हेड गिरीश कुमार शर्मा ने बताया कि बीते कई दिनों से क्षेत्र में टाटा के सरिया की बिक्री कम होने के कारण इसकी गहनता से जांच-पड़ताल की जा रही थी. इसी क्रम में पता चला कि मोहलीशोल में ट्रकों से अवैध रूप से सरिया उतारा जाता है और लोकल बाजार में बेच दिया जाता है. पता चला कि पिकअप वैन(जेएच 05 एएम/ 8408) से कटिंग माल लोकल बाजार में भेजा जाता है. ट्रकों से उतरा गया सरिया बहरागोड़ा से लेकर घाटशिला तक के बाजारों में बेचा जाता है. टाटा स्टील की सिक्योरिटी विभाग ने पूरी तरह आश्वस्त होने के बाद पुलिस को जानकारी दी. इसके बाद छापेमारी की गयी. उन्होंने कहा कि 25, 16, 12 एवं 8 एमएम की सरिया के अलावा राउंड बिलेट भी जब्त हुए हैं. पूरे माल की कीमत लगभग 45 लाख बतायी गयी.

सूत्रों के अनुसार, मोहलीशोल के चोइरा बस स्टैंड के पास एक स्क्रैप टाल में कई वर्षों से भारी मात्रा में ट्रकों से विभिन्न तरह के सामान लोहे आदि कटिंग कर चोर बाजार में बेचे जाने का कारोबार चलता है. ट्रकों एवं ट्रेलरों से सरिया उतारने का तरीका भी अजीब था. एक पेड़ में जंजीर बांध कर उसमें सरिया को फंसा कर ट्रक से खींच कर उतारा जाता था. इस संबंध में कई बार पुलिस ने छापेमारी कर टाल संचालकों को जेल भी भेजा है. इसके बावजूद भी यह गोरख धंधा चोरी छिपे चलाया जा रहा था.

होल्डिंग टैक्स के एक दर्जन बकायेदारों का बैंक खाता फ्रीज

बोकारो, एजेंसी। फुसरो नगर परिषद के प्रशासक राजीव रंजन ने होल्डिंग ट्रैक्स के 89 बकायेदारों का खाता फ्रीज करने के लिए 11 फरवरी को आदेश पत्र निकालकर सभी बैंकों को निर्देश दिया गया था. इसमें एक दर्जन बकायेदारों का खाता गुरुवार को बैंक ऑफ इंडिया फुसरो शाखा ने फ्रीज कर दिया है. हालांकि तक होल्डिंग टैक्स के बकाया राशि की वसूली नहीं की जा सकी है. जबकि नगर परिषद से आदेश पत्र निकालने के बाद भी अन्य बैंकों ने अब तक बकायेदारों का खाता फ्रीज नहीं किया है. फुसरो नप के होल्डिंग टैक्स के सबसे अधिक राशि के बकायेदारों में श्यामसुंदर प्रसाद का तीन लाख, आशा सिंह का दो लाख, नागेश्वर सिंह पर डेढ़ लाख रुपये बकाया है.

विदित हो कि फुसरो नगर परिषद ने क्षेत्र की लगभग दस बैंक शाखाओं को पत्र के माध्यम से खाता फ्रीज करने का निर्देश जारी किया है. बैंकों को बकायेदारों के नाम, आधार संख्या और मोबाइल नंबर के साथ अन्य जानकारी दी गयी है. बीते 16 दिसंबर 2024 को फुसरो नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन ने आम सूचना के माध्यम से बकायेदारों को होल्डिंग टैक्स का भुगतान नगर परिषद द्वारा प्राधिकृत एजेंसी रितिका प्राइवेट लिमिटेड में जमा करने का निर्देश दिया था, लेकिन बकायेदारों द्वारा टैक्स की राशि नहीं जमा करने के कारण खाता फ्रीज करते हुए राशि वसूली की प्रक्रिया की जा रही है. फुसरो नप के कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन ने कहा कि जो लोग कार्यालय में राशि जमा करेंगे।

धनबाद में लठैत रखती हैं कोयला कंपनियां, पुलिस भी देती है साथ, सदन में उठी जांच कमेटी के गठन की मांग

रांची, एजेंसी। धनबाद के कोयला खनन इलाकों में बीसीसीएल और आऊटर्सोसिंग कंपनियों की समानांतर सत्ता चलती है। ये रैयतों की जमीन पर कब्जा कर खनन करने के साथ-साथ सरकारी जमीन को भी घेरते हैं। विरोध करने वालों को इनके द्वारा रखे गए लठैत मारते हैं और पुलिस प्रशासन भी उनका साथ देती है। देवप्रभा कंपनी ने आतंक मचा रखा है।

सिंदरी के विधायक चंद्रकांत महतो ने गुरुवार को ध्यानाकर्षण के जरिए विधानसभा में यह मामला उठाते हुए कहा कि जमीन पर जबरन ओबी (ओवर बर्डेन) गिरा दिया जाता है। अधिकारी मूकदर्शक बने रहते हैं। उन्होंने कई घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि बीसीसीएल के विरुद्ध कार्रवाई हो।

बताया कि शौच करने गए एक रैयत पर हाइवा चढ़ा दिया गया। आंदोलन करने पर मुकदमा लाद दिया जाता है। इसपर भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि आरोप सही है। राज्य सरकार कार्रवाई की प्रक्रिया आरंभ करेगी। महतो का साथ कोयलांचल के अन्य विधायकों समेत जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने भी दिया और अपने अनुभव बताए। मंत्री ने स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो से आग्रह किया कि वे नियमन दें। इस प्रकरण की जांच विधानसभा की कमेटी से कराएं। स्पीकर ने कहा कि वे इसपर निर्णय लेकर सूचित करेंगे।

निरसा के विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि कोल इंडिया को राजनीतिक संरक्षण है। कंपनी के लठैत भी उन्हें मारते हैं और पुलिस भी मारती है। मंत्री ने कहा कि यह राजस्व की क्षति और माफियागिरी का मामला है। सरयू राय ने कहा कि जितना इस मामले का उल्लेख किया जा रहा है, वह उससे 100 गुना अधिक है। कंपनियों की गुंडागर्दी चल रही है, ये

ओबी नदी में गिराते हैं।

डुमरी के विधायक जयराम कुमार महतो ने कहा कि यह गंभीर विषय है और वे विधायकों की बात का समर्थन करते हैं, कंपनी के अपने लठैत हैं।

चंदनक्यारी के विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि बीसीसीएल सरकारी जमीन का भी अतिक्रमण करती है, देवप्रभा कंपनी ने आतंक मचा रखा है। उसका राजनीतिक आतंक है और लोग त्राहिमाम कर रहे हैं। विधानसभा की कमेटी मामले की जांच करे।

मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि विस्थापितों और रैयतों के साथ घटनाएं हो रही है। महिलाएं जमीन में दब गई, समिति बनाइए। मंत्री दीपक बिरुआ ने अंत में कहा कि ऐसे लोग सरकार को चैलेंज कर रहे हैं। सरकारी बर्दाश्त नहीं करेगी। भूमि हड़पने की जांच-पड़ताल भी होगी। उन्होंने स्पीकर से आग्रह किया कि इसपर विधानसभा की कमेटी बनाएं। वित्त मंत्री-कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के सवाल पर सरकार का जवाब वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने गुरुवार को कहा कि सहारा में फंसे झारखंड के निवेशकों का पैसा दिलाने को लेकर एक अधिकारी को सरकार दिल्ली भेजेगी। बताया कि सरकार ने अब तक इस मामले में छह बार सेंट्रल रजिस्ट्रार ऑफ कोऑपरेटिव सोसाइटी को पत्र लिखा है, लेकिन किसी भी पत्र का जवाब नहीं आया है।

एक बार फिर पत्र लिखा जाएगा। एक अधिकारी को भी दिल्ली भेजा जाएगा ताकि वस्तुस्थिति स्पष्ट हो। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड के कितने निवेशकों का कितना पैसा सहारा में फंसा, इसकी कोई सूची सरकार के पास नहीं है। सरकार एक पोर्टल बनाने का भी प्रयास करेगी, जिसमें निवेशक अपनी पूरी डिटेल सरकार उपलब्ध कराएंगे ताकि सरकार को यह पता चले कि राज्य के कितने निवेशक हैं।

राज्य के निवेशकों का पैसा दिलाने की जिम्मेवारी सरकार की है। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने ध्यानाकर्षण के माध्यम ये यह सवाल उठाया था। उन्होंने कहा कि लाखों निवेशकों का पैसा सहारा में फंस गया है। वह अब तक वापस नहीं हुआ है। उन्होंने सचिव स्तर के दो अफसरों को दिल्ली भेजने की भी मांग की ताकि इस संबंध में केंद्र से संवाद हो सके। चुनावी संयुक्त घोषणा पत्र में भी यह वादा किया गया है कि सहारा के निवेशकों का पैसा दिलाने की पहल होगी

कल्पना के सवाल पर सरकार का जवाब- गांडेय की झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से राज्य में बंद पड़े चेकपोस्टों को फिर से चालू करने कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग के कई चेकपोस्ट बंद हो गए हैं। ऑनलाइन काम हो रहा है। इससे काफी कम राजस्व सरकार को मिल रहा है।

अभी मात्र 23 करोड़ रुपये ही राजस्व मिल पा रहा है। चेकपोस्ट आरंभ करने से सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी। यह लगभग 100 करोड़ रुपये हो सकता है। इस पर परिवहन मंत्री दीपक बिरूआ ने कहा कि परिवहन विभाग का चेकपोस्ट पहले काम करता था, अभी यह बंद है। उन्हें फिर से शुरू करने के लिए सरकार गंभीरता से विचार करेगी। इस संबंध में बगल के राज्यों की नीति का आकलन किया जायेगा और उसके बाद चालू किया जाएगा। इससे 100 करोड़ मिलने की उम्मीद है। तीन महीने के अंदर इस संबंध में कार्रवाई की जाएगी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि यह राजस्व से जुड़ा मामला है। सीमावर्ती क्षेत्र में चेकपोस्ट आरंभ हो तो सरकार को 250 से 300 करोड़ रुपये राजस्व मिलेगा।

मरीजों के सिर्फ दांत उखाड़ रहा मेडिकल कॉलेज का डेंटल विभाग, ओपीडी में नहीं है आरसीटी व फिलिंग की व्यवस्था

धनबाद, एजेंसी। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के डेंटल विभाग मरीजों का सिर्फ दांत उखाड़ रहा है. अस्पताल के दंत विभाग के ओपीडी में मरीजों को चिकित्सीय परामर्श मिलता है, अन्य सेवाओं के लिए सदर अस्पताल या फिर निजी चिकित्सकों की ओर रुख करना पड़ता है. कहने को यह राज्य का तीसरा सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है. लेकिन दांतों की तकलीफ से जुड़े मरीजों का यहां समुचित इलाज नहीं मिलता है. यहां न तो आरसीटी की व्यवस्था है और न ही फिलिंग की. मेडिकल कॉलेज के डेंटल विभाग की ओपीडी में डेंटल चेयर तक जर्जर है. इसी चेयर पर बैठकर मरीजों के दांतों की जांच की जाती है. वर्तमान में ओपीडी में तीन में दो डेंटल चेयर जर्जर हो चुके हैं. मरम्मत कराकर इससे काम लिया जा रहा है.यही वजह है कि मेडिकल कॉलेज के बजाय सदर अस्पताल के दंत विभाग के ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है. रिकॉर्ड के अनुसार हर दिन मेडिकल कॉलेज के दंत विभाग के ओपीडी में 20 से 30 मरीज इलाज कराने पहुंचते हैं. वहीं सदर अस्पताल के दंत विभाग की ओपीडी में हर दिन मरीजों के पहुंचने की संख्या औसतन 40 के पार हैं.

मेडिकल कॉलेज के डेंटल विभाग में दांतों की फिलिंग, सफाई, इम्प्लांट समेत अन्य चिकित्सा सेवा उपलब्ध नहीं है. डेंटल विभाग के कर्मियों के अनुसार संसाधन उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं. चिकित्सक सिर्फ चिकित्सीय परामर्श देते हैं.

बता दें कि वर्तमान में एसएनएमएमसीएच के डेंटल विभाग में कुल छह चिकित्सक की नियुक्ति है. इनमें एचओडी डॉ एके शिवम समेत तीन सीनियर रेजिडेंट (एसआर) व दो जूनियर रेजिडेंट (जेआर) शामिल हैं. इसके अलावा विभाग के ओपीडी में तीन स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति है.

दंत विभाग के एचओडी डॉ एके शिवम ने बताया कि दांतों से जुड़ी विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए कई सामानों की जरूरत होती है. सामानों की सूची तैयार कर कई बार अस्पताल प्रबंधन को रिक्वायरमेंट लिस्ट भेजी गयी. अबतक सामान नहीं मिला है. जो संसाधन उपलब्ध हैं, उसी के अनुसार चिकित्सा सुविधा दी जा रही है. संसाधनों के बगैर मरीजों का समुचित इलाज कैसे करेंगे.

ट्रांसपोर्ट ऑफिस में हुए फर्जीवाड़े से मचा हड़कंप, शिकायत लेकर पहुंचे 250 से ज्यादा लोग

हजारीबाग, एजेंसी। जिला परिवहन कार्यालय में पुराने लाइसेंस को ऑनलाइन करने के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा हुआ है। यहां 1990 से लेकर 2000 के बीच मैन्युअल रूप से जारी किए 600 से अधिक लाइसेंस के मालिक बदल कर किसी और के नाम से लाइसेंस जारी कर दिया गया है। मामला हैवी लाइसेंस से जुड़ा हुआ है।

इस बात का खुलासा परिवहन कार्यालय में आए आवेदनों से हुआ है। करीब 250 से अधिक आवेदन कार्यालय को प्राप्त हुए और सभी में एक ही प्रकार के आरोप है।

पत्र में शिकायत की गई है कि उनके नाम से जारी लाइसेंस में ऑनलाइन जांच करने के बाद किसी और का नाम और फोटो दिखाई दे रहा है। उनके नाम के लाइसेंस को किसी और के नाम से जारी कर दिया गया है।

इस बात की जानकारी सामने आने के बाद से कार्यालय में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार कोविड काल से लेकर 2024 तक इस तरह का खेल परिवहन कार्यालय में हुआ है। पुराने लाइसेंस का उपयोग भारी वाहनों के लिए जारी करने वाले हैवी लाइसेंस में किया गया है।

दलाल के माध्यम से कार्यालय कर्मियों ने मिलीभगत कर प्रति लाइसेंस 20-30 हजार रुपये लेकर यह खेल किया गया है। जांच होने पर विभाग के कई लोगों का नाम इसमें सामने आ सकता है।

नियम के अनुसार भारी वाहनों के लिए लाइसेंस जारी करने के लिए एक लाइसेंस की उम्र एक वर्ष होनी चाहिए। परंतु हजारीबाग में बिना नियम तोड़े दलालों ने मालिक का नाम बदलकर 600 से अधिक लाइसेंस कार्यालय की ओर से जारी कर दिए।

जामताड़ा में आरजेडी के पूर्व जिलाध्यक्ष के बेटे को बदमाश ने मारी गोली, गंभीर हालत में रेफर

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। मिहिजाम के कानगोई स्थित झामुमो कार्यालय के सामने राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष भोला यादव के पुत्र विनय यादव को गोली मार दी गई। वह दुकान बंदकर दोपहर में कानगोई स्थित घर जा रहे थे।

इस दौरान पीछे से बदमाश ने उन्हें गोली मार दी। गोली विनय यादव के पीठ में लगी है। जख्मी हालत में उन्हें कस्तूरबा गांधी हॉस्पिटल चित्तरंजन में भर्ती किया गया।

यहां प्राथमिक उपचार के बाद दुर्गापुर हेल्थ वर्ल्ड में रेफर किया गया है। पुलिस ने घायल विनय यादव से पूछताछ की, पूछताछ में विनय ने पुलिस को एक व्यक्ति का नाम बताया है। इस आधार पर एक युवक को गिरफ्तार किया गया है।

शहर के विश्वकर्मा मंदिर के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-419 से 44 वर्षीय व्यवसायी विनय कुमार यादव अपनी बलुट बाइक से घर जा रहे थे। इस दौरान अज्ञात मोटरसाइकिल सवार ने फिल्मी अंदाज में पीछे से गोली मारकर फरार हो गया। घटना दोपहर करीब दो बजे की है।

गोली लगते ही विनय सड़क पर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने उन्हें संभाला और पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही मिहिजाम थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इससे पहले घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पूरा क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया था।

पुलिस ने घायल को इलाज के लिए चिरेका स्थित केजी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दुर्गापुर रेफर कर दिया। इससे पहले विनय ने पुलिस को बताया कि दो दिन पहले कुछ लोगों के साथ उसका विवाद हुआ था। उन्ही लोगों ने गोली मारी है। विनय ने बदमाशों का नाम और पता भी पुलिस को बताया है।

पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने सड़क पर गिरे खून के नमूनों को इकट्ठा कर जांच के लिए भेज दिया।

इसके अलावा पुलिस घटनास्थल के आसपास के निजी घरों और दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है, ताकि अपराधी की पहचान की जा सके।

मिहिजाम थाना प्रभारी विवेकानंद दुबे ने बताया कि संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ जारी है। जल्द ही अन्य आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कृषि विभाग की अनुदान मांग ध्वनि मत से पारित

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के आठवें दिन कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की 24 अरब 21 करोड़ 8 लाख 16 हजार की अनुदान मांग ध्वनि मत से पारित हो गयी. इस दौरान मुख्य विपक्षी दल भाजपा के विधायक गैर मौजूद रहे.

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अनुदान मांग पर चर्चा के बाद सरकार की ओर से जवाब देते हुए कहा कि हमारी सरकार आलोचना से डरने वाली नहीं है लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि विपक्ष के साथी सदन में नहीं है. अभी लंबा सफर तय करना है. झारखंड की उबड़ खाबड़ छोटे भूखंड और पानी का अभाव कृषि को प्रभावित करता है. किसान सबसे पहले बीज की चिंता करता है. फिर बारिश की राह ताकते रहते हैं. उसके बाद कृषि ऋण की चिंता सताती है. इसके बाद उसे अपने फसल को स्टोर करने की चिंता रहती है. हमारी सरकार 1 लाख क्विंटल से अधिक बीज का वितरण कर चुकी है. चुनावी वर्ष में बीज वितरण के दौरान थोड़ी दिक्कत जरूर आई है.

किसान हित में बड़े फैसले लेने की तैयारी- वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बिरसा पक्का चेक डैम योजना लाया जा रहा है. इसके जरिए छोटी नदियों के पानी को खेतों की ओर डायवर्ट किया जाएगा. कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि उनकी सरकार अब 2 लाख तक

का कृषि ऋण माफ कर रही है. अभी तक स्टैंडर्ड लोन को माफ किया गया है क्योंकि इस खाते में टाइमली रीपेमेंट होता रहा है. अब हेमंत सरकार एनपीए खातों के लिए फैसला लेने की तैयारी कर रही है.

छोटा कोल्ड स्टोरेज ज्यादा कारगर- जिला स्तर पर 5000 मीट्रिक टन क्षमता वाला कोल्ड स्टोरेज बनाया जा रहा है. सिर्फ रामगढ़ धनबाद, बोकारो और खूंटी इससे वंचित है. कृषि मंत्री ने कहा कि जिला स्तर पर बड़े कोल्ड स्टोरेज बना देने से किसानों की समस्या का समाधान नहीं होगा. व्यक्तिगत रूप से उनका मानना है कि बाजारों के आसपास 5 से 10 मीट्रिक टन क्षमता वाले छोटे-छोटे कोल्ड स्टोरेज बनाना बेहतर रहेगा. इस बार के बजट में इसका प्रावधान किया गया है.

कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चाहते हैं कि पूरे राज्य में 100 बिरसा कृषि पाठशाला बने, क्योंकि किसान प्रयोग करने से घबराते हैं. अभी पूरे राज्य में 50 से अधिक कृषि पाठशाला का संचालन हो रहा है. इससे किसानों को उत्तम खेती की जानकारी मिल रही है. दुमका के करों में संचालित बिरसा कृषि पाठशाला का टर्नओवर 22 लाख तक पहुंच गया है.

झारखंड के खेतों में भर गया है केमिकल- कृषि मंत्री ने कहा कि झारखंड में यूरिया की खपत में बेतहाशा वृद्धि हुई है. इसमें एनपीएफ यानी नाइट्रोजन, पोटेशियम और फास्फोरस के बीच 2-1-1 का रेसियो होना चाहिए. आज यह रेसियो 29-17-1 के स्तर पर पहुंच गया है. इससे पता चलता है कि झारखंड जो कभी नेचुरल खेती के लिए जाना जाता था आज वहां के खेतों में केमिकल भरा हुआ है.

बाथरूम का दरवाजा अंदर से था बंद, आईआईटी-आईएसएम के हॉस्टल में मिला इंदौर के छात्र का शव

धनबाद, एजेंसी। आईआईटी आईएसएम में गुरुवार को एक छात्र की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतक छात्र का नाम तन्मय प्रजापति है, जो मध्य प्रदेश के इंदौर का रहने वाला था। वह बीटेक इलेक्ट्रिकल एंड कम्युनिकेशन विभाग के सत्र 2022-26 के तृतीय वर्ष का छात्र था।

उसका शव संस्थान के एक्का मरीन हॉस्टल के 13वीं मंजिल के बंद टॉयलेट से बरामद किया गया। दवा का ओवरडोज लेकर आत्महत्या करने की आशंका जताई गई है।

फिलहाल उसका शव बरटांड़ के एशियन जालान अस्पताल के मोर्चरी में रखा गया है। सूचना मिलने के बाद स्वजन इंदौर से धनबाद के लिए सड़क मार्ग से रवाना हो गए हैं।

गुरुवार की अलसुबह लगभग चार से पांच बजे के बीच तन्मय एक्का मरीन हॉस्टल के टॉयलेट में गया था। काफी देर तक टॉयलेट का दरवाजा नहीं खुलने से अन्य छात्रों को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को सूचना दी।

सिक्योरिटी सुपरवाइजर और सहायक सुरक्षा अधिकारी टॉयलेट की ओर दौड़े। काफी देर तक आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो दरवाजा तोड़कर वे अंदर घुसे, जहां उसका शव पड़ा था।

उसे एंबुलेंस में लेकर पहले आईआईटी के हेल्थ सेंटर गए। बाद में एशियन जालान अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने सुबह 10ः05 पर उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की छानबीन को पहुंचे डीएसपी नौशाद आलम ने कहा कि प्रथम दृष्टया दवा के सेवन से मौत की आशंका जताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

आईआईटी के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी राम मनोहर कुमार ने कहा कि बंद टॉयलेट को तोड़कर छात्र को बाहर निकाला गया, जहां अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के कारण के बारे में उन्होंने कहा कि फिलहाल इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है।

आईआईटी छात्र तन्मय मानसिक रूप से बीमार रहता था। उसकी इस बीमारी के कारण एक साल पहले आईआईटी प्रबंधन ने उसे वापस घर भेज दिया था। कुछ दिनों तक घर पर रहने के बाद हालत में सुधार होने पर वह वापस संस्थान आ गया था।

तन्मय के पिता महेंद्र प्रजापति का निधन हो चुका है। उसकी मां अनुराधा देवी सिलाई कर खर्च निकालती हैं। शायद इसी वजह से वह मानसिक तनाव में रहने लगा था। तनाव के कारण उसने दो परीक्षाएं भी छोड़ दी थी।

बीजेपी नेता सीता सोरेन क्या करेंगी घर वापसी, झामुमो भी स्वागत को तैयार, इस बयान पर सियासत का बाजार गर्म

रांची, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हुई सीता सोरेन ने झारखंड सरकार की जमकर तारीफ की. गुरुवार रात कतरास में एक शादी समारोह में पहुंची सीता सोरेन ने मीडिया से बातचीत के दौरान हेमंत सरकार की खूब प्रशंसा की. उन्होंने कहा, झामुमो के नेतृत्व में गठित इंडिया गठबंधन की सरकार राज्य में बेहतर काम कर रही है. सीता सोरेन के इस बयान पर झामुमो नेता मिथिलेश ठाकुर भी उनकी घर वापसी पर स्वागत करने की बात कही है.

भाजपा नेत्री सीता सोरेन ने राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकार सभी क्षेत्र पर विशेष ध्यान दे रही हैं. सीता सोरेन ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना को काफी लोकप्रिय बताया. उन्होंने कहा मंईया

सम्मान योजना तो अभी शुरुआत है सरकार आने वाले दिनों में और भी बेहतर योजनाओं पर काम करेगी.

विपक्ष पार्टी की जमकर तारीफ करने के बाद भाजपा नेत्री सीता सोरेन की घर वापसी को लेकर चर्चा तेज हो गई है. मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, स्वागत रहेगा. जिसका साफ मतलब है कि अगर सीता सोरेन घर वापसी करना चाहती है तो पार्टी उनका स्वागत करने को तैयार है.

सीता सोरेन कई बार झामुमो के टिकट से विधायक रह चुकी है. लेकिन लोकसभा चुनाव से पूर्व पार्टी के साथ हुई आपसी अन-बन के बाद सीता सोरेन ने भाजपा का हाथ थाम लिया. भाजपा के टिकट पर वह दुमका लोकसभा चुनाव लड़ीं लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा. विधानसभा चुनाव में भी उन्हें जामताड़ा से उम्मीदवार बनाया गया लेकिन यहां भी उन्हें सफलता नहीं मिली.

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शनिवार, 08 मार्च, 2025

सेबी की मिलीभगत

शेयर धोखाधड़ी के मामले में पूर्व सेबी प्रमुख माधबी बुच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश विशेष अदालत ने दिया है। अदालत ने इसे प्रथम दृष्टि नियामक चूक व मिलीभगत का सबूत माना और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता बताई। याचिका में बुच के अतिरिक्त पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी लिस्टिंग में अनियमितताओं का दावा किया गया है। नियामक प्राधीकरणों, ख़ासकर सेबी की मिलीभगत से कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज में धोखाधड़ी से सूचीबद्ध करने को कॉरपोरेट धोखाधड़ी बताया है। सेबी की पहली महिला प्रमुख बुच को अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग द्वारा हितों के टकराव के आरोप लगाए गए थे। बुच दंपति पर फंड संरचनाओं का हिस्सा रही संस्थाओं में निवेश का भी आरोप है, जिसमें अडानी समूह द्वारा भी निवेश किया गया था। बुच का कहना था, यह निवेश उनके नियामक में शामिल होने से पहले किया गया था। हालांकि सेबी ने इस आदेश को चुनौती देने के लिए उचित कदम उठाने की बात की है। साथ ही बुच का समर्थन करते हुए याचिकाकर्ता को तुच्छ व आदतन मुकदमाकर्ता ठहराया। इस दरम्यान स्वयं हिंडनबर्ग अपना कारोबार बंद करने की घोषणा भी कर चुकी है। बुच द्वारा तमाम सराहनीय सकारात्मक कदम उठाये जाने के बावजूद उनके तीन साल के कार्यकाल के दरम्यान कर्मचारियों में जबरदस्त रोष भी नजर आया। खुदरा निवेशकों को बाजार की तरफ आकर्षित करने में सफल रही बुच ने निवेश सलाहकारों के लिए नियमों को आसान बनाने व राइट्स इश्यू को तेजी देने सरीखा काम कर दिखाया। इसके बावजूद उन पर लगे आरोपों की अनदेखी नहीं की जा सकती। विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद सरकार ने न सिर्फ पक्षपाती रवैया बनाये रखा बल्कि चिकने घड़े की तरह आरोपों को झाड़ती रही। यूं भी मोदी सरकार का काम करने का रवैया ऐसा है, जो अपने चहेते अधिकारियों के बचाव को लेकर अड़ियलपन दिखाने में कोई लिहाज नहीं करती। बेशक सरकार को जांच का आसन देते हुए नियामक प्राधीकरणों की गरिमा बनाए रखने के प्रति गंभीर नजर चाहिए। अदालती कार्रवाई का सामना करके बुच को अपना पक्ष रखना चाहिए।

नारी है स्नेह का स्रोत और मांगल्य का महामंदिर

ललित गर्ग

(अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस - 8 मार्च, 2025)

महिलाओं की भागीदारी को हर क्षेत्र में बढ़ावा देने और महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि महिलाओं के संघर्ष और उनके हक की लड़ाई की कहानी बयां करता है। इस वर्ष की थीम "एक्सीलरेट एक्शन" यानी 'कार्रवाई में तेज़ी लाना' और "तेजी से कार्य करना" रखी है। यह थीम हमें बताती है कि महिलाओं को अपने ऊपर बहुत मेहनत और तेजी से काम करने की जरूरत हैं। यह लोगों, सरकारों और संगठनों को महिलाओं के उत्थान, समान अवसर प्रदान करने और भेदभाव समाप्त करने की दिशा में सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है। इस दिवस का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित करना और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। यह दिन महिलाओं के सशक्तिकरण, समाज, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और राजनीति में उनके योगदान को पहचान दिलाने के साथ-साथ उनके अधिकारों और अवसरों की वकालत करता है। परिवार, समाज, देश एवं दुनिया के विकास में जितना योगदान पुरुषों का है, उतना ही महिलाओं का है। नया भारत-सशक्त भारत-विकसित के निर्माण की प्रक्रिया में महिलाएं घर परिवार की चार दीवारों को पार करके राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दे रही हैं। दिल्ली एवं पश्चिम बंगाल में महिला मुख्यमंत्री हो या केन्द्र में वित्तमंत्री, खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं कां विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये। बीसवीं सदी की शुरुआत में महिलाओं ने अपने अधिकारों और बेहतर कार्य स्थितियों की मांग शुरू की थी। 1908 में न्यूयॉर्क में पन्द्रह हजार महिलाओं ने उचित वेतन और मतदान अधिकारों की मांग करते हुए मार्च निकाला। 1909 में अमेरिका ने पहली बार "राष्ट्रीय महिला दिवस" मनाया। 1910 में, जर्मन कार्यकर्ता क्लारा जेटकिन ने इसे एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन बनाने का सुझाव दिया। 1911 में कई देशों में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। 1917 में, रूस की महिलाओं ने हड़ताल कर बेहतर परिस्थितियों की मांग की, जिससे 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता मिली। संयुक्त राष्ट्र ने 1975 में इसे औपचारिक रूप से मान्यता दी, जिससे यह एक महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन बन गया। यह दिवस केवल जश्न का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी दिन है। यह हमें याद दिलाता है कि जब तक लैंगिक समानता पूरी तरह हासिल नहीं होती, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। महिलाओं से जुड़े मामलों जैसे महिलाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, गांवों में महिला की अशिक्षा एवं शोषण, महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराध को एक बार फिर चर्चा में लाकर यह दिवस एक सार्थक वातावरण का निर्माण करने की आवश्यकता को व्यक्त करता है। जन-चेतना के एक टीस से मन में उठती है कि आखिर नारी कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

विडम्बनापूर्ण तो यह है कि महिला दिवस जैसे आयोजन भी नारी को उचित सम्मान एवं गौरव दिलाने की बजाय उनका दुरुपयोग करने के माध्यम बनते जा रहे हैं। शताब्दियों से चली आ रही अर्थहीन परम्पराओं और आत्महीनता के मनोभावों को निरस्त करने के लिए प्रतिरोधात्मक चेतना का विकास करना नितांत अपेक्षित है। नारी केवल एक शब्द नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि का आधार है। वह जीवनदायिनी है, प्रेम की मूर्ति और रिश्ते संवारने वाली शक्ति है। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, ममता, और त्याग का स्वरूप माना गया है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, फिर भी कई चुनौतियां उनके सामने खड़ी हैं। समाज में आज भी घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव, शिक्षा में असमानता, दहेज प्रथा, बाल विवाह जैसी बुराइयां मौजूद हैं। अगर हम किसी समाज को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें महिलाओं को सशक्त बनाना होगा। महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को उनके अधिकार, शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्रता देना ताकि वे अपने जीवन को अपनी शर्तों पर जी सकें। जब तक स्त्री की अन्याय के प्रति विद्रोही चेतना का जागरण नहीं होता, वह अपने अस्तित्व को सही रूप में नहीं समझ सकती। उसे अपने परम्परागत महत्व एवं शक्ति को समझना होगा, वैदिक परंपरा दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी के रूप में, बौद्ध अनुयायी चिरंतन शक्ति प्रज्ञा के रूप में और जैन धर्म में श्रुतदेवी और शासनदेवी के रूप में नारी की आराधना होती रही है। लोक मान्यता के अनुसार मातृ वंदना से व्यक्ति को आयु, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुण्य, बल, लक्ष्मी पशुधन, सुख, धनधान्य आदि प्राप्त होता है, फिर क्यों नारी की अवमानना होती है? नारी धरती की धुरा है। स्नेह का स्रोत है। मांगल्य का महामंदिर है। परिवार की पीढ़िका है। पवित्रता का पैगाम है। उसके स्नेहिल साए में जिस सुरक्षा, शीतलता और शांति की अनुभूति होती है वह हिमालय की हिमशिलाओं पर भी नहीं होती। नारी जाति के अलंकरण हैं-सादगी और सात्विकता। सत्यं, शिवं सुंदरं की समन्विति कृत्रिम संसाधनों से नहीं, अनंत स्तेज को निखारने से हो सकती है। सुप्रसिद्ध कवयित्रि महादेवी वर्मा ने ठीक कहा था-'नारी सत्यं, शिवं और सुंदर का प्रतीक है। उसमें नारी का रूप ही सत्य, वात्सल्य ही शिव और ममता ही सुंदर है। इन विलक्षणताओं और आदर्श गुणों को धारण करने वाली नारी फिर क्यों बार-बार छली जाती है, लूटी जाती है? महिलाओं के युग बनते बिगड़ते रहे हैं। कभी उनको विकास की खुली दिशाओं में पूरे वेग के साथ बढ़ने के अवसर मिले हैं तो कभी उनके एक-एक कदम को संदेह के नागों ने रोका है। कभी उन्हें पूरी सामाजिक प्रतिष्ठा मिली है तो कभी वे समाज के हाशिये पर खड़ी होकर स्त्री होने की विवशता को भोगती रही है। कभी वे परिवार के केंद्र में रहकर समग्र परिवार का संचालन करती हैं तो कभी अपने ही परिवार में उपेक्षित और प्रताड़ित होकर निष्क्रिय बन जाती है। इन विसंगतियों में संगति बिठाने के लिए महिलाओं को एक निश्चित लक्ष्य की दिशा में प्रस्थान करना होगा। बदलते परिवेश में आधुनिक महिलाएं मैथिलीशरण गुप्त के इस वाक्य-"आँचल में है दूध" को सदा याद रखें। उसकी लाज को बचाएँ रखें। एक ऐसा सेतु बने जो टूटते हुए को जोड़ सके, रुकते हुए को मोड़ सके और गिरते हुए को उठा सके। नन्हे उगते अंकुरों और पौधों में आदर्श जीवनशैली का अभिसिंचन दें ताकि वे शतशाखी वृक्ष बनकर अपनी उपयोगिता साबित कर सकें। 'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। कानून का संरक्षण नहीं मिलने से औरत संघर्ष के अंतिम छोर पर लड़ाई हारती रही है। इसीलिये आज की औरत को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए। पूरे पृष्ठ, जितने पुरुषों को प्राप्त हैं। प्राचीन काल में भारतीय नारी को विशिष्ट सम्मान दिया जाता था। सीता, सती-सावित्री आदि अगणित भारतीय नारियों ने अपना विशिष्ट स्थान सिद्ध किया है।

सूडोकु नवताल- 7363

***** कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7362 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

नारी सशक्तिकरण से ही राष्ट्र सशक्त होगा

संपतिया उइके

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कहा कि नारी सशक्तिकरण ही वास्तविक राष्ट्र सशक्तिकरण की आधारशिला है। जब महिलाएँ आत्मनिर्भर होंगी, तो समाज और देश की प्रगति स्वतः सुनिश्चित होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिलाओं, विशेष रूप से जनजातीय और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं के उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं को प्रभावी कदम बताया। मंत्री उइके ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र की उन्नति का मूल आधार भी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने व्यापक नीतिगत पहल की हैं, जिनका सीधा लाभ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाओं को मिल रहा है। प्रधानमंत्री वन धन योजना जनजातीय महिलाओं को स्वरोजगार और लघु उद्यमों से जोडऩे का महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे वे अपने पारंपरिक ज्ञान और कौशल का उपयोग कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। आदिवासी छात्रवृत्ति योजना और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय जनजातीय समाज की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण और उच्च अध्ययन के अवसर प्रदान कर रहे हैं। स्टैंड अप इंडिया योजना के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए विशेष आर्थिक सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती और धात्री महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर स्वस्थ मातृत्व और पोषण को प्रोत्साहित कर रही है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के माध्यम से विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। मंत्री संपतिया उइके ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण को नीति-निर्माण की केंद्रीय धुरी बना रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना प्रदेश की 1.29 करोड़ महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करने की ऐतिहासिक पहल है। इस योजना के माध्यम

से महिलाओं को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे वे परिवार के आर्थिक निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। मुख्यमंत्री आदिवासी महिला उद्यमिता योजना जनजातीय महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने के लिये अनुदान और ऋण सहायता उपलब्ध करा रही है। हर घर नल जल योजना ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं को पेयजल आपूर्ति की कठिनाइयों से राहत दे रही है, जिससे उनका श्रम और समय बच रहा है और वे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में अधिक भागीदारी कर पा रही हैं। पेसा अधिनियम जनजातीय महिलाओं को ग्राम सभाओं में सशक्त भूमिका प्रदान करने के लिए प्रभावी कानून है, जिससे वे स्वतंत्र निर्णय ले रही हैं और समुदाय के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। मंत्री उइके ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल सरकारी योजनाओं से ही संभव नहीं है, बल्कि इसमें समाज की भागीदारी भी आवश्यक है। सरकार स्वरोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और वित्तीय सहायता के माध्यम से जनजातीय और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में महिला सशक्तिकरण को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। जब हर नारी सशक्त होगी, तभी राष्ट्र सशक्त होगा और यही हमारा संकल्प है।

मेष राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप अपने निजी जीवन में चली आ रही समस्याओं का समाधान निकालने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। कार्यक्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। सरकारी नौकरी के लिए प्रयास कर रहे हैं लोगों को नए अवसर मिलने की संभावना है। आज समाज में आपका रुतबा बढ़ेगा। आपका अनुभव प्रतिष्ठा का कारण बनेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। ऑफिस में काम बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे, लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घर के बीच अच्छी तरह तालमेल बनाकर रखेंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। संतान को लेकर उलझनें दूर होगी। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी, बिजनेस को बढाने के लिए बेहतर फैसले लेंगे। साथ ही व्यापार के विकास में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह भी लेंगे। आज आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी। आपके लिए आमदनी के योग बनेंगे। संतान को लेकर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कर्क राशि : आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज अच्छी खुशखबरी मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी, नई पोस्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। आप पूरी सावधानी से काम करेंगे। आज आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी, आप भी इसका भरपूर फायदा उठाएंगे। किसी कार्य योजना के कारण आपको यात्रा करनी पड़ेंगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा। आज आज आप ऑनलाइन नया काम शुरू करेंगे, जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आप दूसरों की मदद करने की हर संभव कोशिश करेंगे।

कन्या राशि : आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है, जिससे आपका बैंक बैलेंस मजबूत होगा। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी में सफलता के योग हैं। आज आपकी सैलरी में बढ़ोतरी होगी। जमीन जायदाद के मामलों में कुछ समस्या आएगी, लेकिन कोर्ट कचहरी में आपको सफलता मिलेगी। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। रिश्तेदारों के साथ किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जायेंगे, आपकी यात्रा सुखद रहेगी। पारिवारिक रिश्तो में आपसी प्रेम बढ़ेगा। किसी कोर्ट केस का फैसला आज आपके पक्ष में आयेगा, इससे आप खुद को रिलैक्स फील करेंगे। नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे, इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सैलरी में वृद्धि होगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा। आपको किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा।

धनु राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी कुछ नये लोगों से मुलाकात होगी। आपके निजी प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ के स्त्रोत खुलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति मिलेगी। आज आप ऑफिस में अपने काम के कारण काफी व्यस्त रहेंगे।

मकर राशि : आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपको अपनी नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। कार्यस्थल पर विरोधी कुछ मुश्किलें खड़ी करेंगे, लेकिन आप अपने काम पर फोकस करेंगे। आपकी एकाग्रता आपको सफलता दिलाएगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे।

मीन राशि : आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज व्यापार में अचानक धन लाभ होने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज शत्रु पक्ष आपको परेशान करने की नाकाम कोशिश कर सकता है। प्रशासनिक पद पर कार्यरत लोगों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। शिक्षकों का ट्रांसफर उनके मन पसंद जगह पर होगा।

भारत का तकनीकी पुनर्जागरण: विकसित भारत की यात्रा को गति

अश्विनी वैष्णव

महाराष्ट्र के बारामती में एक छोटा किसान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के साथ कृषि के नियमों को फिर से निर्धारित करने में जुटा है। यह बात अपने-आप में अद्वितीय है। हम उर्वरक के इस्तेमाल में कमी, जल संसाधन के बेहतर इस्तेमाल से अधिक उपज के बारे में बात करते हैं, जो एआई समर्थित है। यह भारत की एआई-संचालित क्रांति की एक झलक मात्र है। तकनीक और नवाचार अब प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन को बखूबी बदल रहे हैं। कई अर्थों में इस किसान की कहानी एक बहुत बड़े परिवर्तन का सूक्ष्म रूप है। यह सूक्ष्म रूप 2047 तक विकसित भारत की ओर हमारे प्रस्थान का है।

डिजिटल नियति का निर्धारण- भारत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई), एआई, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर जोर देकर अपने डिजिटल भविष्य को आकार दे रहा है। दशकों से, भारत सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी रहा है, किंतु अब यह हार्डवेयर विनिर्माण में भी बड़ी प्रगति कर रहा है। पांच सेमीकंडक्टर संयंत्र निर्माणाधीन हैं, जो वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारत की भूमिका को मजबूत करते हैं। आज इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद हमारे शीर्ष तीन निर्यातों में शुमार हैं और जल्द ही हम एक प्रमुख मील के पत्थर यानी इस साल भारत की पहली "मेक इन इंडिया" चिप के लॉन्च तक पहुंच जाएंगे।

एआई का निर्माण: कंप्यूट, डेटा और इनोवेशन- सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इसकी रीढ़ हैं, जबकि डीपीआई भारत की तकनीकी क्रांति को आगे बढ़ाने वाली प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करता है। भारत अपने तरह की एक एआई संरचना के माध्यम से इसे सभी के लिए सुलभ बनाकर एआई का लोकतंत्रीकरण कर रहा है। इस संबंध में एक प्रमुख पहल 18,000 से अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) के साथ भारत की कॉमन कंप्यूट सुविधा है। 100 रुपए प्रति घंटे से कम की रियायती लागत पर उपलब्ध, यह पहल सुनिश्चित करेगी कि अत्याधुनिक अनुसंधानकर्ताओं, स्टार्टअप, शिक्षाविदों और अन्य हितधारकों के लिए सुलभ हो। यह पहल मूलभूत मॉडल और अनुप्रयोगों सहित एआई -आधारित प्रणालियों को विकसित करने के लिए जीपीयू तक आसान पहुंच को सक्षम करेगी। भारत विविध और उच्च-गुणवत्ता वाले डेटा पर एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर गैर-व्यक्तिगत अनाम डेटासेट भी विकसित कर रहा है। यह पहल पूर्वाग्रहों को कम करने और सटीकता में सुधार करने में मदद करेगी, जिससे एआई सिस्टम अधिक विश्वसनीय और समावेशी बनेंगे। ये डेटासेट कृषि, मौसम पूर्वानुमान और यातायात प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में एआई-संचालित समाधानों को शक्ति प्रदान करेंगे। सरकार भारत के अपने आधारभूत मॉडलों के विकास में सहायता कर रही है, जिसमें बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) और भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप समस्या-विशिष्ट एआई समाधान शामिल हैं। एआई से जुड़े अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए, कई उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं।

भारत का डीपीआई, डिजिटल नवाचार की रूपरेखा- डीपीआई में भारत के अग्रणी कार्य ने वैश्विक डिजिटल परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया है। कॉर्पोरेट या राज्य-नियंत्रित मॉडल के विपरीत, भारत का सरल सार्वजनिक-निजी दृष्टिकोण का आधार, यूपीआई और डिजीलॉकर जैसे प्लेटफ़ॉर्म बनाने के लिए सार्वजनिक धन का उपयोग करता है। निजी क्षेत्र के दिग्गज डीपीआई के शीर्ष पर उपयोगकर्ता के अनुकूल, एप्लिकेशन-विशिष्ट समाधान बनाते हैं और नवाचार प्रस्तुत करते हैं। इस मॉडल को अब एआई के साथ सुपरचार्ज किया जा रहा है, क्योंकि यूपीआई और डिजीलॉकर जैसे वित्तीय और शासन प्लेटफॉर्म बुद्धिमान समाधानों को एकीकृत करते हैं। भारत की डीपीआई संरचना में वैश्विक रुचि जी20 शिखर सम्मेलन में स्पष्ट थी, जहां विभिन्न देशों ने मॉडल को दोहराने की इच्छा व्यक्त की थी। जापान ने भारत की यूपीआई भुगतान प्रणाली को पेटेंट प्रदान किया है, जो इसकी व्यापकता का प्रमाण है।

महाकुंभ, परंपरा और तकनीक का संगम- भारत ने महाकुंभ 2025 के निर्बाध संचालन के लिए अपने डीपीआई और एआई-संचालित प्रबंधन का लाभ उठाया, जो अब तक का सबसे बड़ा मानव समागम है। एआई -संचालित उपकरणों ने प्रयागराज में रेलवे स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तत्क्षण रेलवे यात्रियों की आवाजाही की निगरानी की।भाषिणी, कुंभ सहायक चैटबॉट में एकीकृत, सभी के लिए आवाज आधारित खोया और पाया सुविधा, तत्क्षण अनुवाद और बहुभाषी सहायता सक्षम करती है। भारतीय रेल और उत्तर प्रदेश पुलिस जैसे विभिन्न विभागों के साथ इसके सहयोग ने समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए संचार प्रणाली को सुव्यवस्थित किया। डीपीआई का लाभ उठाकर, महाकुंभ 2025 ने तकनीक-सक्षम प्रबंधन के लिए एक वैश्विक मानदंड स्थापित किया है, जो इसे अधिक समावेशी, कुशल और सुरक्षित बनाता है।

भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण- भारत का कार्यबल इसकी डिजिटल क्रांति के केंद्र में है। देश हर हफ्ते एक वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) जोड़ रहा है, जो वैश्विक आरएंडआई और तकनीकी विकास के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है। हालांकि, इस वृद्धि को बनाए रखने के लिए शिक्षा और कौशल विकास में निरंतर निवेश की आवश्यकता होगी। सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार, एआई, 5जी और सेमीकंडक्टर डिजाइन को शामिल करने के लिए विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में बदलाव करके इस चुनौती का समाधान कर रही है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि स्नातक रोजगार के लिए तैयार कौशल के साथ कार्यबल में प्रवेश करें, जिससे शिक्षा और रोजगार के बीच का फासला कम हो।

एआई को विनियमित करने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण- भारत भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण कर रहा है। इसकी एआई नियामक संरचना को उत्तरदायी तैनाती सुनिश्चित करते हुए नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए। 'कठोर नियामक संरचना के प्रतिकूल, जो नवाचार को दबाने का जोखिम उठाता है, या 'बाजार संचालित शासन, जो अक्सर कुछ लोगों के हाथों में शक्ति केंद्रित करता है, भारत एक व्यावहारिक, तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण का पालन कर रहा है। एआई से संबंधित जोखिमों को दूर करने के लिए केवल कानून पर निर्भर रहने के बजाय, सरकार तकनीकी सुरक्षा से जुड़े उपायों में निवेश कर रही है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित॥ पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**❀; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।** **रांची –** 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com

❀समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ० यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शनिवार, 08 मार्च, 2025

नालंदा में सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में शुक्रवार की रात 2 अलग-अलग थाना क्षेत्र में शादी समारोह में शामिल होने गए पांच लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा एकंगरसराय थाना और हरनौत थाना क्षेत्र में हुई है। जिनमें 3 दोस्त और 2 सगे साढ़ू की मौत हो गई। हिलसा थाना क्षेत्र के बाईपास इलाके में बीती रात शादी समारोह में शामिल होने जा रहे एक ही बाइक पर तीन युवकों की अज्ञात वाहन से कुचल कर मौत हो गई। मृतकों में हिलसा थाना क्षेत्र के पारथु गांव निवासी पप्पू प्रसाद के (20) वर्षीय पुत्र रोहित राज राजनंदन बिन्द के (18) वर्षीय पुत्र दिलशांत कुमार एवं योगेश्वर प्रसाद के (23) वर्षीय पुत्र ओमप्रकाश के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजन ने बताया कि तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर गांव से निकली बारात में शामिल होने के लिए पटना के फरीदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अरैया गांव जा रहे थे। इसी बीच हिलसा थाना क्षेत्र के बाईपास इलाके में अज्ञात बोलेरो ने टक्कर मार दी। इस हादसे में तीनों युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दिलशांत कुमार क्लास 9वीं क्लास में ओम प्रकाश ग्रेजुएशन पार्ट 3 में जबकि रोहित राज ग्रेजुएशन के पार्ट वन में पढ़ाई कर रहा था।

ऑटो और कार की टक्कर में हुई मौत

वहीं, दूसरी तरफ सीएनजी ऑटो और कार के बीच टक्कर हो गई। जिसके बाद दोनों गाड़ियां करीब 30 फीट नीचे गहरी खाई में चली गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मामला हरनौत थाना क्षेत्र अंतर्गत गोनावां पुल के समीप की है। मृतकों की पहचान नूरसराय थाना क्षेत्र के मेयार गांव निवासी स्वर्गीय सरयुग पासवान के (58) वर्षीय पुत्र राम प्रवेश पासवान एवं पटना जिला के सकसोहरा थाना क्षेत्र निवासी स्वर्गीय बच्चू पासवान के (50) वर्षीय पुत्र विवेक कुमार के रूप में की गई है। दोनों रिश्ते में साढ़ू लगते हैं।

घटना के बाद मौके से चालक फरार

घटना के संबंध में परिजन ने बताया कि हरनौत थाना क्षेत्र के बलवापर गांव से शादी समारोह में शामिल होकर ऑटो पर सवार होकर दोनों व्यक्ति लौट रहे थे। तभी गोनावां पुल के समीप कार ने टक्कर मार दी। मौके से ऑटो चालक और कार सवार फरार हो गया। जबकि पानी में डूब कर रामप्रवेश पासवान और विवेक कुमार की मौत हो गई। विवेक कुमार गांव में ही सरकारी शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। अंधेरा होने और पुल के समीप पानी ज्यादा होने के कारण शवों को बाहर निकालने में पुलिस को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा। गाड़ी नंबर और पॉकेट में मिले पहचान पत्र के आधार पर मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी पुलिस के द्वारा दी गई।

परिजनों से मिलने पहुंचे सांसद

जिले में एक ही रात सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत की सूचना मिलने के उपरांत नालंदा सांसद कौशलेंद्र कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और परिजनों को दुख की घड़ी में ढांढस बंधाया। इस मामले में हरनौत थाना अध्यक्ष अमरदीप कुमार ने बताया कि राहगीरों के द्वारा घटना की जानकारी गश्ती पुलिस को दी गई। जिसके उपरांत पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पानी से शव को बाहर निकाला गया।

बेगूसराय में बोलेरो पलटने से एक की मौत, कई घायल

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में एनएच-31 फोरलेन पर देर रात बारात जा रही बोलेरो अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में एक बराती की मौत हो गई, वहीं आधा दर्जन बराती गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना लाखो थाना क्षेत्र में शाहपुर टोल प्लाजा के समीप की है। मृतक की पहचान वीरपुर थाना क्षेत्र के बखतपुर निवासी राम शकल महतो के पुत्र राहुल कुमार (16) के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि राहुल कुमार अपने छह दोस्तों के साथ बोलेरो पर सवार होकर बेगूसराय से लखीसराय बारात जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार बोलेरो शाहपुर के समीप सामने से आ रहे गाड़ी से चकमा खाकर गड्ढे में पलट गई।

10 फीट नीचे गड्ढे में पलट गई गाड़ी : जिसके कारण एनएच किनारे गड्ढे में पलटते हुए बिजली की पोल से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गया। इतना जबरदस्त था कि बोलेरो 10 फीट नीचे गड्ढे में पलट गया। जिसमें राहुल बोलेरो के नीचे दब गया, जिससे उसे काफी देर तक नहीं निकाला जा सका और उसकी मौत हो गई। जबकि अन्य बाराती को स्थानीय लोगों की मदद से निकाल कर इलाज के लिए भेजा गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना लाखो थाना को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची लाखो थाना की पुलिस ने जेसीबी के माध्यम से बोलेरो को गड्ढे से निकाला तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा जा सका। फिलहाल घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

मिड-डे मील रसोइयों से रिश्वत मांगने का आरोप

मोतिहारी में प्रधानाध्यापिका पर 5-5 हजार रुपए मांगने का आरोप, ग्रामीणों ने किया विरोध

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में एक सरकारी स्कूल की प्रधानाध्यापिका पर रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगा है। कल्याणपुर प्रखंड के राजकीय बुनियादी विद्यालय, माधोपुर गोविंद की घटना है। प्रधानाध्यापिका उषा देवी पर तीन महिला रसोइयों से 5-5 हजार रुपए की मांग का आरोप है। रसोइयों के मुताबिक, ढाई महीने पहले उनकी नियुक्ति हुई थी। इस दौरान न तो उन्हें कोई भुगतान मिला और न ही उनके कागजात मुख्यालय में जमा कराए गए। पैसे नहीं मिलने पर प्रधानाध्यापिका ने तीनों रसोइयों - शोभा देवी, मनीता देवी और सीमा देवी के नियुक्ति संबंधी कागजात वापस लौटा दिए। इससे नाराज ग्रामीणों ने स्कूल में विरोध प्रदर्शन किया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी तारनी कुमार दास ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने पाया कि स्कूल में मध्यान्ह भोजन पंजी खाली थी और कई दिनों से अपडेट नहीं की गई थी। ग्रामीणों ने रसोइयों की नियुक्ति से जुड़े दस्तावेज भी शिक्षा अधिकारी को सौंपे हैं। मामले की शिकायत एसडीओ कार्यालय में भी दर्ज कराई गई है।

पटना में शराब लदी कार ने 5 बारातियों को कुचला

चश्मदीद बोले- किसी का पैर टूटा तो किसी का कमर

पटना, एजेंसी। बिहार में होली को लेकर शराब माफिया शराब की तस्करी खूब कर रहे हैं. इसी कड़ी में पटना के फुलवारीशरीफ में शराब तस्कर की बेलगाम तेज रफ्तार कार से बड़ा हादसा हुआ. देर रात पटना एम्स गोलंबर के पास एक तेज रफ्तार कार ने बारातियों के वाहन में टक्कर मार दी. इस घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. पटना में शराब तस्कर गिरफ्तारः घायलों को तुरंत एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है. मौके पर मौजूद बाराती धीरेंद्र कुमार ने कहा कि हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए कार का पीछा कर पकड़ लिया. एक तस्कर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. बताया जा रहा है कि कार में दो नंबर प्लेट है. जो जांच में बिहार और झारखंड का नंबर प्लेट पता चला है. कार में भारी मात्रा में अवैध शराब भरी हुई थी. बाराती धीरेंद्र कुमार ने बताया कि ÷एक अवैध शराब से लदी कार ने बारातियों से भरी गाड़ी में टक्कर मार दी है, जिससे पांच लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं. किसी के पैर टूट गए तो किसी का कमर टूट गया. कार से पुलिस ने भारी मात्रा में शराब बरामद की है.

बेगूसराय में लगेगा रंग कर्मियों का मेला: 21 से 26 मार्च तक आयोजित होगा राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव, महाराष्ट्र

नई दिल्ली और पश्चिम बंगाल से पहुंचेंगे कलाकार

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार में रंगकर्म और साहित्य की राजधानी कहे जाने वाले बेगूसराय में एक बार फिर देशभर के विभिन्न हिस्सों के रंग कर्मियों का मेला लगने जा रहा है। बेगूसराय में यह मेला राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव को लेकर लगेगा। दरअसल जिला मुख्यालय के दिनकर भवन में 21 से 26 मार्च तक दसवां आशीर्वाद राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है।जिसमें बेगूसराय ही नहीं, महाराष्ट्र, नई दिल्ली और पश्चिम बंगाल सहित अन्य जगहों की नामचीन संस्थाओं द्वारा 6 नाटकों की प्रस्तुति की जाएगी। कार्यक्रम की तैयारी अंतिम चरण में है। फेस्टिवल डायरेक्टर अमित रोशन ने बताया कि 21 मार्च की शाम देश के चर्चित नाट्य निदेशक और समीक्षकों की उपस्थिति में दिनकर भवन में नाटय समारोह का शुभारंभ होगा।

कार्यक्रम का स्वरूप

पहले दिन बेगूसराय के आशीर्वाद रंग मंडल द्वारा डॉ. अमित रोशन के निर्देशन में मृणाल ठाकुर लिखित नाटक पश्मीना का मंचन कर इस राष्ट्रीय महोत्सव का आगाज किया जाएगा। दूसरे दिन 22 मार्च को यूनिकॉर्न थिएटर नई दिल्ली द्वारा हैप्पी रंजीत के निर्देशन में ऑल माय सन नाटक का मंचन किया जाएगा। तीसरे दिन 23 मार्च को पश्चिम बंगाल की चर्चित नाट्य संस्था कोलकाता के हजारा वाला टीम द्वारा साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित लेखक चंदन सेन के निर्देशन में अनिकेत संध्या नाटक का मंचन किया जाएगा। चौथे दिन 24 मार्च को रंग सृजन बेगूसराय द्वारा सचिन कुमार के निर्देशन में प्रदीप बिहारी लिखित मैथिली नाटक कांट का मंचन होगा। पांचवें दिन 25 मार्च को रागा पटना द्वारा रंधीर कुमार के निर्देशन में ऋषिकेश सुलभ लिखित नाटक स्मॉल टाउन जिंदगी का मंचन होगा। समारोह के अंतिम दिन 26 मार्च को महाराष्ट्र के स्वतंत्र थियेटर पुणे द्वारा अभिजीत चौधरी के निर्देशन में हमीदा बाई की कोठी नाटक का मंचन किया जाएगा। इसके साथ-साथ देशभर में ख्याति प्राप्त नाट्य निदेशक, नाट्य समीक्षक, फिल्म अभिनेता के आने की स्वीकृति मिली है। सभी लोग 6 दिन यहीं रहेंगे, नाटक देखेंगे। राष्ट्रीय नाट्य समारोह के माध्यम से बेगूसराय के दर्शक देशभर के रंग संस्कृति से परिचित होंगे। बेगूसराय में लंबे समय से रंग आंदोलन और रंग प्रदर्शन होते रहा है। 1996 में आशीर्वाद रंग मंडल से जुड़े और देश के विभिन्न शहरों में जाकर नाट्य समारोह देखने जाते थे। तभी इच्छा जगी थी कि किस तरह से अन्य प्रदेशों और राजधानियों में विभिन्न राज्यों की नाट्य संस्थाएं नाटक करती है। संसाधन मिला तो हम भी बेगूसराय के रंग दर्शकों को अलग-अलग राज्यों के नाट्य दर्शकों को मंचन दिखाएंगे। इसके बाद 2010 में बेगूसराय में पहली बार आशीर्वाद रंग मंडल द्वारा राष्ट्रीय नाट्य समारोह की शुरूआत किया गया। उसके बाद से हमारा यह प्रयास लगातार जारी है। बीच में कोरोना सहित कुछ बाधाएं आई और अब 10वें राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

हिंदू-मुस्लिम के नाम पर बंटवारा करा रही कांग्रेस-राजद

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान गुरुवार की देर रात हाजीपुर पहुंचे। जहां उन्होंने कांग्रेस और राजद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां समाज में हिंदू-मुस्लिम के नाम पर बंटवारा करवा रही हैं। चिराग पासवान ने कहा कि इन पार्टियों के लिए सेक्युलरिज्म का मतलब सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति है। वे एक धर्म विशेष के लोगों की वाह-वाही करते हैं और उनकी गलतियों पर पर्दा डालते हैं। उन्होंने कहा कि राजद, सपा और कांग्रेस ने हिंदू-मुस्लिम के नाम पर तुष्टीकरण करके देश और समाज का नुकसान किया है। प्रशांत किशोर के राघोपुर से चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति स्वतंत्र है। जनता को ही फैसला करना है। शराबबंदी के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि गठबंधन में पहले से ही ताड़ी और नीरा को शराब की श्रेणी से हटाने की मांग की जा रही है। बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट की सरकार बनने पर इसे गंभीरता से लागू किया जाएगा। बता दें कि चिराग पासवान हाजीपुर में एक पत्रकार की बेटी की शादी में भी शामिल हुए और उन्हें आशीर्वाद दिया।

प्रशांत किशोर की राह पर तेजस्वी यादव! बोले- सरकार में आते ही ताड़ी से प्रतिबंध हटा देंगे

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा में विरोधीदल के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने जहां एक ओर युवाओं को भरोसा दिलाया है कि उनकी सरकार बनने पर बिहार में 100 प्रतिशत डोमिसाइल नीति लागू होगा. वहीं दूसरी तरफ तेजस्वी यादव ने आज घोषणा करते हुए कहा कि उनकी सरकार बनने पर बिहार में ताड़ी पर लगा प्रतिबंध खत्म होगा.

ताड़ी से हटाएंगे प्रतिबंध

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में पासी समाज के लोगों का मुख्य पेशा ताड़ी से जुड़ा हुआ है. पासी समाज की आय का मुख्य साधन ताड़ी है. तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में शराबबंदी के बाद ताड़ी की खरीद-बिक्री पर भी रोक लगा दिया गया था. उनकी सरकार बनने के बाद 2016 जो ताड़ी पर प्रतिबंध लगाया गया उसको हटाने का काम किया जाएगा. तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोग बिहार में शराबबंदी के खिलाफ नहीं है, लेकिन ताड़ी एक नेचुरल प्रोडक्ट है. तारी के रोजगार से पासी समाज के लोग कई पीढियों से जुड़े हुए हैं. इसलिए उन लोगों का दर्द है कि इस व्यवसाय से उन लोगों को नहीं हटाया जाए. यही कारण है कि हमलोगों ने यह निर्णय लिया है कि हमारी सरकार बनने के बाद ताड़ी पर लगाया गया प्रतिबंध हटाया जाएगा. जब लालू प्रसाद की सरकार थी तो बिहार में तारीख को टैक्स फ्री किया गया था.

जहरीली शराब से लोगों की मौत : तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि शराबबंदी के बाद 2000 से अधिक लोग जहरीली शराब पीने से मारे गए हैं. तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं रह गई है. नीतीश कुमार अचेत अवस्था में चले गए हैं.

शराबबंदी के बाद बिहार में 12 लाख 39 हजार से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हुई है. इसमें 90प्रतिशत से अधिक लोग अति पिछड़ा एवं दलित समाज के लोगों को गिरफ्तार किया गया है. 8 लाख 47 हजार 907 मामला दर्ज किया गया है. दर्ज मामले के आधार पर गणना की जाए तो 400 से अधिक लोगों की प्रतिदिन गिरफ्तारी हो रही है. हर घंटे 8 लोगों की गिरफ्तारी हो रही है.

बिहार में अपराधियों की बहार है

तेजस्वी यादव ने कहा कि सदन में जब वह बोल रहे थे तो मुख्यमंत्री सदन से गायब थे. जब मैं मुख्यमंत्री से पूछा कि आपका मंत्रियों का नाम आपको मालूम है क्या आपको अपने उपमुख्यमंत्री का नाम मालूम है. इस पर कोई जवाब नहीं. तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराधियों की बहार है. खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपराधियों को जेल से छुड़वाने का काम करते हैं.

एजेंडा में युवा और रोजगार

तेजस्वी यादव ने कहा कि वे बिहार में नौकरी, पलायन, बेरोजगार नौजवानों के लिए फ्री में फॉर्म भरने की बात कही है. तेजस्वी यादव ने कहा कि वह पेपर लीक की बात उठा रहे हैं. नीतीश कुमार पर निशाना चाहते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि 2005 से पहले न चांद था न तारा था. न दिन होती थी ना रात होती थी. तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने दो बार नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने में मदद की. जहां तक लालू प्रसाद का सवाल है तो लालू प्रसाद ने देश में कई प्रधानमंत्री को बनाया है.

मैं किसी पार्टी का नहीं, हिंदुत्व का विचारक हूं, 8 मार्च को लगेगा दिव्य दरबार: धीरेंद्र शास्त्री

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज में धीरेंद्र शास्त्री हनुमंत कथा कर रहे हैं। 5 दिवसीय कथा का आज दूसरा दिन है। आज करीब 40 से 50 हजार भीड़ जुटने की उम्मीद जताई जा रही है। बाबा का कथा सुनने के लिए 100 किमी दूर छपरा, सीवान से भक्त यहां आ रहे हैं। कथा के पहले दिन धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, मेरे बिहार आने से बहुत लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। लेकिन मैं किसी पार्टी का विचारक नहीं हूं, मैं हिंदुत्व का विचारक हूं। यह राम का देश है। यदि यहां कथा नहीं सुना सकते तो फिर कहां सुनाएंगे? जब तक मेरे तन में प्राण हैं, मैं हिंदुओं के लिए जीउंगा और हिंदुओं के लिए ही मरूंगा।

बिहार हमारा है, जब तक जिंदा हूं, तब तक बिहार आऊंगा : उन्होंने आगे कहा, बिहार हमारा है, जब तक जिंदा हूं, तब तक बिहार आऊंगा। मुझे कोई बिहार आने से रोकेगा तो यहां मठ बना लूंगा। घर बना लूंगा। मार दोगे तो फिर बिहार में जन्म लूंगा। छेड़ोगे तो छोड़ूंगा नहीं। ठठरी के बरे, नकटा, मूसरचंक, हलवानाथ तुम्हारे बाप का देश है जो मुझे मारेगे।

8 मार्च को लगेगा दिव्य दरबार : पंडित धीरेंद्र शास्त्री 5 दिन के बिहार दौरे पर हैं। गुरुवार को गोपालगंज में उनकी हनुमंत कथा का पहला दिन था। शाम करीब सवा 5 बजे के बाद कथा शुरू हुई थी। धीरेंद्र शास्त्री कल यानी की 8 मार्च को गोपालगंज में दिव्य दरबार लगाएंगे, इसमें करीब 70 हजार से 1 लाख तक भीड़ जुटने की उम्मीद है।

पंडाल में 2 लाख लोगों के बैठने की क्षमता : बागेश्वरी धाम के धीरेंद्र शास्त्री 10 मार्च तक बिहार में रहेंगे। धीरेंद्र शास्त्री गोपालगंज के भोरे प्रखंड स्थित राम जानकी मठ में हनुमंत कथा कर रहे हैं। दोपहर के 3 बजे से कथा की शुरुआत हो रही है। 60 एकड़ में इसके लिए पंडाल बनाया गया है। जिसमें 2 लाख लोग एक साथ बैठने की व्यवस्था है।

5 जगहों पर पार्किंग की व्यवस्था : पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा को लेकर कथा स्थल के आसपास 5 जगह पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसमें राधागंज मठ, सईया देवी मंदिर (मध्य विद्यालय राधागंज), लखराव फिल्ड, कल्याणपुर स्कूल शामिल हैं। वीआईपी के लिए पार्किंग की व्यवस्था बारह बीघा मैदान में की गई है। इसके अलावा पप्पू कुमार के खेत सईया देवी मंदिर के सामने पेड पार्किंग की व्यवस्था होगी।

मधेपुरा जेल अधीक्षक पर प्रताड़ना का आरोप

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा मंडल कारा के जेल अधीक्षक संजय कुमार के खिलाफ मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और गाली-गलौज के गंभीर आरोप लगे हैं। इस मामले में अब सबकी नजरें जांच टीम पर टिकी हैं। डीएम तरनजोत सिंह ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। जांच टीम के अध्यक्ष डीएसओ शंकर शरण ने बताया कि उन्हें गुरुवार को जांच से संबंधित पत्र प्राप्त हुआ है और एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। दरअसल, जेलर संजय कुमार गुप्ता और जेल चिकित्सक डॉ. सुशील कुमार सहनी ने मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए डीएम, एसपी, मानवाधिकार आयोग और पीएमओ तक अपनी शिकायत भेजी है। जेलर संजय गुप्ता का कहना है कि जेल अधीक्षक उनको बेवजह प्रताड़ित करते हैं। अधीनस्थ कर्मियों के सामने जलील करते हैं। संजय गुप्ता ने बताया कि लगातार प्रताड़ना के कारण उन्हें अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को जेल अधीक्षक ने उन्हें आवास पर बुलाकर इतना दुर्व्यवहार किया कि उन्हें हार्ट अटैक आ गया। इसके बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक ऑडियो में जेल अधीक्षक किसी को कह रहे हैं कि अगर जेलर मेरे ऑफिस में आए तो उसे धक्का देकर बाहर निकाल दो। ऑडियो में जेलर को भद्दी-भद्दी गलियां देते हुए भी सुना जा सकता है। इस मामले पर जेल अधीक्षक संजय कुमार ने कहा कि यह जांच का विषय है। जांच के बाद मामला क्लियर हो जाएगा।

भोजपुर में पिता-पुत्री को युवकों ने पीटा:जख्मी ने लगाया मारपीट और छेड़खानी का आरोप

अस्पताल में इलाज जारी

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बरगही गांव में गुरुवार को छेड़खानी का विरोध करने पर गांव के युवकों ने पिता-पुत्री की जमकर पिटाई कर दी गई। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए।इसके बाद अन्य लोगों के बीच बचाव के बाद डायल 112 नंबर पुलिस वाहन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार ज़ख्मियों में गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बरगही गांव निवासी 50 वर्षीय भगवान महतो एवं 18 वर्षीया उनकी पुत्री जया कुमारी है।

पिता-पुत्री को युवकों ने पीटा : जया कुमारी ने बताया कि गांव के ही कुछ युवक के उसके साथ बराबर टोन बाजी और छेड़खानी करने की कोशिश करते थे लेकिन कर नहीं पाते थे। गुरुवार की शाम जब वह अपने दरवाजे पर बैठी थी। तभी उक्त युवक अपने अन्य साथियों के साथ वहां आए और उसके साथ छेड़खानी करने लगे।

जब उसने इसका विरोध किया तो उनके द्वारा उसकी जमकर पिटाई कर दी गई। घटना की सूचना पाकर जब उसके पिता भगवान महतो बीच बचाव करने गए तो उक्त युवकों उनकी भी पिटाई कर दी।

युवती के सिर पर गहरा निशान : बदमाश युवकों ने पित-पुत्री को काफी देरी तक बेहरमी से पिटाई करते रहे। युवकों ने युवती के सिर पर काड़ा से मारकर जख्मी कर दिया है। वहीं, ऑन ड्यूटी चिकित्सक अमन ने बताया कि युवती के ललाट पर जख्म का गहरा निशान था जबकि उसके पिता के शरीर में चोट के निशान थे।

दूसरी तरफ जख्मी जया कुमारी ने गांव के ही संदीप,सुधीर,सुजीत,अंकुश एवं विशाल सहित उनके साथ रहे अन्य दोस्तों पर छेड़खानी का विरोध करने पर काड़ा एवं डंडों से मारकर खुद को एवं अपने पिता को जख्मी करने का आरोप लगाया है। बाहर पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

रोसरा विधायक ने सदन में जिले के लिए रखी मांग:सदन में क्रिकेट और फुटबॉल स्टेडियम का उठाया मुद्दा

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले के रोसरा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक वीरेंद्र कुमार ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शिवाजीनगर प्रखंड के जाखर धरमपुर पंचायत में क्रिकेट स्टेडियम एवं फुटबॉल स्टेडियम बनाने की मांग रखी। विधायक बीरेंद्र कुमार ने कहा कि जाखर धरमपुर पंचायत में क्रिकेट एवं फुटबॉल मैदान के लिए पर्याप्त जगह है। जहां पर स्टेडियम बनाया जा सकता है स्टेडियम बनाने से इस इलाके में खेल को बढ़ावा मिलेगा जिससे ग्रामीण प्रतिभाएं उभर कर सामने आएगी। उन्होंने कहा कि पंचायत की आबादी करीब 15 हजार के आसपास है लेकिन यहां स्टेडियम की अभाव है। क्रिकेट स्टेडियम और फुटबॉल स्टेडियम बन जाने से जाखर धरमपुर पंचायत सहित आसपास के पंचायत एवं गांव के लोगों को फायदा मिलेगा। स्टेडियम बन जाने से युवाओं के लिए काफी लाभदायक होगा। रोसड़ा विधायक बीरेंद्र कुमार ने विधानसभा सत्र में एनएच 527 ई रोसड़ा रामनगर दरभंगा एवं पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे पर औद्योगिक परिक्षेत्र विकसित करने की भी मांग की। विधायक बीरेंद्र कुमार ने कहा कि जनहित के मुद्दे को लगातार सदन में उठाने का काम करते हैं और उन्होंने कहा की समस्याओं का निराकरण भी कराते हैं। इस पहल का भाजपा पूर्व प्रदेश महामंत्री सुशील कुमार चौधरी, पूर्व जिला मंत्री सह विधायक प्रतिनिधि शिवाजीनगर अनिल कुमार सिंह, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष संतोष कुमार बबली, पूर्वी मंडल अध्यक्ष ललित कुमार झा, भाजपा कार्यकर्ता नवीन कुमार सिंह, समेत अन्य लोगों के प्रति आभार प्रकट किया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शनिवार, 08 मार्च, 2025

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी के आदेश पर हरकत में आया ADA, अंसल एपीआई के खिलाफ केस हुआ दर्ज

आगरा , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंसल एपीआई की धोखाधड़ी के विरुद्ध सभी विकास प्राधिकरणों को एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दिए थे। शुक्रवार को सीएम योगी आगरा आ रहे हैं। इससे पहले ही एडीए उपाध्यक्ष ने अंसल एपीआई के खिलाफ लोहामंडी थाना में केस दर्ज कराया है। इस संबंध में एडीए उपाध्यक्ष ने पुलिस कमिश्नर जे रविन्दर गौड से पहले चर्चा की फिर धोखाधड़ी के आरोप में तहरीर दी गई।

अंसल एपीआई ने 2005 में बिचपुरी स्थित सदरवन में 477 एकड़ भूमि पर इंटीग्रेटेड सिटी के रूप में सुशांत ताज सिटी नाम से प्रोजेक्ट लॉन्च किया था। 2008 में नक्शा पास कराते समय 100 एकड़ भूमि विकास शुल्क के एवज में एडीए में बंधक रखी। एडीए उपाध्यक्ष एम अरुन्मोली ने बताया कि करीब 100 एकड़ भूमि अंसल ग्रुप पहले ही बेच चुका था। उसके पास करीब 300 एकड़ भूमि का अधिकार था। लेकिन, बेची जा चुकी भूमि भी ग्रुप ने बंधक रखी। वर्ष 2017 तक अंसल ग्रुप को प्रोजेक्ट पूरा करना था, लेकिन प्रोजेक्ट अधूरा रहा। घर खरीदारों का करोड़ों रुपया फंस गया। ग्रुप ने प्रोजेक्ट की समय सीमा बढ़ाने के लिए तीन-चार बार मोहलत मांगी। शासन स्तर से मोहलत नहीं मिली। प्रोजेक्ट फेल हो गया। अंसल एपीआई के खिलाफ आगरा के विभिन्न थानों में 3 मुकदमा पहले से दर्ज हैं। धोखाधड़ी के शिकार हुए लोगों ने यह मुकदमे दर्ज कराए थे।

कचरा निस्तारण के लिए गांव में बनकर तैयार 300 आरआरसी शोपीस

उन्नाव , एजेंसी। गांवों में गंदगी न रहे और ग्रामीणों को स्वच्छ परिवेश मिले। इस मंशा से स्वच्छ भारत मिशन के तहत जिले की 618 पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र (आरआरसी) बनाए जा रहे हैं। अब तक 10 ब्लॉक में 300 आरआरसी बनकर तैयार हो चुके हैं। एक आरआरसी के निर्माण में लगभग तीन से पांच लाख रुपये लागत आई है। इस तरह करोड़ों रुपये खर्च हो जाने के बाद भी यह शोपीस बने हुए हैं।

गांव में न घर-घर कूड़े को एकत्र कराया जा रहा है और न गीले-सूखे कूड़े की छटनी हो रही है। सरकार की मंशा थी कि अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र बनने के बाद गांव में गंदगी न फैले। इसलिए गांव से निकलने वाले कचरे को इन केंद्रों पर लाकर गीला व सूखा कचरा अलग किया जाना था। इसके साथ ही जैविक खाद बनाई जानी थी। वहीं अजैविक प्लास्टिक कचरे को पीएमयू यूनिट में भेजकर निस्तारण के बाद ब्रिकी के लिए तैयार किया जाना था। इससे ग्राम पंचायतों की आय में बढोतरी होती। मगर कुछ जगह को छोड़ कर अधिकांश जगहों पर इनका संचालन बजट के कारण अटका है। यहां पर कई जगह मशीनें नहीं हैं तो कई जगह घरों से कूड़ा लाने के लिए ई-रिक्शे भी नहीं है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, दो घायल

कन्नौज , एजेंसी। हरदोई मार्ग पर गुरुवार को बख्शीपुर्वा के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई और दो युवक घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से दोनों को रेफर कर दिया गया।

मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छुट्टापुर्वा निवासी अनुज (20) साथी अनूप (21) और शिवा (18) के साथ बाइक से शाम को निकले थे। हरदोई-कन्नौज मार्ग पर बख्शीपुर्वा के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में अनुज की मौके पर ही मौत हो गई और अनूप व शिवा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों के पास मिले मोबाइल से पुलिस ने हादसे की जानकारी परिजनों को दी और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद अनूप को कानपुर व शिवा को राजकीय मेडिकल कॉलेज तिर्वा रेफर कर दिया। कोतवाल कपिल दुबे ने बताया कि शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महाकुंभ ने रील लाइफ में जी रहे युवाओं को सनातन से जोड़ा

सोशल मीडिया पर 300 गुना बढ़ी वेद-पुराण की खोज

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 45 दिन तक चले महाकुंभ में युवाओं की रिकॉर्ड भागीदारी रही। महाकुंभ ने रील लाइफ में जी रहे युवाओं को सनातन परंपरा से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। महाकुंभ के 45 दिनों में 66.30 करोड़ श्रद्धालुओं में करीब आधे 25 वर्ष या इससे कम उम्र के थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सनातन धर्म, वेद-पुराण और गीता से जुड़े विषयों की खोज 300 गुना तक बढ़ गई। साफ है कि नई पीढ़ी सनातन संस्कृति और अध्यात्म की ओर आकर्षित हुई है।

महाकुंभ के विराट आयोजन का असर बहुत गहराई तक पड़ा है। देश की स्वतंत्रता के बाद से हुए सभी कुंभ धर्मपरायण अधेड़ और वृद्ध श्रद्धालुओं के समागम का केंद्र रहे हैं। 'कुंभ नहा लिए' कहावत का मतलब ही था कि अपनी जिम्मेदारियों को निभा चुके लोग ही कुंभ स्नान को जाते थे।

महाकुंभ 2025 इस मामले में एकदम अलग रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डिजिटल महाकुंभ को युवाओं ने हाथों हाथ लिया। एआई आधारित कुंभ सहायक ऐप और गूगल नेविगेशन से युवाओं को जोड़ने में सफलता मिली। तकनीक और संस्कृति के संगम में युवाओं ने श्रद्धा की डुबकी लगाने के रिकॉर्ड बनाए।

कुंभ ने ये झलक भी दिखा दी कि युवा पारंपरिक धर्म और आधुनिक राष्ट्रवाद के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। इनमें लाखों-करोड़ों की संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, प्रबंधक, टीचर, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, पत्रकार, खिलाड़ी, अभिनेता, मैन्यूफैक्चरर, ट्रेडर, सर्विस सेक्टर उद्यमी और कॉलेज की छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

33 करोड़ से ज्यादा युवाओं ने फोटो और वीडियो गर्व के साथ सोशल मीडिया पर साझा किए। महाकुंभ आकर उन्होंने देखा कि डिजिटल क्रांति केवल कागजों पर नहीं बल्कि हकीकत बन चुकी है।

कुंभ सहायक चैटबॉट, क्यूआर कोड आधारित जानकारियां, शौचालयों की साफ-सफाई के लिए सीआर कोड आधारित व्यवस्था, गूगल मैप पर महाकुंभ नगरी और वहां होने वाले आयोजनों की जानकारियां, इंटरनेट के बेहतरीन सिग्नल, ऑनलाइन बुकिंग्स, फ्लाइट कनेक्टिविटी, रेल और रोड नेटवर्क ने युवाओं को महाकुंभ से जोड़ दिया।

महाकुंभ में रामकथा, भागवत कथा और प्रवचनों में युवाओं की भीड़ उमड़ी। सत्संग और कीर्तन में करोड़ों युवा शामिल हुए। साफ है कि आधुनिक पीढ़ी जड़ों की ओर लौट रही है। यही युवा महाकुंभ से लौटते हुए दुनिया भर में संगम की मिट्टी और संगम का जल साथ ले गए।

कानपुर में रेलवे पटरी पर मिली नव विवाहिता की लाश, जांच शुरू

सुनील बाजपेई। कानपुर। यहां एक नव विवाहिता की लाश रेल पटरी पर लाश मिलने की जांच शुरू कर दी गई है। कुछ दिन पहले ससुराल से निकल जाने के बादवह गायब चल रही थी ,जिसकी तलाश भी लगातार की जा रही थी। इसी बीच उसकी लाश कल्याणपुर थाना क्षेत्र में रेल पटरी पर बरामद की गई। इसके बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज कर पुलिस घटना की जांच में जुट गई है।

मायके वालों का आरोप है कि उसकी सास ने शव तक पहचानने से इनकार कर दिया। परिजनों ने बताया कि घर से निकली थी तो उसने पीले रंग की साड़ी पहन रखी थी, मगर जब शव मिला तो साड़ी का रंग पिंक था।

मुझे जानकारी के मुताबिक भन्नाना पुरवा अनवरगंज कल्याणपुर निवासी रंजना शर्मा (35) की शादी 11 दिसम्बर 2018 को साहब नगर कल्याणपुर निवासी राहुल शर्मा से हुई थी। शादी के बाद पता चला कि शराब का लती राहुल कोई काम धंधा नहीं करता है। वह रंजन से पैसों की मांग भी करता था। मायके वालों के मुताबिक कुछ पहले ही उसने उसे मारपीट कर घर से भी निकाल लिया था। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

होली में आसान होगी यात्रियों की राह

वंदे भारत समेत चलेंगी 21 स्पेशन ट्रेनें

चंदौली , एजेंसी। होली पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे लगातार स्पेशल ट्रेनें चला रही है। इसी क्रम में अब 21 जोड़ी और स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। इसमें नई दिल्ली-पटना वंदे भारत ट्रेन भी शामिल है। हालांकि वंदे भारत पीडीडीयू जंक्शन से होकर नहीं चलेगी। यह ट्रेन पाटलिपुत्र, छपरा, बलिया, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर के रास्ते चलेगी। पीडीडीयू जंक्शन से होकर सात जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलेंगी।

पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जन संपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि दिल्ली-पटना सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल 17 मार्च तक रोजाना दिल्ली से 23.55 बजे खुलकर अगले दिन 16.40 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में यह गाड़ी 18 मार्च तक प्रतिदिन से पटना से 17.50 बजे खुलकर अगले दिन 10.25 बजे दिल्ली पहुंचेगी।

आनंद विहार- राजगीर सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल 07, 11, 14 और 18 मार्च को आनंद विहार से 00.20 बजे खुलकर उसी दिन 16.15 बजे पटना जंक्शन रुकते हुए 19.50 बजे राजगीर पहुंचेगी। वापसी में यह गाड़ी 07, 11, 14 और 18 मार्च को राजगीर से 23.30 बजे खुलकर अगले दिन 02.10 बजे पटना जंक्शन सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 19.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

नई दिल्ली-भागलपुर फेस्टिवल स्पेशल 09, 12, 16 और 19 मार्च को नई दिल्ली से 14.00 बजे खुलकर अगले दिन 13.30 बजे भागलपुर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 10, 13, 17 और 20 मार्च को भागलपुर से 14.30 बजे खुलकर अगले दिन 14.30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। नई दिल्ली-गया स्पेशल 10, 13 और 17 मार्च को नई दिल्ली से 09.30 बजे खुलकर अगले दिन 01.50 बजे गया पहुंचेगी। वापसी में यही गाड़ी 07, 11, 14 और 18 मार्च को गया से 06.40 बजे खुलकर उसी दिन 23.35 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

नई दिल्ली-सहरसा स्पेशल 10, 13 और 17 मार्च को नई दिल्ली से 21.35 बजे खुलकर अगले दिन 22.00 बजे सहरसा पहुंचेगी। वापसी में यही गाड़ी 07, 11, 14 और 18 मार्च को सहरसा से 23.55 बजे खुलकर अगले दिन 23.30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

इसी तरह आनंद विहार-जयनगर फेस्टिवल स्पेशल 10, 13 और 17 मार्च को आनंद विहार से 05.00 बजे खुलकर अगले दिन 12.00 बजे जयनगर पहुंचेगी। वापसी में यही गाड़ी 07, 11, 14 और 18 मार्च को जयनगर से 17.00 बजे खुलकर अगले दिन 19.55 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

हावड़ा-खातीपुरा (जयपुर) होली स्पेशल 09 और 16 मार्च को हावड़ा से 18.00 बजे खुलकर अगले दिन 23.30 बजे खातीपुरा पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन खातीपुरा से 11और 18 मार्च को खातीपुरा से 05.30 बजे खुलकर अगले दिन 15.15 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

पहले रजिस्ट्री में कम स्टांप लगाया, फिर ओटीएस योजना में भी की स्टांप चोरी, जांच में मिली 2.13 करोड़ की गड़बड़ी

कानपुर , एजेंसी। शासन की ओर से लागू की गई एक मुश्त समाधान योजना के तहत दो माह में सिर्फ 18 आवेदन आने पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने फाइलों की जांच करा दी। इसमें करीब 14 फाइलों में 2.13 करोड़ रुपये की स्टांप चोरी पकड़ में आई, जबकि 500 फाइलें स्टांप कमी वाली लंबित पड़ी हैं। जिलाधिकारी ने 31 मार्च तक लोगों को नोटिस भेजकर समाधान के तहत मामला निस्तारित कराने के निर्देश दिए हैं।

इसके बाद सभी से वसूली की जाएगी। घर, दुकान, जमीन व फ्लैट की खरीद के समय रजिस्ट्री में निर्धारित स्टांप की अदायगी करनी होती है। जांच में चोरी पकड़ी जाने पर सुनवाई जिलाधिकारी, एआईजी स्टांप व एडीएम वित्त-राजस्व के न्यायालय में होती है। कमी के हिसाब से जुर्माना लगता है। पक्षकार सहमत नहीं होने पर आगे अपील करते हैं।

नोटिस जारी कर योजना का लाभ लेने के लिए कहा: इन्हीं मुकदमों के निस्तारण के लिए ओटीएस योजना लाई गई। दिसंबर में शासन ने एक मुश्त समाधान योजना लागू की थी, जिसके बाद जिले में लंबे समय से जिलाधिकारी, एडीएम वित्त एवं राजस्व और एआईजी स्टांप के न्यायालय में लंबित पड़े 500 मामलों के पक्षकारों को नोटिस जारी कर योजना का लाभ लेने के लिए कहा गया था। इसके बाद भी लोगों ने अनसुना किया।

14 फाइलों में बड़ी चोरी पकड़ी

सिर्फ 18 ने ही आवेदन किया। योजना के तहत स्टांप की मूल कमी राशि पर 1.5 प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज के साथ 100 रुपये जुर्माने का भुगतान करना था। लाभ लेने के लिए पहले भुगतान का ट्रेजरी चालान बनवाना था। इसके बाद भी लोगों ने रुचि नहीं दिखाई, जिसके बाद जिलाधिकारी ने सभी फाइलों की जांच कराई। इसमें 14 फाइलों में बड़ी चोरी पकड़ी।

स्टांप कमी के मामलों का निस्तारण 100 रुपये में

उत्तर प्रदेश सरकार ने लंबित स्टांप मामलों के त्वरित निस्तारण और राजस्व वसूली में तेजी लाने के उद्देश्य से 'स्टांप कमी समाधान योजना' को फिर से लागू किया है। इस योजना का लाभ 31 मार्च तक ले सकेंगे। इसके तहत पक्षकार मात्र 100 रुपये के न्यूनतम अर्थदंड और नियमानुसार ब्याज अदा कर लंबित वादों का समाधान करा सकते हैं।

माह के अंतिम रविवार को भी कार्यालय खुलेगा

इसके साथ ही कार्यालय खुलने का समय छह बजे कर दिया गया है। एआईजी स्टांप श्याम सिंह बिसेन ने बताया कि स्टांप पंजीयन विभाग की ओर से एकमुश्त समाधान योजना भारतीय स्टांप अधिनियम, 1899 के तहत लंबित मामलों के निस्तारण के लिए तैयार की गई है।

कानपुर में शांतिपूर्ण होली के लिए तैयार अपराधी पत्रकारों के खिलाफ अभूतपूर्व कार्रवाई के लिए सुविख्यात सीपी अखिल कुमार

पुलिस कमिश्नरेट कानपुर की चेतावनी पूर्ण अपील - जो हुड़दंग मचाएगा , जेल भी निश्चय जाएगा। जो करेगा त्योहार में झगड़ा, वह जाएगा निश्चय पकड़ा। शांति से त्योहार सभी मनाएं, हो झगड़ा तो पुलिस बुलाएं।

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां की कमिश्नरेट पुलिस ने बीते हर त्योहारों की तरह आगामी होली और ईद उल फित्र को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए कमर कस चुकी है। इसके लिए पुलिस बल पूरी तरह से सतर्क और सजग है। वह साधारण सूचनाओं पर भी तत्काल मौके पर पहुंच प्रभावी कार्रवाही कर कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ आम जनता का हितैषी होने को भी लगातार प्रमाणित कर रहा है।

इसबीच जुझारू पुलिस कमिश्नर के रूप में अखिल कुमार की अगुवाई वाली यहां की कमिश्नरेट पुलिस द्वारा आगामी होली और ईद आदि को शांति और सद्भाव पूर्ण तरीके से मनाने की जोरदार अपील करते हुए जिस आशय का महत्व पूर्ण संदेश भी दिया गया है, उसके मुताबिक-- जो हुड़दंग मचाएगा , जेल भी निश्चय जाएगा। जो करेगा त्यौहार में झगड़ा, वह जाएगा निश्चय पकड़ा। शांति से त्योहार सभी मनाएं, हो झगड़ा तो पुलिस बुलाएं।

इसी के साथ कमिश्नरेट पुलिस छोटी बड़ी हर घटना का सटीक खुलासा करते हुए अपराधियों को जेल आदि भेजने के रूप में भी लगातार सक्रिय है।

अवगत कराते चलें कि देश प्रदेश के कर्तव्य निष्ठ और ईमानदार आईपीएस अधिकारियों में से एक यहां के जुझारू तेवरों वाले निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने यहां अपने अब तक के कार्यकाल में पड़ने वाले सभी त्योहार पर्वों को भी बहुत शांति पूर्ण और सकुशल तरीके से सम्पन्न कराकर अपनी विवेकशीलता, अपनी दूरदर्शिता, अपनी व्यवहार कुशलता और अपनी कर्मठता पूर्ण कुशल नेतृत्व क्षमता को भी प्रमाणित करते हुए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा पर खरा उतर कर भी दिखाया है।

यही नहीं कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा वाली पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार की निर्भीकता और उनकी निडरता ने हर तरह के सफेदपोश माफिया अपराधियों के खिलाफ भी जिस तरह की प्रभावी कार्रवाई की है ,वह भी भूतो ना भविष्यति यानी अभूतपूर्व है ,जिसका ज्वलंत उदाहरण है ,कानपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित रूपी अपराधी गिरोह का भंडाफोड़। यूपी के कानपुर में पत्रकारिता से अपराधियों के सफाए का भारत में किया गया यह सफल प्रयास विश्व पत्रकारिता के इतिहास में शायद पहला ही है ,जिसके लिए भूतो न भविष्यति की परिभाषा वाले कठोर परिश्रमी पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार का कार्यकाल सदैव याद रखा जाएगा।

अपराधियों के खिलाफ और पीड़ितों के हित में अपने कर्तव्य का पालन सदैव निष्ठा और ईमानदारी के साथ करने वाले पुलिस आयुक्त अखिल कुमार द्वारा यहां अपनी चुनौतीपूर्ण नियुक्ति के बाद से ही लगातार कठोर परिश्रम के साथ सभी घटनाओं के सटीक अनावरण और अब तक दर्जनों अपराधियों को लगातार जेल की हवा खिलाने वाली कर्तव्य के प्रति उनकी इसी प्रगाढ़ निष्ठा का प्रशंसनीय प्रदर्शन अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण के रूप में आम जनता में भारी राहत का भी कारण बनते हुए योगी आदित्य नाथ की अगुवाई वाली यूपी सरकार का इकबाल बुलंद करने में भी अग्रणी साबित हुआ है। इस बीच उन्होंने अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए होली और ईद के त्यौहार को शांति और सदभाव पूर्ण तरीके से भाईचारे के साथ मनाने की लोगों से जोरदार अपील भी की है।

लड्डू गोपाल के गुलाल से होली खेलेंगे बाबा, इस बार काशी और मथुरा का होगा मिलाप

वाराणसी , एजेंसी। होली के महापर्व पर पहली बार बाबा दरबार से लड्डू गोपाल के लिए उपहार भेजा जाएगा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से मथुरा में विराजमान लड्डू गोपाल के लिए भस्म, अबीर, गुलाल, चॉकलेट और वस्त्र भेजे जाएंगे। वहीं, मथुरा से बाबा विश्वनाथ के लिए रंगभरी एकादशी पर अबीर-गुलाल का भेंट आएगा। इसके लिए मंदिर न्यास और श्रीकृष्ण जन्मस्थली मथुरा के पदाधिकारियों से वार्ता हुई है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि होली पर श्री काशी विश्वनाथ धाम से श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा में लड्डू गोपाल के लिए उपहार भेजा जाएगा। वहीं, मथुरा से बाबा विश्वनाथ के लिए रंगभरी एकादशी से पहले अबीर, गुलाल और रंग आएगा। इसके लिए जन्मभूमि के सचिव सचिव कपिल शर्मा व सदस्य गोपेश्वर चतुर्वेदी से बृहस्पतिवार को वार्ता हुई। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से भी इसका प्रस्ताव व अनुरोध ई-मेल के जरिये भेजा गया है। रंगभरी एकादशी और होली पर दो तीर्थ स्थलों के बीच समन्वय की यह नई पहल की जा रही है। पौराणिक मान्यता के अनुसार रंगभरी एकादशी की कथा भगवान श्रीकृष्ण ने राधारानी को सुनाई थी।

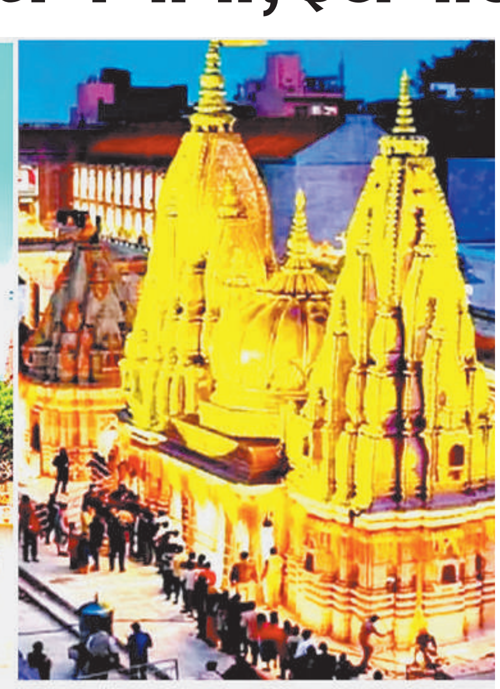

सीईओ ने दी खास जानकारी

सीईओ ने बताया कि श्रीकृष्ण और शिव भक्ति की दो प्रमुख सनातन धारा को जोड़ने वाला यह आयोजन सनातन धर्म की परंपराओं को और समृद्ध करेगा। मथुरा और काशी दोनों ही मोक्षदायिनी नगरी हैं और इन दो तीर्थस्थलों के बीच समन्वय और श्रद्धा का आदान-प्रदान एक अभिनव पहल है। इस वर्ष की रंगभरी एकादशी और होली पर्व में इसे सम्मिलित किया जाएगा। काशी विश्वनाथ धाम में भी रंगभरी एकादशी का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है, जो न केवल स्थानीय महत्व रखता है, बल्कि इसका वैश्विक महत्व भी है। उपहार आदान-प्रदान के साथ, दोनों धामों के भक्तों को विशेष रूप से भगवान लड्डू गोपाल के रूप में बाल स्वरूप के भगवान और बाबा विश्वनाथ से आशीर्वाद प्राप्त होगा।

फाल्गुन शुक्ल नवमी को गुलाल, पटुका, पिचकारी और गुजिया प्रसाद के साथ जाएगी यात्रा

बाबा काशी विश्वनाथ के लिए आठ मार्च को फाल्गुन शुक्ल नवमी पर भव्य यात्रा के साथ गुलाल व अन्य सामान मथुरा से वाराणसी भेजे जाएंगे। यात्रा को भव्य बनाने के लिए श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने तैयारी शुरू कर दी है।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि शनिवार को सुबह 10 बजे श्री राधाकृष्ण युगल सरकार के भाव से गुलाल, पटुका, पिचकारी और गुजिया प्रसाद के रूप में काशी विश्वनाथ धाम भेजी जाएगी।

यह यात्रा भगवान श्री केशवदेव, मां योगमाया, श्रीगर्भ गृह और भागवत भवन स्थित श्रीराधाकृष्ण मंदिर से होते हुए श्रीकृष्ण जन्मस्थान के मुख्यद्वार पर पहुंचेगी। यहां सुसज्जित वाहन में दिव्य होली प्रसाद को लेकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पूजाचार्य और जन्मस्थान से जुड़े भक्त काशी विश्वनाथ धाम जाएंगे।

इसी गुलाल से ही 10 मार्च को रंगभरी एकादशी के दिन बाबा विश्वनाथ होली खेलेंगे। सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि से काशी विश्वनाथ धाम की इस गुलाल यात्रा में भक्त, ब्रजवासी सम्मिलित होकर इस ऐतिहासिक पुनीत अवसर के साक्षी बन सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जांच एजेंसी बोली- रान्या राव राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा, कोर्ट ने DRI को 3 दिन की कस्टडी सौंपी

बेंगलुरू। बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14.2 किलो सोने के साथ पकड़ी गई कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को कोर्ट ने 3 दिन की डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यु इंटेलिजेंसी (DRI) कस्टडी में सौंप दिया है। यह आदेश जस्टिस विश्वनाथ सी. गौदर की अध्यक्षता वाली इकोनॉमिक ऑफेंस कोर्ट ने जारी किया। एक दिन पहले DRI ने कोर्ट को बताया था कि, रान्या देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। एजेंसी ने तर्क दिया कि उन्हें यह पता लगाना है कि सोना कहां से लाया गया पेमेंट कैसे हुआ, इसे छुपाने का तरीका क्या था और इसका इस्तेमाल कहां किया जाना था। रान्या कर्नाटक पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के DGP रामचंद्र राव की बेटी हैं। उन्हें गोल्ड स्मगलिंग के आरोप में 3 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने पहले उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अब वे DRI कस्टडी में हैं। रान्या के 45 देशों की यात्रा पर DRI को शक DRI के मुताबिक रान्या के पासपोर्ट रिकॉर्ड और उपलब्ध डेटा के अनुसार वह अब तक 27 बार दुबई जा चुकी हैं और कुल 45 देशों की यात्रा कर चुकी हैं। जांच एजेंसी का कहना है कि रान्या कोई नियमित नौकरी नहीं करतीं और उनके पास इतने फिल्म प्रोजेक्ट भी नहीं हैं जिससे इतनी बार विदेश यात्रा करने का कारण स्पष्ट हो सके। रान्या से मेरा कोई वास्ता नहीं- DGP रामचंद्र राव रान्या के गिरफ्तारी के बाद DGP रामचंद्र राव ने कहा- मेरा रान्या से कोई वास्ता नहीं है। मेरे करियर पर कोई काला धब्बा नहीं है। किसी भी अन्य पिता की तरह जब मीडिया के जरिए यह बात मुझे पता चली तो मैं हैरान हो गया। मुझे इनमें से किसी भी बात की जानकारी नहीं थी। मैं इससे अधिक कुछ नहीं कहना चाहता। रान्या अब हमारे साथ नहीं रह रही हैं। वे अपने पति के साथ अलग रह रही हैं।

मध्य प्रदेश में ठंड ने 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ा, हिमाचल प्रदेश में धूप खिली, तापमान बढ़ा

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के भोपाल और जबलपुर में मार्च की ठंड ने पिछले 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दोनों ही शहर में तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया। वहीं राजगढ़, उमरिया-खजुराहो समेत 13 शहरों में तापमान 6 से 9.8 डिग्री तक रहा। उधर, पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में 2 दिन से अच्छी धूप खिलने से राज्य के लोगों को ठंड से राहत मिली है। मंडी में सबसे ज्यादा 7.0 डिग्री तापमान बढ़ा है। हालांकि, बीते दिनों में हुई बारिश-बर्फबारी के बाद हुए लैंड स्लाइड की वजह से कई

सड़कें अभी भी बंद हैं। वहीं मौसम विभाग ने बताया कि कोंकण-गोवा, केरल, तटीय कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में गर्मी और उमस रहेगी। 9 मार्च को नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो सकता है। इस वजह से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में 9 से 12 मार्च तक, जबकि उत्तराखंड में 10 से 12 मार्च तक बारिश-बर्फबारी हो सकती है।

अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में 2 बीघा जमीन खरीदी, हरिवंशराय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट बनाएंगे

अयोध्या। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने रामनगरी अयोध्या में 2 बीघा (करीब 5,069 वर्ग मीटर) जमीन खरीदी है। इसकी कीमत 86 लाख रुपए से अधिक है। मुंबई बेस्ड डेवलपर 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' से हरिवंशराय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट के नाम पर जमीन खरीदी गई है। मुंबई के राजेश ऋषिकेश ने 31 जनवरी को सदर कार्यालय में रजिस्ट्री करवाई। चर्चा है कि अभिनेता जमीन पर हरिवंशराय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट बनाएंगे। अमिताभ बच्चन का यह प्लॉट तिहुरा मांझा में स्थित है, जहां से राम मंदिर की दूरी 7 किलोमीटर है। यानी उन्हें यहां से मंदिर पहुंचने में सिर्फ 15-20 मिनट लगेंगे। इससे पहले, 9 फरवरी 2024 को अमिताभ बच्चन रामलला के दर्शन करने पहुंचे थे। तब उन्होंने कहा था- अब अयोध्या आना-जाना लगा रहेगा। मैं हमेशा छोरा गंगा किनारे वाला हूं। लोढ़ा ग्रुप की कॉलोनी सरयू नदी के किनारे बस रही है, जिसका नाम 'द सरयू' रखा गया है। यह कॉलोनी करीब 51 एकड़

में फैली हुई है। 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। इसके बाद अमिताभ बच्चन का नाम जमीन खरीदने को लेकर पहली बार सामने आया था। तब अभिनंदन ग्रुप लोढ़ा के प्रतिनिधि ने बताया था कि सदी के सबसे बड़े नायक अमिताभ बच्चन भी कॉलोनी में जमीन लेंगे। उस वक्त अमिताभ के जमीन खरीदने की बात सुर्खियों में बनी रही। तब कहा गया था कि अमिताभ ने 10,000 वर्ग फीट जमीन ली है, जिसकी कीमत 14.5 करोड़ रुपए है। हालांकि, उन्होंने जमीन खरीदी थी या नहीं, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी। 22 जनवरी को रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में अमिताभ बच्चन बेटे अभिषेक बच्चन के साथ पहुंचे थे।

स्टालिन की अन्य राज्यों के मौजूदा-पूर्व CM को चिट्ठी, परिसीमन मुद्दे पर पहली मीटिंग में प्रतिनिधि भेजने को कहा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिने ने परिसीमन मामले में अन्य राज्यों के मौजूदा और पूर्व मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने 22 मार्च को होने वाली JAC की पहली बैठक में अपने प्रतिनिधि भेजने का अनुरोध किया है, ताकि परिसीमन मुद्दे पर साझा रणनीति बनाई जा सके। परिसीमन का विरोध करने के लिए स्टालिन ने कुछ दिन पहले तमिलनाडु में ऑल पार्टी मीटिंग की थी। बैठक में इस मुद्दे पर जॉइंट एक्शन कमेटी (JAC) बनाने का फैसला हुआ था। JAC परिसीमन में राज्यों का प्रतिनिधित्व बचाने और पूरी प्रक्रिया ईमानदारी से पूरी हो, इसके लिए काम करेगी। स्टालिन- परिसीमन से कम जनसंख्या वाले राज्यों को नुकसान चिट्ठी में स्टालिन ने चेतावनी दी है कि परिसीमन से तमिलनाडु जैसे कम जनसंख्या वाले राज्यों पर असर पड़ेगा। उन्होंने लिखा कि देश में 1952, 1963 और 1973 में परिसीमन हुआ था। 1976 में परिसीमन को साल 2000 के बाद होने वाली पहली जनगणना तक रोक दिया गया। वहीं, 2002 में परिसीमन पर 2026 तक रोक बढ़ा दी गई थी। 2021 की जनगणना में देरी के वजह से परिसीमन तय समय से पहले हो सकता है। इससे अपनी जनसंख्या नियंत्रित रखने वाले राज्य प्रभावित हो सकते हैं। स्टालिन ने दक्षिण में केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक, पूर्वी राज्यों में पश्चिम बंगाल और ओडिशा और उत्तर में पंजाब से JAC में शामिल होने के लिए उनकी औपचारिक सहमति मांगी है।

भारत-पाक रेलवे ट्रैक पर मिला हैंड ग्रेनेड, खस्ता हालत में किया रिकवर

अमृतसर। इंटरनेशनल बॉर्डर के पास भारत से पाकिस्तान जाने वाली रेलवे ट्रैक के करीब हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया है। ये ग्रेनेड अटारी रेलवे स्टेशन के पास मिला। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। वहीं, पुलिस ने फिलहाल बम को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि 2019 के बाद से पाकिस्तान जाने वाली समझौता ट्रेन का आना-जाना बंद है। यह ग्रेनेड सीमा से लगे गांव रोडावाली के पास मिला है। इस जगह से पाकिस्तान सीमा कुछ ही दूरी पर है। शुरुआती जांच में बात सामने आई है कि जब्त किया गया हैंड ग्रेनेड काफी पुराना है, लेकिन इसकी सही स्थिति और खतरे के स्तर की जांच की जा रही है। ग्रेनेड मिलने के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। देखा जा रहा है कि ये बम कितना पुराना है और यहां पहुंचा कैसे है। गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापार बंद होने के बाद यह रेलवे ट्रैक लंबे समय से बंद पड़ा है। ऐसे में इस इलाके में ग्रेनेड की मौजूदगी चिंता का विषय बन गई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां यह जांच कर रही हैं कि यह ग्रेनेड यहां कैसे आया और किस उद्देश्य से छोड़ा गया। ये तभी स्पष्ट हो पाएगा, जब इस हैंड ग्रेनेड की मेकिंग और साल का पता चलेगा। इस घटना के बाद रेलवे ट्रैक और आसपास के क्षेत्र की पूरी जांच की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां और कोई संदिग्ध वस्तु तो नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट का धारावी प्रोजेक्ट पर रोक से इनकार

कहा- वहां काम चालू है, UAE बेस्ड कंपनी की मांग- अडाणी का टेंडर रद्द हो

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट (DRP) के लिए चल रहे निर्माण कार्य पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। साथ ही बॉम्बे हाईकोर्ट के अडाणी ग्रुप के पक्ष में दिए फैसले को पलटने से भी मना कर दिया। दुबई की कंपनी सेक्लिंक टेक्नोलॉजीज कॉर्प ने इस प्रोजेक्ट को अडानी ग्रुप को देने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। इसी के बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सेक्लिंक ने अडाणी का टेंडर रद्द करने की मांग की है। धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट एशिया का सबसे बड़ा शहरी पुनर्वास कार्यक्रम माना जा रहा है।

क्या है मामला: दरअसल मुंबई के धारावी को रिडेवलप करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने 2019 में टेंडर जारी किया था।

सेक्लिंक ने 7,200 करोड़ रुपये की बोली लगाकर प्रोजेक्ट अपने पास रखा। इसके बाद राज्य सरकार ने 2019 और 2022 के बीच आर्थिक स्थितियों में हुए बदलावों का हवाला देते हुए टेंडर रद्द कर दिया। सेक्लिंक की 2019 की बोली भी कैंसिल कर दी गई। 2022 में एक नया टेंडर जारी हुआ, इस बार प्रोजेक्ट अडाणी ग्रुप को मिला। सेक्लिंक ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की। दिसंबर 2024 में, बॉम्बे हाई कोर्ट ने सेक्लिंक की 2019 की बोली को रद्द करने और 2022 में एक नया टेंडर जारी करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले को बरकरार रखा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- पहले से तय सभी शर्तों को मानना होगा: बेंच ने सेक्लिंक से कहा है कि उसकी 8,640 करोड़ रुपये की बोली अडानी की 5,069 करोड़ रुपये की बोली से काफी ज्यादा है। धारावी प्रोजेक्ट के लिए मूल रूप से 7,200 करोड़ रुपए की बोली लगाने वाली सेक्लिंक टेक्नोलॉजीज ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि वह अपनी बोली में 20% का इजाफा करने को तैयार है।

बेंच ने सेकलिंक को अपनी संशोधित बोली की डिटेल देते हुए हलफनामा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अडानी ग्रुप को एक अलग बैंक खाता रखने का निर्देश दिया है। इस खाते में प्रोजेक्ट से जुड़े सभी लेन-देन होंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि निर्माण और तोड़फोड़ का काम शुरू हो चुका है। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और अडाणी प्रॉपर्टीज को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 25 मई को होगी।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव टल सकता है

एजेंसी, नई दिल्ली

बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव की धीमी गति और 21-23 मार्च तक बेंगलुरु में होने वाली आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के चलते यह प्रक्रिया अप्रैल तक टल सकती है। इससे पहले अटकलें लगाई जा रही थीं कि 14 मार्च (होली) के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का ऐलान हो सकता है। राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में देरी आधे से ज्यादा राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव में देरी। जरूरी है, लेकिन अब तक सिर्फ 12 राज्यों में ही यह प्रक्रिया पूरी हो सकी है।

चुनाव संपन्न कराने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक भेजने और तारीख तय करने में ही 10-12 दिन लग सकते हैं। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया चलेगी, जिसमें करीब 12-15 दिन का समय लगेगा। आरएसएस की बैठक में देरी से 24 मार्च तक अंतिम फैसला संभव बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव में देरी का एक कारण आरएसएस की बैठक भी है। बेंगलुरु में होने वाली इस बैठक में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और

♦ प्रदेश अध्यक्ष चुनाव और RSS की बैठक के चलते देरी, अप्रैल में ऐलान संभव

संगठन महासचिव बीएल संतोष समेत 1500 से ज्यादा प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। आरएसएस के वरिष्ठ अधिकारी 17 से 24 मार्च तक बेंगलुरु में रहेंगे, जिसके चलते बीजेपी नेतृत्व को नए अध्यक्ष पर अंतिम निर्णय लेने के लिए 24 मार्च तक इंतजार करना पड़ सकता है। हिंदू नववर्ष के पहले महीने यानि अप्रैल में ऐलान पर विचार बीजेपी नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को हिंदू अस्मिता से जोड़ना चाहती है। इसलिए माना जा रहा है कि 30 मार्च से शुरू हो रहे हिंदू नववर्ष के बाद घोषणा हो सकती है। ऐसे में पार्टी अध्यक्ष के चुनाव को जनवरी के बजाय हिंदू नववर्ष के पहले महीने यानि अप्रैल में कराने पर विचार कर रही है।

दिल्ली में आज से महिलाओं को मिलेंगे 2500

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में बीजेपी सरकार 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला समृद्धि योजना का शुरू करने जा रही है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए दिए जाएंगे। योजना का लाभ उन महिलाओं को मिलेगा जिनकी सलाना आय 3 लाख रुपए से कम है और जो टैक्स नहीं देतीं। योजना का लाभ 18 से 60 साल तक की महिलाओं को मिलेगा जो सरकारी नौकरी नहीं करतीं और जिनको अन्य सरकारी वित्तीय सहायता नहीं मिल रही है। रजिस्ट्रेशन के लिए 8 मार्च को लॉन्च होगा स्पेशल पोर्टल: महिला समृद्धि योजना का लाभ उठाने के लिए महिलाओं को ई-रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए सरकार 8 मार्च को एक स्पेशल पोर्टल और मोबाइल ऐप लॉन्च करेगी जहां महिलाएं अपने जरूरी दस्तावेज, जैसे वोटर कार्ड, बीपीएल कार्ड, आधार कार्ड और आय प्रमाण पत्र जमा करके आवेदन कर सकेंगी। लगभग 20 लाख महिलाएं को मिलेगा योजना का लाभ: दिल्ली में 72 लाख महिला मतदाता हैं। अनुमान है कि करीब 20 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलगा। इसमें से करीब 50 प्रतिशत महिलाएं मतदाता हैं। सरकार महिला लाभार्थियों की पहचान के लिए अलग-अलग विभागों से डेटा एकत्र कर रही है। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में लॉन्च होगी योजना: महिला समृद्धि योजना की शुरुआत के लिए जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें करीब 5 हजार महिलाओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

इजराइल ने वेस्ट बैंक से 10 भारतीय मजदूरों को छुड़ाया एक महीने से फिलिस्तीनियों ने बंधक बना रखा था

एजेंसी, तेल अवीव

इजराइली अधिकारियों ने वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों की कैद से 10 भारतीय मजदूरों को छुड़ा लिया। सभी को इजराइल लाया गया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक, फिलिस्तीनियों ने इन भारतीयों को मजदूरी के काम का झांसा देकर इजराइल से वेस्ट बैंक के अल-जायम गांव में बुलाया था। इसके बाद उन्हें बंधक बनाकर सभी के पासपोर्ट जब्त कर लिए थे। फिलिस्तीनी इन पासपोर्ट का इस्तेमाल कर अवैध रूप से इजराइल में घुसने की कोशिश कर कर रहे थे। इजराइली अधिकारियों ने 6 मार्च की रात वेस्ट बैंक में एक ऑपरेशन चलाकर इन सभी बंधकों को छुड़ाया। इजराइल में भारत के दूतावास ने इसकी जानकारी दी है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। भारतीय दूतावास इजराइली

अधिकारियों के संपर्क में हैं।

2024 से 16 हजार भारतीय मजदूर इजराइल पहुंचे: टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, पिछले साल से अब तक करीब 16 हजार भारतीय मजदूर इजराइल पहुंचे हैं। मई 2023 में इजराइल और भारत के बीच एक श्रम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इस समझौते के तहत 42,000 भारतीय मजदूरों को इजराइल में रोजगार दिया जाना था। दिसंबर 2023 में, जंग पर चर्चा के दौरान, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारतीय

पासपोर्ट भी जब्त कर लिए थे

मजदूरों को इजराइल भेजने की प्रक्रिया को तेज करने पर सहमति जताई। भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक इजराइल में श्रमिक लोहे की बाइंडिंग, फ्लोर-टाइल्स सेटिंग, प्लास्टरिंग और कारपेंटर जैसे काम करते हैं। इन्हें भारत के मुकाबले 5 गुना ज्यादा सैलरी मिलती है। इजराइल सरकार की एजेंसी Population and Immigration Authority ने भारत से जाने वाले वर्कर्स के लिए सैलरी स्ट्रक्चर जारी किया था। इसके मुताबिक, उन्हें हर महीने 1.37 लाख रुपए सैलरी दी जाएगी। भारत से उन्हीं कामगारों को इजराइल भेजा जाएगा, जिनके पास मैकेनिकल या फिर कंस्ट्रक्शन ट्रेड में डिप्लोमा है।

चन्नी ने CM मान को शराबी बताकर घेरा

एजेंसी, जालंधर

पंजाब के पूर्व सीएम और जालंधर लोकसभा सीट से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने आज जालंधर में एक प्रेसवार्ता की और आम आदमी पार्टी की सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। सांसद चन्नी ने कहा- शराबियों से एक बच्चा नहीं संभलता, वो पंजाब कैसे संभालेंगे। राज्य को चलाने के लिए खुद की विल पावर चाहिए, जोकि आम आदमी पार्टी के पास नहीं है। सांसद चन्नी ने शहर में पानी की समस्या सहित लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधा। जालंधर में दिशा कमेटी की मीटिंग के बाद पूर्व सीएम चन्नी ने उक्त प्रेसवार्ता की थी। जिसमें उन्होंने बताया कि जालंधर के कई विभागों के अधिकारियों के साथ उनकी ये बैठक हुई और शहर के कई मुद्दों पर उन्होंने अधिकारियों के साथ चर्चा की।

सांसद बोले- CM का मसला हल करने के बजाय खुद ही लड़ पड़े: जालंधर लोकसभा सीट से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा- मुख्यमंत्री का काम होता है, झगड़ा खत्म करना और किसानों का मसला हल करना। मगर

मुख्यमंत्री ने खुद ही किसानों के साथ लड़ाई कर ली। ऐसे में कैसे सरकार चलाई जाएगी। चन्नी ने आरोप लगाया कि मेरे साथ दीपक आए हैं, उनकी किसी के साथ बहस हुई थी। मगर उन पर बहस करने के बाद ही हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर दिया गया। ये एफआईआर राजनीतिक दबाव के चलते की गई है। पुलिस द्वारा झूठे केस बना कर विरोधी पार्टी के लोगों को फंसाया जाता है।

चन्नी ने कहा- सीएम की शह पर हो रही माइनिंग: चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा- पंजाब का लॉ एंड ऑर्डर खत्म हो चुका है। मुझे खुद को फिरौती के लिए कॉल आ चुका है। हमारे बच्चे नशों के साथ मर रहे हैं। मगर पंजाब के सीएम इस पर कोई बात नहीं कर रहे हैं। पंजाब में सीएम भगवंत सिंह मान की शह पर अवैध

♦ कहा- 4 बजते ही शुरू होती है शराब, काम कब होंगे, पंजाब में रेवेन्यू सुधार की प्लानिंग नहीं

रूप से माइनिंग हो रही है। किसी भी जगह पर माइनिंग का ठेका नहीं दिया गया है। ये सब कुछ सीएम मान के शह पर हो रहा है। इस पर सरकार को जवाब देना चाहिए। इस आम आदमी पार्टी की सरकार और पुलिस एक साथ मिलकर विरोधी पार्टी के लोगों को टारगेट कर रहे हैं।

चन्नी बोले- राजस्व स्थिति को सुधारने के लिए कोई प्लानिंग नहीं: जालंधर लोकसभा सीट से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने आगे कहा- आम आदमी पार्टी के नेता धक्केशाही करके नगर निगम में अपना मेयर बना लिया। आदमपुर में आज किसी तरह कोई सड़क नहीं बनी हुई है। शहर का भी यही हाल है। सरकार को सही ढंग से चलाने का तरीका ही नहीं है। जिससे सरकार पंजाब की राजस्व स्थिति को ठीक कर सके। सरकार के पास इस पर कोई प्लानिंग नहीं है। शाम चार बजते ही शराब शुरू हो जाती है, काम किस वक्त होगा।

आतंकी तहव्वुर राणा की अर्जी फिर खारिज

एजेंसी, वॉशिंगटन

2008 मुंबई हमलों के दोषी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की याचिका अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को खारिज कर दी। तहव्वुर ने भारत आने से बचने के लिए याचिका दायर की थी। इसमें उसने कहा था कि पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम होने की वजह से उसे भारत में प्रताड़ित किया जाएगा। राणा ने याचिका में कहा था कि वह कई बीमारियों से पीड़ित है, अगर उसका प्रत्यर्पण नहीं रोका गया तो वह भारत में सर्वाइव नहीं कर पाएगा। इसलिए उसके प्रत्यर्पण पर इमरजेंसी स्टे लगाया जाए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की जज एलेना कगान ने यह दलील नहीं मानी और याचिका खारिज कर दी। तहव्वुर राणा को 2009 में FBI ने गिरफ्तार किया था। राणा को अमेरिका में लश्कर-ए-तैयबा

अमेरिकी कोर्ट में प्रत्यर्पण रोकने की मांग की थी, कहा- पाकिस्तानी मुस्लिम हूं, भारत गया तो मारा जाऊंगा

का समर्थन करने के लिए दोषी ठहराया गया था। फिलहाल वह लॉस एंजिल्स के एक हिरासत केंद्र में बंद हैं। 13 नवंबर 2024 को राणा ने निचली अदालत के प्रत्यर्पण के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जिसे 21 जनवरी को खारिज कर दिया गया था।

तुगलक रोड का नाम बदलने की अटकलें

BJP सांसदों ने नेम प्लेट पर विवेकानंद मार्ग लिखा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में एक बार फिर सड़कों के नाम बदलने को लेकर विवाद खड़ा हो चुका है। BJP सांसद दिनेश शर्मा और केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के सरकारी आवास के बाहर 'तुगलक लेन' की जगह 'विवेकानंद मार्ग' लिखा गया है। हालांकि, अभी आधिकारिक रूप से नाम नहीं बदला गया है। विपक्षी पार्टियां नाम बदलने को इतिहास से छेड़छाड़ बता रही हैं। वहीं BJP का कहना है कि मुगल शासकों के नाम हटाकर सड़कों को भारतीय महापुरुषों के नाम पर किया जाना चाहिए। 27 फरवरी को दिल्ली विधानसभा के सत्र में BJP विधायक नीलम पहलवान ने विधानसभा में नजफगढ़ का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने नजफगढ़ का नाम बदलकर नाहरगढ़

करने की मांग की। इस दौरान BJP विधायक का कहना था कि 1857 की लड़ाई में राजा नाहर सिंह ने लड़ाई लड़के नजफगढ़ क्षेत्र को दिल्ली के प्रांत में शामिल करवाया था। लेकिन कई कागजी कार्रवाई होने के बावजूद भी आजतक नाम नहीं बदला गया। वहीं दक्षिणी दिल्ली के आरके पुरम से BJP विधायक अनिल शर्मा ने भी गांव मोहम्मदपुर का नाम बदलने की मांग की। इससे पहले विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने मुस्तफाबाद का नाम बदलकर 'शिवपुरी' या 'शिव विहार' करने की मांग की थी।

राहुल गांधी का गुजरात दौरा, कांग्रेस ऑफिस में मीटिंग की, नेताओं से लेकर वार्ड अध्यक्षों के साथ 5 बैठकें करेंगे

एजेंसी, अहमदाबाद

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस लीडर राहुल गांधी दो दिन के दौरे पर गुजरात पहुंचे। वे 7 और 8 मार्च को यहां रहेंगे। स्थानीय नेताओं ने एयरपोर्ट पर राहुल का स्वागत किया। वे एयरपोर्ट से सीधे कांग्रेस ऑफिस पहुंचे।

यहां उन्होंने गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इसमें संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, गुजरात के प्रभारी व महासचिव मुकुल वाशनिक और प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल शामिल रहे। राहुल शुक्रवार को नेताओं से लेकर वार्ड अध्यक्षों के साथ 9 घंटे में 5 बैठकें करेंगे। गुजरात में 64 साल बाद कांग्रेस का अधिवेशन वहीं, 8 और 9 मार्च को गुजरात में कांग्रेस का

भी महाधिवेशन हो रहा है। आखिरी बार कांग्रेस का अधिवेशन भावनगर में 1961 में हुआ था। इस तरह गुजरात में 64 साल बाद कांग्रेस का अधिवेशन होने जा रहा है। इसलिए अधिवेशन से पहले राहुल गांधी 7 और 8 मार्च को गुजरात कांग्रेस की संगठनात्मक तैयारी की समीक्षा करेंगे। बीते गुजरात चुनावों में शर्मनाक रहा था कांग्रेस का प्रदर्शन गुजरात विधानसभा के बीते दो चुनावों की बात करते हैं। साल 2017 में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने भाजपा को प्रदेश में कड़ी टक्कर दी थी।

हालांकि, 2022 चुनाव में आम आदमी पार्टी के चुनाव लड़ने की वजह से पार्टी के वोट कट गए। 2022 विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 182 में से 156 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि कांग्रेस सिर्फ 17 सीटों पर सिमट गई और पहली बार चुनाव लड़ रही आम आदमी पार्टी से 13 प्रतिशत वोट शेयर भी खो दिया था। वहीं, 2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मिलकर चुनाव लड़ा। बावजूद इसके पार्टी 26 में से सिर्फ एक ही सीट अपने नाम कर पाई। 2019 और 2014 में तो पार्टी का खाता भी नहीं खुला पाया था।

सुनील छेत्री ने संन्यास तोड़कर की राष्ट्रीय टीम में वापसी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के सर्वकालिक शीर्ष गोलस्कोरर और पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास तोड़ते हुए मार्च में होने वाली अंतरराष्ट्रीय विंडो में मालदीव और बांग्लादेश के खिलाफ खेलने का फैसला किया है। 40 वर्षीय छेत्री ने पिछले साल जून में फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर में कुवैत के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी। 94 अंतरराष्ट्रीय गोलों के साथ, वह पुरुष फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर हैं, उनसे ऊपर केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और अली डेई हैं। हालांकि, उन्होंने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में बेंगलुरु एफसी के लिए खेलना जारी रखा और 12 गोल दागकर इस सीजन में लीग के शीर्ष भारतीय गोलस्कोरर बने। उन्होंने बेंगलुरु एफसी के लिए 23 मैच खेले हैं, जिनमें से 17 में वह शुरुआती एकादश में थे और कुल 14 गोलों में योगदान दिया, जिसमें दो असिस्ट शामिल हैं। गोल्डन बूट की दौड़ में दूसरे स्थान पर काबिज छेत्री ने बेंगलुरु एफसी को प्लेऑफ में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि पिछले सीजन में टीम तीसरे स्थान से नीचे रही थी।

संन्यास के बाद छेत्री ने स्पष्ट किया था, "संन्यास का निर्णय शारीरिक कारणों से नहीं था। मैं अब भी फिट हूं, दौड़ रहा हूं, बचाव कर रहा हूं और कड़ी मेहनत कर रहा हूं। यह निर्णय मानसिक पहलुओं से जुड़ा था।" भारत को एएफसी एशियन कप 2027 क्वालिफायर में बांग्लादेश, हांगकांग (चीन) और सिंगापुर के साथ समूह में रखा गया है। भारत इस महीने 19 मार्च को शिलांग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मालदीव के खिलाफ दोस्ताना मैच के साथ अपना अभियान शुरू करेगा, इसके बाद तीसरे दौर के क्वालिफायर में बांग्लादेश का सामना करेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने गुरुवार को एक बयान में कहा, "एशियन कप के लिए क्वालीफाई करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। टूर्नामेंट और आगामी मैचों के महत्व को देखते हुए, मैंने सुनील छेत्री से वापसी को लेकर चर्चा की। उन्होंने सहमति जताई, और इसलिए हमने उन्हें टीम में शामिल किया है।" पिछले एशियन कप में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां टीम ग्रुप स्टेज में तीनों मुकाबले हारकर बाहर हो गई थी। अब जब छेत्री टीम में वापस आ गए हैं और अपनी तीसरी एशियन कप उपस्थिति की उम्मीद कर रहे हैं, यह देखना दिलचस्प होगा कि कोच मार्केज़ उन्हें पारंपरिक नंबर 9 के रूप में खिलाते हैं या प्रभावशाली विकल्प के रूप में उपयोग करते हैं।

भारतीय टीम इस प्रकार है: गोलकीपरः अमरिंदर सिंह, गुरुमीत सिंह, विशाल कैथ।

डिफेंडरः आशीष राय, बोरिस सिंह थांगजाम, चिंगलेनसाना सिंह कोनशाम, हिंगथनमाविया, मेहताब सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह, संदेश झिंगन, सुभाशीष बोस।

मिडफील्डरः आशिक कुरुनियन, आयुष देव छेत्री, ब्रैंडन फर्नांडिस, ब्रिसन फर्नांडिस, जेकसन सिंह थौनाओजम, लालेंगमाविया, लिस्टन कोलाको, महेश सिंह नाओरेम, सुरेश सिंह वांगजम।

फॉरवर्डः सुनील छेत्री, फारुख चौधरी, इरफान यदवद, लालियानजुआला चांगटे, मनवीर सिंह।

बेन स्टोक्स को वनडे कप्तानी सौंपने पर विचार कर रहा इंग्लैंडः रॉब की

एजेंसी, लंदन।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की का मानना है कि बेन स्टोक्स को वनडे कप्तानी सौंपने पर विचार न करना मूर्खता होगी। 2019 वर्ल्ड कप चैंपियन इंग्लैंड एक और खराब आईसीसी टूर्नामेंट से गुजर रहा है, जहां टीम 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण में एक भी मैच जीते बिना बाहर हो गई। इसके बाद कप्तान जोस बटलर ने पद छोड़ दिया, जिससे अब इंग्लैंड क्रिकेट प्रबंधन के सामने टीम के भविष्य को संवारने के लिए अहम फैसला लेने की चुनौती है। स्टोक्स, जो 33 साल के हैं, इंग्लैंड क्रिकेट में एक प्रेरणादायक खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने उन टीमों का हिस्सा बनकर बड़ी भूमिका निभाई, जिन्होंने एक समय पर दोनों व्हाइट-बॉल वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किए थे। हालांकि, उन्होंने 2023 वर्ल्ड कप के बाद वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के संकेत दिए थे, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण यह संभव नहीं हो सका। रॉब की ने गुरुवार को एक बयान में कहा, "बेन स्टोक्स सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक हैं, जिन्हें मैंने देखा है। इसलिए उन्हें नजरअंदाज करना गलत होगा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि इससे क्या असर पड़ेगा। हम हर एक विकल्प पर विचार कर रहे हैं और देख रहे हैं कि कौन-सा फैसला सबसे सही रहेगा।" उन्होंने आगे कहा, "स्टोक्स एक शानदार रणनीतिकार हैं, जैसा कि हमने टेस्ट क्रिकेट में देखा है, लेकिन वह लोगों को प्रेरित करने वाले लीडर भी हैं। जब दबाव ज्यादा होता है, तो वह टीम को संभालते हैं और सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। यही लक्षण एक अच्छे कप्तान में होने चाहिए। लेकिन हमें उनके वर्कलोड पर भी ध्यान देना होगा, ताकि किसी अन्य प्रारूप में उनकी उपलब्धता प्रभावित न हो।" स्टोक्स ने बतौर टेस्ट कप्तान ब्रेंडन मैकुलम के साथ सफल साझेदारी बनाई है। मैकुलम को इस साल इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल फॉर्मेट का कोच नियुक्त किया गया था, लेकिन उनकी अगुवाई में इंग्लैंड को अब तक सीमित ओवरों के 11 मैचों में से 10 में हार का सामना करना पड़ा है। रॉब की ने कहा कि टेस्ट और वनडे क्रिकेट की समानता को देखते हुए स्टोक्स और मैकुलम की जोड़ी वनडे फॉर्मेट में भी फायदेमंद साबित हो सकती है। उन्होंने भारत के उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि वहां टी20 विशेषज्ञों का दबदबा है, लेकिन वनडे टीम की रीढ़ टेस्ट खिलाड़ी ही हैं। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि टेस्ट और वनडे क्रिकेट अब ज्यादा करीब आ चुके हैं, जबकि टी20 अब एक अलग प्रारूप की तरह हो गया है। भारत में भी टी20 क्रिकेट में नए खिलाड़ी आ रहे हैं, लेकिन वनडे में टेस्ट खिलाड़ी ही टीम की ताकत हैं।"

जिला स्तरीय जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

एजेंसी, मुरादाबाद

खेल निदेशालय उप्र लखनऊ के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय, मुरादाबाद द्वारा जिला स्तरीय जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ अजय पाठक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया।

प्रभारी क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी प्रदीप कुमार सक्सेना ने प्रतियोगिता परिणाम की घोषणा करते हुए बताया कि 57 किग्रा प्रथम स्थान पर अभिषेक राजपूत, द्वितीय ऋतिक राजपूत, तृतीय यश व सूरज, 61 किग्रा में प्रथम हनी, द्वितीय रोहित, तृतीय अरूण, तृतीय रवि, 65 किग्रा प्रथम श्रेय वर्मा, द्वितीय रिंकू, तृतीय लव, तृतीय सुमित रहे। 70 किग्रा में प्रथम संजय दत्त, द्वितीय कृष्ण कुमार, तृतीय ओमवीर, तृतीय दुर्गेश, 74 किग्रा प्रथम शिवम चाहल, द्वितीय विनीत, तृतीय समीर, तृतीय स्थान पर राहुल रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक करतार पहलवान, आनन्द राघव, सुनील चौधरी, मुस्कान, दीपक, गोविन्द कुमार यादव, अभी, दिलीप गुप्ता आदि रहे। इस अवसर पर पवन सिसौदिया सचिव जिला कुश्ती संघ, अंकित अग्रवाल लेखाकार, सचिन विश्नोई फुटबाल प्रशिक्षक, ललिता चौहान व आसिफ सिद्दीकी बैडमिन्टन प्रशिक्षक, नरेश पाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

पहले ही मैच में गोल दागकर चमकी साक्षी राणा, बोलीं- लक्ष्य था डेब्यू मैच में स्कोर करना

एजेंसी, नई दिल्ली

महज 17 साल की उम्र में भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाने वाली साक्षी राणा ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेले गए इस टूर्नामेंट में साक्षी ने अपने सीनियर इंटरनेशनल करियर का आगाज किया और पहले ही मैच में स्पेन के खिलाफ बेहतरीन फील्ड गोल दागकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। पहले ही मैच में मिले मौके को साक्षी ने पूरी तरह भुनाया, हालांकि भारतीय टीम को इस मुकाबले में 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने स्पेन और जर्मनी के खिलाफ भी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया।

डेब्यू का बेसब्री से इंतजार था साक्षी : अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय सीनियर प्रतियोगिता के अनुभव को साझा करते हुए साक्षी ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "मैं लंबे समय से अपने डेब्यू का इंतजार कर रही थी, इसलिए यह दिन मेरे लिए बेहद खास था। मुझे ज्यादा घबराहट नहीं हुई क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मुझे पूरा समर्थन दिया और कहा कि पहले मैच में कोई गलती नहीं होती, बस खुलकर खेलना है।"

साक्षी का यह गोल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा का शानदार उदाहरण था। उन्होंने विपक्षी टीम पर आक्रामक प्रेसिंग की, सही समय पर टैकल कर गेंद छीनी और फिर बैकहैंड शॉट मारते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस खास लम्हे को याद करते हुए साक्षी ने कहा, "मेरा लक्ष्य था कि डेब्यू मैच में ही स्कोर करूं, इसलिए मैं पूरी तरह से तैयार थी। जब मैंने गेंद छीनी और देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है, तो मैंने तुरंत शॉट मारा। जैसे ही गोल हुआ, स्टेडियम में शोर गूंज उठा और मुझे अहसास हुआ कि मैंने गोल कर दिया है। यह मेरे लिए अविस्मरणीय क्षण था।"

कोच हरेंद्र सिंह ने दिखाया भरोसा : टीम चयन के दौरान साक्षी को शुरुआत में स्टैंडबाय सूची में रखा गया था, लेकिन मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने उनके हुनर और मेहनत को पहचानते हुए उन्हें अंतिम टीम में शामिल कर लिया। इस पर साक्षी ने कहा, "जब उन्होंने (हरेंद्र सिंह) मुझे बताया कि मैं खेलने जा रही हूं, तो उन्होंने कहा कि वे मुझे नहीं, बल्कि मेरे खेल को चुन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे गोल करने का मौका मिलेगा और सीनियर खिलाड़ी मेरी मदद करेंगे। जब मैंने गोल किया, तो कोच ने मुझे गले लगाया, जो मेरे लिए बेहद खास पल था।"

अब लक्ष्य जूनियर वर्ल्ड कप जीतना : अपने प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल करने के बावजूद साक्षी को लगता है कि उन्हें अपनी गति पर और मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, "मैंने हाल ही में हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है और महसूस किया कि अब खेल पूरी तरह गति पर निर्भर करता है। खासकर, एक फॉरवर्ड खिलाड़ी होने के नाते मुझे और तेज होना होगा, इसलिए अब मैं अपनी स्पीड पर काम करूंगी।" साक्षी भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का अहम हिस्सा थीं, जिसने पिछले साल जूनियर एशिया कप में स्वर्ण पदक जीता था। अब उनकी नजरें इस साल चिली में होने वाले जूनियर वर्ल्ड कप पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, "मेरा पूरा फोकस जूनियर वर्ल्ड कप पर है और मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रही हूं। निरंतर अभ्यास और समर्पण के साथ, मेरा लक्ष्य भारत के लिए एक और पदक जीतने में योगदान देना है।"

इंडोनेशिया ने 2026 वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के लिए तीन फुटबॉलरों को नागरिकता प्रदान की

एजेंसी, जकार्ता

इंडोनेशियाई फुटबॉल संघ (पीएसएसआई) ने 2026 फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के तीसरे दौर से पहले राष्ट्रीय टीम को मजबूत करने के लिए तीन इंडोनेशियाई मूल के खिलाड़ियों को नागरिकता प्रदान की। संघ ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में इस बात की घोषणा की।

संघ के बयान के अनुसार, इंडोनेशियाई संसद ने गुरुवार को डीन रुबेन जेम्स, जोई मैथियस पेलुपेसी और एमिल ऑडेरो मुल्यादी की नागरिकता अनुरोध को मंजूरी दे दी। अगले चरण में, इन खिलाड़ियों के नागरिकता दस्तावेज राष्ट्रपति प्रबावो सुबियांतो को सौंपे जाएंगे, ताकि राष्ट्रपति की ओर से एक औपचारिक डिक्री जारी की जा सके, जो उन्हें इंडोनेशियाई नागरिक के रूप में शपथ लेने की अनुमति देगा। पीएसएसआई की कार्यकारी समिति के सदस्य आर्य सिनुलिंग्गा के अनुसार, राष्ट्रपति प्रबावो शुक्रवार (7 मार्च) को इस डिक्री पर हस्ताक्षर करेंगे। सिनुलिंग्गा ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा,"हमें सूचित किया गया है कि राष्ट्रपति कल (7 मार्च) को इस डिक्री पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसके बाद नागरिकता शपथ ग्रहण की प्रक्रिया को 10 मार्च से पहले पूरा कर लिया जाएगा," पीएसएसआई के अध्यक्ष एरिक तोहिर ने संसद को इस प्रक्रिया को मंजूरी देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि इन तीन खिलाड़ियों के टीम में शामिल होने से इंडोनेशियाई राष्ट्रीय टीम की ताकत बढ़ेगी।

महिला प्रीमियर लीगः मुंबई इंडियंस ने यूपी वारियर्स को छह विकेट से हराया

एजेंसी, लखनऊ

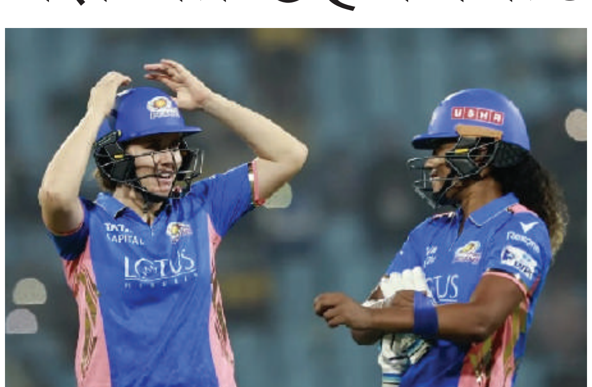

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के 16वें मैच में मुंबई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्स को छह विकेट से हरा दिया है। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्स ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए। टीम की ओर से जॉर्जिया वोल ने 33 गेंदों पर 55 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाज उनका साथ देने में असफल रहीं। मुंबई इंडियंस की गेंदबाजों ने सधी हुई गेंदबाजी का प्रदर्शन किया, जिससे यूपी वॉरियर्स बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। मुंबई के लिए अमिलिया केर ने पांच विकेट चटकाए, जबकि हेली मैथ्यूज को दो सफलता मिली। वहीं, नैट सीवर ब्रंट और परुनिका सिसोदिया ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 18.3 ओवर में 4 विकेट खोकर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज हीली मैथ्यूज ने 46 गेंदों पर 68 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिससे टीम को मजबूत शुरुआत मिली। उनकी इस पारी ने जीत की नींव रखी, जिसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने सफलतापूर्वक पूरा किया। नैट सिवर ने 37 रन की अहम पारी खेली। यूपी वारियर्स के लिए ग्रेस हैरिस ने दो विकेट अपने नाम किए. जबकि हैनरी और क्रांति गौड़ को एक-एक विकेट मिला। इस जीत के साथ, मुंबई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल 2025 की अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत की है, जबकि यूपी वॉरियर्स को अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

यूरोपा लीग : रियल सोसिदाद और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच ड्रॉ, एथलेटिक बिलबाओ को अंतिम क्षणों में मिली हार

एजेंसी, मैड्रिड

यूरोपा लीग के अंतिम-16 चरण के पहले चरण में रियल सोसिदाद और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। यह मैच गुरुवार को बास्क टीम के रेले एरिना स्टेडियम में खेला गया। मैच से पहले रियल सोसिदाद को झटका लगा जब स्पेनिश मिडफील्डर मार्टिन जुबिमेंडी बीमारी के कारण टीम से बाहर हो गए। उनकी अनुपस्थिति का असर टीम के खेल पर दिखा, क्योंकि यूनाइटेड ने पांच डिफेंडरों के साथ रक्षात्मक खेल अपनाया और काउंटर अटैक पर जोर दिया।

यूनाइटेड के लिए पहली कोशिश अलेजांद्रो गारनाचो ने की, लेकिन उनका शॉट सीधा गोलकीपर एलेक्स रेमिरो के हाथों में चला गया। दोनों टीमें रक्षात्मक रूप से मजबूत दिखीं, जिससे गोल के मौके कम बने। जोशुआ जिर्कज़ी यूनाइटेड के लिए एक अच्छा मौका बना सकते थे, लेकिन अरित्ज़ एलुस्तोंदो ने उनके लगातार दो शॉट ब्लॉक कर दिए। वहीं, रियल सोसिदाद की ओर से आंद्रे ओनाना को पहले हाफ में कोई भी शॉट रोकने की जरूरत नहीं पड़ी। दूसरे हाफ में पहला मौका गारनाचो को मिला, जिन्होंने फ्री-किक से अच्छा प्रयास किया, लेकिन गेंद पोस्ट के पास से बाहर चली गई। यूनाइटेड के लिए जोशुआ जिर्कज़ी ने ब्रूनो फर्नांडिस के पास पर शानदार लेफ्ट फुट शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, कुछ देर बाद फर्नांडिस के गैरजरूरी हैंडबॉल के कारण रियल सोसिदाद को पेनल्टी मिली, जिसे मिकेल ओयारजाबाल ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। रियल सोसिदाद के ब्राइस मेंडेज़ ने विजयी गोल करने की कोशिश की, लेकिन ओनाना ने उनके प्रयास को शानदार तरीके से बचा लिया। दूसरी ओर, एथलेटिक बिलबाओ को अपने पहले चरण के मुकाबले में अंतिम क्षणों में हार का सामना करना पड़ा। रोम में खेले गए इस मुकाबले में एथलेटिक बिलबाओ को इटालियन क्लब रोमा के खिलाफ 2-1 से हार झेलनी पड़ी। इनाकी विलियम्स ने 50वें मिनट में हेडर के जरिए एथलेटिक को बढ़त दिलाई, लेकिन छह मिनट बाद एंजेलिनो ने रोमा के लिए बराबरी का गोल किया। मैच के अंतिम क्षणों में बिलबाओ को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, क्योंकि डिफेंडर येराय अल्वारेज़ को दूसरा येलो कार्ड मिलने के कारण बाहर जाना पड़ा। अंतिम सेकंड में एल्डोर शोमुरोदोव ने गोल कर रोमा को 2-1 से जीत दिला दी, जिससे एथलेटिक बिलबाओ के लिए वापसी करना मुश्किल हो गया।

क्लारा जेटकिन जिन्होंने रखी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की नींव

क्लारा जेटकिन ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बुनियाद रखी. ऐसी बुनियाद जिसने दुनियाभर में महिलाओं के हक की लड़ाई को तेज किया. अपनी आवाज को उठाने के ताकत दी. नतीजा, महिलाएं अधिकारों के लिए मुखर होने लगीं. रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़ते हुए खुद को साबित करने लगीं. जानिए कैसे पड़ी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की नींव और कब तय हुआ कि यह खास दिन 8 मार्च को सेलिब्रेट किया जाएगा.

क्लारा जेटकिन. यह महिला कौन है? भले ही यह नाम आपको एक बार में याद न आ रहा हो, लेकिन इन्होंने जो किया वो इतिहास बन गया. जेटकिन ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बुनियाद रखी. ऐसी बुनियाद जिसने दुनियाभर में महिलाओं के हक की लड़ाई को तेज किया. अपनी आवाज को उठाने के ताकत दी. नतीजा, महिलाएं अधिकारों के लिए मुखर होने लगीं. रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़ते हुए खुद को साबित करने लगीं. हालांकि, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को ही मनाया जाएगा, ऐसा कुछ भी तय नहीं था. जानिए कैसे पड़ी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की नींव और कब तय हुआ कि यह खास दिन 8 मार्च को सेलिब्रेट किया जाएगा.

कैसे एक आंदोलन से पड़ी इस खास दिन की नींव?

इस खास दिन की नींव 116 साल पहले 1908 में पड़ी, जब न्यूयॉर्क शहर में 15 हजार महिलाओं ने परेड निकाली. महिलाओं की मांग थी कि उनके लिए काम के घंटे कम हों. सैलरी में सुधार हो. महिलाओं को भी मतदान करने का हक मिले.

इस आंदोलन के एक साल बाद 1909 में अमेरिका की सोशलिस्ट पार्टी ने एक दिन महिलाओं के नाम समर्पित करने का फैसला लिया. पहला राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की घोषणा की. इस खास दिन को अंतरराष्ट्रीय बनाया जाए, यह सोच क्लारा जेटकिन के दिमाग में पनपी.

जेटकिन ऐसी सामाजिक कार्यकर्ता थीं, जो हमेशा महिलाओं के मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाती थीं. 1910 से डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगेन में कामकाजी महिलाओं के लिए आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जेटकिन ने सुझाव दिया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत होनी चाहिए. उस सम्मेलन में 17 देशों की 100 महिलाएं पहुंची थीं. वो सभी जेटकिन के सुझाव पर सहमत हो गईं. महिलाओं के आंदोलनों का असर भी दिखा था. 1917 में रूसी महिलाओं ने 'रोटी और शांति की मांग करते हुए, जार की हुकूमत के खिलाफ हड़ताल की. इस हड़ताल ने दुनियाभर का ध्यान अपनी ओर खींचा था. ऐसा दबाव बना किजार निकोलस द्वितीय को गद्दी छोड़नी पड़ी थी. इसके बाद बनी अस्थायी सरकार ने महिलाओं को वोट डालने का अधिकार दिया. यह महिलाओं की बहुत बड़ी जीत थी.

जब पहली बार मना अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

जेटकिन की मुहिम रंग लगाई. 1911 में पहली बार जर्मनी, ऑस्ट्रिया, स्विटजरलैंड में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया. हालांकि इसे औपचारिक मान्यता 1955 में तब मिली जब संयुक्त राष्ट्र ने इसे मनाना शुरू किया. 1996 में पहली बार इसके लिए थीम तैयार की गई. इसके बाद हर साल इस खास दिन के लिए थीम रखी जाने लगी. इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम है- महिलाओं में निवेश करें - प्रगति में तेजी लाएं. जेटकिन ने जब महिलाओं के सामने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की बात रखी तो उस समय किसी खास तारीख का जिक्र नहीं किया गया था. शुरुआती दौर में इसे फरवरी के पहले रविवार को मनाने की परंपरा शुरू की गई. हालांकि बाद में संयुक्त राष्ट्र ने इसके लिए 8 मार्च की तारीख तय की. इसके बाद से यही तारीख अंतरराष्ट्रीय महिला के दिवस तौर पर दुनियाभर में सेलिब्रेट की जा रही है.

नारी कितना बदले और क्यों?

सदियों से नारी को एक वस्तु तथा पुरुष की संपत्ति समझा जाता रहा है। पुरुष नारी को पीट सकता है, उसके मनोबल को तोड़कर रख सकता है, साथ ही उसकी जान भी ले सकता है। मानो कि उसे नारी के साथ यह सब करने का अघोषित अधिकार मिला हुआ है। मगर यह भी सच है कि अनेक नारियों ने हर प्रकार की विपरीत और कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना करते हुए उन पर विजय प्राप्त की और इतिहास में अपना नाम अमर कर दिया। आज की बदली हुई परिस्थितियों में नारियां स्वयं को बदलने और पुरुष-प्रधान समाज द्वारा रचित बेड़ियों से स्वयं को आजाद करवाने हेतु कृतसंकल्प हैं। अब प्रश्न यह है कि नारी कितना बदले और क्यों?

आजादी के बाद 1950 में जब देश को संविधान मिला तो उसमें स्त्रियों को सुरक्षा, सम्मान और पुरुषों के समान अवसर व अधिकार मिले किंतु अशिक्षा, पुरातनवादी सोच तथा कमजोर सामाजिक ढांचे के कारण नारी जाति उन अवसरों और अधिकारों का पूर्ण रूप से लाभ न उठा पाई। अपने बचपन में वह पिता, जवानी में पति तथा वृद्धावस्था में पुत्र पर निर्भर रही। पति के घर में प्रवेश करने के बाद उसकी अर्थी ही बाहर निकलती रही। मगर आजाद भारत के इतिहास को नारियों की गौरव गाथा से रीता नहीं रहना था। इंदिरा गांधी 1966 में देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनीं। सुचेता कृपलानी यूपी की मुख्यमंत्री, किरण बेदी प्रथम महिला आईपीएस, कमलजीत संधू एशियन गेम्स में प्रथम गोल्ड पदकधारी, बेछेंद्री पाल एवरेस्ट पर प्रथम भारतीय महिला, मदर टेरेसा को नोबेल पुरस्कार, फातिमा बीबी प्रथम महिला जज सुप्रीम कोर्ट, मेधा पाटकर सामाजिक कार्यकर्ता जैसी अनेक महिलाओं ने पुरुषवादी समाज की सोच को धता बताते हुए अपनी बुद्धिमत्ता, नेतृत्व क्षमता और सामर्थ्य का परिचय दिया और इतिहास में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित करवा दिया।

बदलाव की बयार

स्वतंत्रता की रजत जयंती के बाद का समय विकास का स्वर्ग साबित हुआ। देश में कम्प्यूटर तथा अन्य टेक्नोलॉजी के विकास, टीवी युग का प्रादुर्भाव, आधारभूत संरचना के साथ बड़े उद्योगों की स्थापना ने देश में विकास के कीर्तिमानों की नई इबारत लिख दी। बॉलीवुड, फैशन और मनोरंजन की दुनिया में क्रांतिकारी परिवर्तन आया। नारियों तक इस नवविकास की बयार पहुंची और उनकी स्थिति

में काफी महत्वपूर्ण बदलाव आया।

आज नारियां पुरुषों से किन्हीं भी मायनों में कम और घर की चहारदीवारी में कैद नहीं हैं। वे उच्च शिक्षित हैं, डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक व अंतरिक्ष यात्री हैं तथा हर तरह के उच्चतम पदों पर भी आसीन हैं। वे अपने वस्त्रों व जीवनशैली के साथ अपने जीवनसाथी का चुनाव करने के लिए स्वतंत्र हैं। उनकी सुरक्षा एवं हित रक्षा के लिए संविधान में लगभग 34 एक्ट प्रभावी हैं। नारियों ने साबित कर दिया है कि वे पुरुषों के समकक्ष नहीं, बल्कि उनसे बेहतर हैं। आने वाले समय में नारी कितना बदले और क्यों? समाज की कुछ उच्च शिक्षित नारियां और उनके संगठन शायद यह समझते हैं कि मनचाहे कम वस्त्र पहनना, रोक-टोकरहित मुक्त जीवन जीना, मुक्त सेक्स की राह पर चलना ही वांछित बदलाव है। इस बदलाव का उनके पास कोई तर्कयुक्त जवाब उनके पास नहीं है सिवाय इसके कि सदियों से चले आ रहे रहन-सहन व आचार-व्यवहार के हर नियम को उन्हें बस चुनौती देना है।

इस बात में कोई संशय नहीं है कि नारी अपने जीवन में घर के सीमित दायरे के लिए नहीं बनी है। फिर भी नारी को यह भूलना नहीं चाहिए कि घर ही उनका किला और सबसे बड़ा कार्यक्षेत्र है जिसकी कि वे अकेली ऑर्किटेक्ट हैं। नारी के द्वारा घर को घर जैसा बनाने रखने में किया प्रयास महान होता है जिसमें वह अपने बच्चों का पालन-पोषण कर उनका और देश का भविष्य संवारती है। घर की हर जिम्मेदारी को निभाकर वह अपने पति की धुरी और खुशहाल घर की नींव बनकर दिखाती है। ऐसे खुशहाल घरों से ही देश ताकतवर बनता है। हां, यह जरूरी नहीं कि घर संभालने में नारी अपने आपको इतना झोंक दे कि उसे अपने स्वास्थ्य, पोषण, खुशियों व अन्य सामान्य जरूरतों का ध्यान ही नहीं रहे। उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उसे घर में उतना ही सम्मान मिले जितना कि घर का पुरुष घर के बाहर काम करके अर्जित करता है। जरूरत पड़ने पर उसे इसके लिए कठोर बनकर भी दिखाना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बदलाव की बयार पहुंचने लगी है। मनोरंजन व संचार के साधन जैसे टीवी व मोबाइल गांवों में भी पहुंचने लगे हैं। गांवों की नारी अपने ससुराल आने से इसलिए मना कर रही है कि वहां शौचालय नहीं है। यह बड़ा बदलाव है और यह बयार और तेज होना चाहिए। एक बात और, समाज की जो भी रूढ़ियां, नियम या परंपराएं होती हैं, वे सारी की सारी गलत नहीं होती हैं। अतः जो भी बदलाव हों, वे तर्कसंगत होने चाहिए और उसमें दूसरों के हितों का अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। नारी को समय, स्थान, अपने परिवार, अपनी परिस्थिति और क्षमता के अनुसार ही उपयुक्त बदलाव को अपनाना होगा और वह भी क्रमिक तरीके से ताकि अनावश्यक टकराव को टाला जा सके। नारी ने साबित कर दिया है कि जीवन की दौड़ में वह पुरुषों के समकक्ष ही नहीं, बल्कि उनसे बेहतर है। वही जीवन की असली कलाकार है और पुरुष उसके हाथों का मात्र रंग और कागज है। यह दुनिया पल-पल बदलती रहती है और नारियों को भी स्वयं को मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार लगातार बदलते रहना होगा। यह तय है कि नारी कोई वस्तु या दया की पात्र नहीं है। सभी को पता है कि मां के रूप में एक कमजोर दिखने वाली नारी को भी जब लगता है कि उसके बच्चों पर कोई खतरा है तो उनकी रक्षा करने के लिए वह रणचंडी का रूप धारण करने में कोई देर नहीं लगाती है।

बहन, पत्नी, बेटी और मां के तौर पर आपके जीवन में भी ऐसी कुछ महिलाएं होंगी जिन्होंने आपके जीवन के लिए काफी कुछ किया होगा. ऐसी खास महिलाओं को महिला दिवस के दिन आप भी बेहद खास फील करवा सकते हैं.

इस खास मौके पर गृह लक्ष्मी को दें ये स्पेशल गिफ्ट

कहा जाता है कि जब एक पुरुष शिक्षित होता है तो सिर्फ एक व्यक्ति शिक्षित होता है, लेकिन जब एक स्त्री शिक्षित होती है, तो एक पीढ़ी शिक्षित होती है. बच्चे को जन्म देने से लेकर उसमें संस्कार के बीज डालने और उसके व्यक्तित्व का निर्माण करने तक, एक महिला का बहुत बड़ा रोल होता है. यही वजह है कि एक स्त्री की भूमिका परिवार तक ही सीमित नहीं मानी जाती, बल्कि पूरे समाज के निर्माण में उसका अहम रोल होता है.

वहीं आज के समय में तो महिला परिवार को भी संभालती है और हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर भी चलती है. अपने प्रेम, सेवाभाव और कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए महिला परिवार के सभी लोगों को आपस में जोड़कर रखती है और मकान को घर बनाती है. इन कारणों से ही भारतीय समाज में स्त्रियों को लक्ष्मी कहा जाता है. आपके भी घर में भी बहन, पत्नी, बेटी और मां के तौर पर ऐसी गृह लक्ष्मी होंगी. इस बार 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अपने जीवन की इन खास महिलाओं को कुछ ऐसे गिफ्ट्स दें, जो उनके फाइनेंशियल फ्यूचर ब्राइट करें और दिल से उन्हें शुक्रिया कहें.

सुकन्या समृद्धि स्कीम

अगर आप एक बेटी के पिता हैं और बेटी की उम्र 10 साल से कम है, तो आप उसके लिए सुकन्या समृद्धि स्कीम को महिला दिवस के दिन शुरू करवा सकते हैं. इस स्कीम में सालाना कम से कम 250 और अधिक से अधिक 1.5 लाख रुपए तक जमा किए जा सकते हैं. आप अपनी जेब के हिसाब से इतना पैसा हर साल उसके लिए जमा कर सकते हैं, जिससे उसके बड़े होने तक एक बड़ी राशि जमा हो जाए. इस स्कीम में 15 सालों तक निवेश करना होता है और 21 साल में ये मैच्योर होती है. इस स्कीम के जरिए बेटी के नाम से जमा रकम को आप उसकी हायर स्टडीज या शादी वगैरह में खर्च कर सकते हैं. मौजूदा समय में इस स्कीम पर 8.2 फीसदी ब्याज मिल रहा है.

एफडी

अगर आप एकमुश्त रकम खर्च कर सकते हैं, तो एक निश्चित अमाउंट की एफडी भी आप अपने जीवन की खास महिला के नाम से फिक्स कर सकते हैं. महिलाओं के लिए सरकार की ओर से महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र योजना भी चलाई जाती है. इसमें 7.5 फीसदी के हिसाब से ब्याज दिया जाता है. आप चाहें तो दो साल के लिए इस स्कीम में उनके नाम से रकम फिक्स करवा सकते हैं. मैच्योर होने के के बाद इस रकम को वो महिलाएं अपनी जरूरत के हिसाब से खर्च कर सकती हैं.

एसआईपी

परिवार की महिला को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए आप महिला दिवस के दिन उनके लिए एसआईपी भी शुरू कर सकते हैं. एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाता है. इसमें आप 500 रुपए से भी निवेश कर सकते हैं. एसआईपी पर कंपाउंडिंग का फायदा मिलने के साथ ब्याज अच्छा मिल जाता है. लंबे समय की एसआईपी में औसत रिटर्न 12 फीसदी माना जाता है. ऐसे में इस स्कीम के जरिए उनके फ्यूचर के लिए अच्छा खासा अमाउंट इकट्ठा कर सकते हैं.

सोने की ज्वेलरी

अगर आप इस तरह का कोई गिफ्ट नहीं देना चाहते तो अपने जीवन की खास महिला के लिए सोने की कोई ज्वेलरी भी खरीद कर उन्हें गिफ्ट कर सकते हैं. महिलाएं हमेशा गहनों की शौकीन होती है. इसके अलावा सोने का गहना सिर्फ श्रंगार तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि ये एक जमा पूंजी की तरह है, जिसकी कीमत समय के साथ बढ़ती रहती है. मुश्किल समय में इन गहनों की मदद से पैसों का इंतजाम किया जा सकता है. ऐसे में आप परिवार की गृह लक्ष्मी को गहने गिफ्ट करके उन्हें खुश कर सकते हैं.

एलआईसी पॉलिसी

एलआईसी आधार शिला स्कीम वगैरह ऐसी तमाम स्कीम्स हैं जो खासतौर पर महिलाओं के लिए तैयार की गई हैं. ऐसे में आप उनकी उम्र और जरूरत के हिसाब से एलआईसी की किसी स्कीम को उनके लिए खरीद सकते हैं और महिला दिवस के दिन उन्हें गिफ्ट में दे सकते हैं. इसमें हर महीने आप ही प्रीमियम भरें. मैच्योरिटी के बाद जब एकमुश्त अमाउंट उनके हाथ आएगा तो वे बहुत खुश होंगी और भविष्य में इस रकम को अपने लिए या परिवार के लिए अपनी मर्जी से इस्तेमाल कर सकेंगी.

सिर्फ एक दिन ही क्यों हो सम्मान...?

हर साल 8 मार्च को महिला दिवस मनाया जाता है। मैं कहती हूं कि विश्वभर को महिला दिवस मनाने की आवश्यकता ही नहीं है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में देवी की पूजा नहीं होती है। भारत में कई रूपों में देवियों का पूजन किया जाता है। देवी दुर्गा, माता पार्वती, मां भगवती, मां बगलामुखी, माता कालिका या फिर अन्य कई देवियों का पूजन ही क्यों न हो? हमारा देश देवी को पूजता भी है और हमारे सम्माननीय नारियों और देवियों के लिए नतमस्तक भी है। लेकिन फिर भी हमें महिला दिवस नहीं मनाना चाहिए, क्योंकि जहां मां, पुत्री, बेटी, लड़की, महिला या स्त्री के शील धर्म की रक्षा नहीं की जा सकती, वहां महज एक दिन महिलाओं के प्रति वफादारी दिखाने का क्या औचित्य है?

बात सिर्फ इतनी ही नहीं है, जहां गर्भ में आते ही बेटियों को मार दिया जाता है, वो तो इस सबसे ऊपर बहुत अधिक भयावह और लज्जित होने वाली बात है। हमें इस बात के प्रति सजग होते हुए गर्भ में पल रहीं बेटियों की रक्षा करनी चाहिए ताकि आने वाले समय में भारत कहीं बेटियों के स्नेह और प्यार से वंचित न रह जाएं।

8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आते ही सिर्फ एक दिन के लिए महिलाओं का गुणगान करके उन्हें सम्मान देना और दूसरी ओर उनको छलना, उनके साथ कपट भाव रखना, रास्ते चलते छेड़छाड़ करना, स्त्री को लज्जित करना, शराब पीकर महिलाओं के साथ मारपीट करना. यह सब हमें शोभा नहीं देता। इससे अच्छा यही होगा कि हम महिला दिवस मनाना ही भूल जाएं। अगर सच में हमारे मन में महिलाओं के प्रति आदर और सम्मान है, तो सबसे पहले हमें चाहिए कि हम उन मां, बहन, बेटियों, बहुओं और उन मासूम बच्चियों के प्रति अपना नजरिया बदलें और उन्हें हीन दृष्टि से देखना बंद करें। पराए घर की किसी महिला या लड़की को हम हमारी घर की बेटी समझकर उन्हें भी उसी नजरिए देखें, जो नजरिया हम अपनी मां और बहनों के लिए रखते करते हैं। महिला दिवस मनाने का केवल यह मतलब नहीं है कि एक दिन तो बहुत ऊंचे स्थान पर बैठाकर मान-सम्मान दे दिया जाए और दूसरे ही दिन राह चलती लड़कियों से छेड़खानी शुरू कर दी जाए। यहां युवा तो युवा, बुजुर्ग भी इन मामलों में पीछे नहीं हैं। रास्ते चलते लड़कियों पर फब्तियां कसना इनकी आदत शुमार में है और सबसे ज्यादा शर्मनाक बात तो तब हो जाती है, जब हैवानों का दल 3-5 साल की मासूम बच्चियों को भी अपना निशाना बनाने में नहीं चूकते और मौका देखते ही उनका शीलहरण करके उन्हें नारकीय जीवन में पहुंचा देते हैं।

कभी टॉफी का लालच देकर तो कभी अन्य बहानों से बहला-फुसलाकर अपने गंदे नापाक इरादों को उन मासूमों पर थोप दिया जाता है। चाहे वो फिर अपने पड़ोसी की जान-पहचान की बच्ची हो या फिर कोई और.उन्हें इस कदर रौंद दिया जाता है कि वे न जीने लायक बचती है और न ही समाज में अपना मुंह किसी को दिखाने लायक। हमारे प्रोफेशनल समाज को चाहिए कि वह इस तरह दरिंदगी का शिकार हुई बच्चियों और महिलाओं के प्रति अपना नजरिया बदले और उन्हें अपने घरों में बेटी या बहूओं का स्थान देने की पहल करें।

महिला दिवस सिर्फ एक दिन मनाकर अपने कर्तव्य से इतिश्री न करें, महिला के मान-सम्मान के प्रति हर दिवस, हर पल सजग रहें ताकि किसी भी घर की बेटी, बहू या और कोई भी हो उसके साथ कुछ भी, कहीं भी गलत न हो सकें। इसके लिए पुरुषों को इस मामले में ठोस कदम उठाना चाहिए, क्योंकि नारी सम्मान की बात घर से ही शुरू की जानी चाहिए ताकि बाकी भी इस सम्मान को बरकरार रखने में पूरी तरह सहयोग दे सकें।

आज महिलाएं, युवतियां घर की चहारदीवारी से बाहर निकलकर हर क्षेत्र में जहां अपना परचम बखूबी लहरा रही हैं, वहीं अगर पुरुष वर्ग भी उनके प्रति अपना नजरिया बदल देंगे तो निश्चित ही भारत की हर बेटी-बहू का मान-सम्मान, इज्जत-आबरू की रक्षा होगी।

हर साल महिला दिवस के नाम पर एक दिवस आता है और हम खुद को समूचा उड़ेल देते हैं, नारों, भाषणों, सेमिनारों और आलेखों में। बड़े-बड़े दावे, बड़ी-बड़ी बातें, बड़ी-बड़ी कल्पनाएं। लेकिन इन बड़ी बातों के पीछे का यथार्थ इतना क्रूर, कि एक कोई घटना तमाचे की तरह गाल पर पड़ती है और हम फिर बेबस, असहाय, अकिंचन से हो जाते हैं । महिला दिवस हम सभी का अस्मिता दिवस है। उन जुझारू और जीवट महिलाओं की स्मृति में मनाया जाने वाला जो काम के घंटे कम किए जाने के लिए संघर्ष करती हुई शहीद हो गई।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शनिवार, 08 मार्च, 2025

वेट इश्यू पर सुम्बुल तौकीर को सपोर्ट करती दिखीं रुपाली

टीवी सीरियल 'इमली' के जरिए सुम्बुल तौकीर एक जाना-पहचाना नाम बन गईं। एक्टिंग के अलावा वह डांसिंग में भी काफी माहिर है। काफी फिट भी नजर आती थीं लेकिन पिछले कुछ समय से उनका वजन अचानक बढ़ गया, जिसे लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। ऐसे में सोशल मीडिया ट्रोल्स को सुम्बुल ने जवाब दिया। इस जवाब को टीवी एक्ट्रेस रुपाली गांगुली ने भी सराहा है।

रुपाली गांगुली ने री-शेयर की सुम्बुल की पोस्ट

सुम्बुल ने अपने बढ़ते वजन के बारे में बताया कि उन्हें साइकेट्रिस्ट ने, न्यूरोलॉजिस्ट ने कुछ मेडिसिन दी हैं, जो सूट नहीं की। इसलिए वजन बढ़ा है। साथ ही वह ट्रोलिंग करने वालों को भी चुप रहने की बात अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में कहती हैं। सुम्बुल की इस पोस्ट को रुपाली गांगुली ने भी अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में लगाया है। वह इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए, सुम्बुल पर गर्व करने की बात भी लिखती हैं। सुम्बुल भी रुपाली को इस बात के लिए थैंक्स लिखती हैं।

रुपाली गांगुली भी हुई ट्रोलिंग का शिकार

टीवी एक्ट्रेस सुम्बुल अकेली नहीं है जो सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हुईं। खुद रुपाली गांगुली भी सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हुईं। जब रुपाली गांगुली का अपनी सौतेली बेटी ईशा वर्मा से विवाद हुआ था तो एक्ट्रेस को काफी ट्रोल किया गया था। उनके बारे में काफी कुछ उल्टा-सीधा कहा गया। रुपाली ने भी ट्रोल करने वालों को सोशल मीडिया के जरिए ही जवाब दिया।

स्टार्स की मेंटल हेल्थ पर असर

जिस तरह से बात-बात पर स्टार्स, एक्टर्स को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता है, उससे उनकी मेंटल हेल्थ पर बुरा असर पड़ता है। कई एक्टर्स इस बारे में बात कर चुके हैं कि ट्रोलिंग से वह काफी परेशान हो जाते हैं।

कैंसर के दर्द के बीच हिना का पोस्ट

हिना खान सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी पर्सनल प्रोफेशनल लाइफ पर बात करती दिखती हैं   अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में वे सेहत के महत्व पर बात करती दिखी हैं   हिना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक मैसेज शेयर किया है, इसमें लिखा है, सबकुछ बहुत महत्वपूर्ण है, सिर्फ तब तक, जब तक आप बीमार नहीं हो जाते   आगे लिखा है, बीमार होने के बाद आपको एहसास होता है कि सिर्फ एक ही चीज महत्वपूर्ण थी और वह है आपकी सेहत हिना खान ब्रेस्ट कैंसर का उपचार करा रही हैं बीते दिनों हेल्थ अपडेट शेयर करते हुए उन्होंने बताया था कि उनकी कीमौथेरेपी और सर्जरी पूरी हो चुकी हैं

शिबानी को कहां से आया सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' का आइडिया?

शबाना आजमी के अलावा ज्योतिका, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी उम्दा एक्ट्रेस ने वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में ऐसी महिलाओं का रोल किया है, जो ड्रग, क्राइम के जाल में फंस जाती हैं। फिर ड्रग्स का बिजनेस करने लगती हैं। इस कहानी का आइडिया वेब सीरीज की क्रिएटर शिबानी दांडेकर को कैसे आया? इस सीक्रेट के बारे में शिबानी ने हाल ही में बताया है।

देखती रही हैं खूब क्राइम ड्रामा

शिबानी दांडेकर ने फर्स्टपोस्ट को दिए हालिया इंटरव्यू में बताया कि वह एक समय में बहुत ज्यादा क्राइम ड्रामा देखा करती थीं। ऐसे में अचानक उन्हें ख्याल आया कि क्राइम ड्रामा में महिलाओं की कहानी को दिखाया जाए। इस तरह वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' का आइडिया शिबानी दांडेकर को आया।

शबाना आजमी ने क्यों किया सीरीज में काम

शबाना आजमी इस सीरीज का हिस्सा इसलिए बनी हैं क्योंकि यह उनके लिए फैमिली प्रोजेक्ट की तरह है। वह रिश्ते में शिबानी की सास लगती हैं। शबाना आजमी ने जावेद अख्तर से शादी की है। फरहान अख्तर, जावेद अख्तर के बेटे हैं, वह उनकी पहली शादी से हुए हैं। शिबानी, फरहान की पत्नी हैं। ऐसे में शिबानी और शबाना रिश्ते में सास-बहू हैं। पिछले दिनों शबाना ने कहा था कि शिबानी ने इस वेब सीरीज को क्रिएट किया। वह कहती हैं, 'उसने मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। मैं बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा (फरहान) तो प्रोड्यूसर ही है।'

काफी यूनीक है सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' की स्टोरी

डिब्बा कार्टेल की स्टोरी काफी यूनीक नजर आती है। इसमें कुछ महिलाएं एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। वेब सीरीज में शबाना आजमी, ज्योतिका, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन ने अहम किरदार निभाए हैं। लेकिन शबाना आजमी सीरीज में छा जाती हैं। साथ ही ज्योतिका की एक्टिंग की भी सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है।

मैंने हर नारी में अपने किरदार को देखा है

एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा इन दिनों अपनी फिल्म मिसेज को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में फिल्म सान्या मल्होत्रा ने फिल्म और अपने किरदार को लेकर खास बातचीत की -

आपने जब इस किरदार को किया तो आपके मन भी ऐसा कुछ चलता था कि आपने इस रोल को अपने परिवार में कहीं देखा है?

मैंने अपने आस-पास कई औरतों को इन चीजों से गुजरता हुआ देखा है। मम्मी को देखा है कि लोग बोल देते थे कि घर का काम, काम थोड़ी होता है, सिर्फ बैठे रहना होता है। ये बहुत कॉमन था, जब मैं बड़ी हो रही थी। मेरी एक बहुत ही करीबी दोस्त के साथ ऐसा हुआ, हमने उनका इंटरव्यू किया। उनसे जाना कि उस रिश्ते में उनके साथ क्या चुनौतियां थीं। मैंने कई बार अपने घर में देखा कि मम्मी कुछ बनाती थी तो पापा कह देते थे कि ये नहीं मुझे वो खाना है या घर में पार्टी चल रही होती थी, तो लेडिज बाद में खाती थीं। आदमी और बच्चों के बाद जो बचता था वो घर की औरतें खाती थीं। ये बहुत ही सामान्य चीजें अपने घर में होते हुए देखी हैं।

आपकी फिल्म कई फिल्म फेस्टिवल में गई। मूवी को देखने के बाद आपको लोगों की तरफ से कुछ फीडबैक भी मिला होगा, उसके बारे में कुछ बताएं।

मेलबर्न में जब फिल्म की स्क्रीनिंग होनी थी तो मुझे लगता था कि पता नहीं लोगों को कैसा रिएक्शन होगा। फिर मैंने दर्शकों के साथ फिल्म को देखा तो लोगों का रिएक्शन काफी अच्छा था। जिन-जिन सींस पर मुझे लगता कि पता नहीं लोग कैसे रिएक्ट करेंगे, उन सभी पर लोगों ने अच्छे रिएक्शंस दिए। बहुत सारे लोग तालियां, सीटियां बजा रहे थे। बहुत सारी महिलाएं फिल्म देखने के दौरान ही बोल रही थीं कि उसके साथ ऐसा मत करो। तो लोग कम्युनिकेशन कर रहे थे फिल्म के साथ। जिन आदमियों ने फिल्म देखी उनका कहना था कि हमें अंदाजा नहीं था, जिन छोटी-छोटी चीजों को हम नजरअंदाज कर देते हैं, वो एक औरत पर कैसा प्रभाव छोड़ती हैं। एक अंकल तो बोल रहे थे कि आपने तो आदमियों की सही क्लास लगा दी।

फिल्म में रसोई एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है, तो क्या आपके जहन में पहले से ही रसोई से जुड़ी कुछ यादें थीं?

मुझे बचपन से ही खाना बनाना बहुत पसंद था। जब मैं बड़ी हो रही थी तो मैं अपनी मम्मी को इंप्रेस करने के लिए खाना बनाती थी, क्योंकि वो काफी बीमार रहती थीं। तो मुझे लगता था कि मैं उनको रोज नई-नई चीजें बनकर खिलाऊं। इसी वजह से मुझे रोटी बनाना अच्छे से आता है। मम्मी जब हॉस्पिटल से आती थीं, मैं सोचती थी कि उन्हें घर का बना क्या कुछ खिलाऊं।

सेक्रेड गेम्स में नयनतारा-मंजू वारियर को लेना चाहते थे अनुराग कश्यप, फिर क्यों नहीं बनी बात?

फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने हाल ही में साझा किया है कि उन्होंने नेटफ्लिक्स को हिट वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स के लिए लेडी सुपरस्टार नयनतारा और मंजू वारियर का नाम सुझाया था। साथ ही निर्देशक ने इस बारे में खुलासा किया कि दोनों अभिनेत्रियों ने सैफ अली खान अभिनीत इस सीरीज में अभिनय क्यों नहीं किया।

अनुराग ने पहले इन अभिनेत्रियों से किया था संपर्क

निर्देशक ने खुलासा किया कि उन्होंने सेक्रेड गेम्स में रॉ एजेंट कुसुम देवी यादव की भूमिका के लिए सबसे पहले मंजू वारियर से संपर्क किया था। उन्होंने नेटफ्लिक्स के लिए नयनतारा का नाम भी पेश किया, लेकिन सीजन 2 (2019) में यह हिस्सा अमृता सुभाष के पास चला गया। मंजू रानी पद्मिनी, एन्नम एपोजहुम और ओडियान के लिए जानी जाती हैं। अब अनुराग कश्यप उनकी 2024 मलयालम फिल्म फुटेज को हिंदी प्रस्तुतकर्ता के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

अनुराग ने तीन अभिनेत्रियों को चुना था

अनुराग कश्यप ने कहा कि हम अमृता सुभाष की भूमिका के लिए मंजू को लेने की कोशिश कर रहे थे। हम अलग भाषा की अभिनेत्री की तलाश में थे। हम सेक्रेड गेम्स के लिए ऑडिशन ले रहे थे। हमने नेटफ्लिक्स को तीन ऑप्शन दिए। हमने उन्हें मंजू, नयनतारा और एक और व्यक्ति का नाम सुझाया था।

नेटफ्लिक्स ने पीछे खींच लिए थे हाथ

उन्होंने कहा कि उस समय नेटफ्लिक्स का भारत में कोई ऑफिस नहीं था, इसलिए सब कुछ अमेरिका जा रहा था और उस समय ओटीटी वास्तव में दक्षिण की फिल्मों को नहीं देख रहे थे। वे दक्षिण के बाजार को नहीं देख रहे थे। वे चाहते थे कि अभिनेत्री को वहीं से चुना जाए, जहां उनका बाजार है। यह महाराष्ट्र या कहीं भी सीमित था। उनकी पसंद हमेशा एल्गोरिदम पर आधारित होती है, जहां से उन्हें ग्राहक मिल रहे हैं।

आगे खिसकेगी धनुष की इडली कढ़ाई? अभिनेता के निर्देशन में बनी फिल्म!

साउथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपने व्यस्त प्रोफेशनल शेड्यूल के कारण चर्चा में हैं। अभिनेता के पास न केवल कई प्रोजेक्ट हैं, बल्कि वह अपने निर्देशन पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सुपरस्टार ने हाल ही में अपनी निर्देशित फिल्म नीक के साथ एक धमाकेदार हिट फिल्म दी है। अब, उनकी अगली निर्देशित फिल्म इडली कढ़ाई के बारे में कुछ नई जानकारी सामने आई है।

इस दिन बड़े पर्दे पर आएगी फिल्म

इडली कढ़ाई में धनुष अभिनय भी कर रहे हैं। फिल्म में वह अभिनेत्री नित्या मेनन के साथ नजर आएंगे। वहीं, अब इस फिल्म को लेकर खबरें हैं कि इसकी रिलीज की तारीखों में बदलाव होने की संभावना है। इडली कढ़ाई को पहले 10 अप्रैल, 2025 को रिलीज किया जाना था। हालांकि, अब चर्चा है कि फिल्म को स्थगित किया जा सकता है और अगस्त और सितंबर 2025 के बीच कभी भी बड़े पर्दे पर आने की संभावना है।

फिल्म में देरी की वजह?

रिपोर्ट्स के अनुसार, देरी की वजह धनुष निर्देशित फिल्म के कुछ हिस्से अभी भी अधूरे रह जाना हो सकता है। यह प्रोजेक्ट फिलहाल रुका हुआ है, क्योंकि अभिनेता आनंद एल राय द्वारा निर्देशित अपनी हिंदी फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग में व्यस्त हैं। हालांकि, इस मामले में निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

धनुष का वर्कफ्रंट

वहीं, अभिनेता को लेकर और भी कई चर्चाएं हो रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, धनुष ने एक और प्रोजेक्ट निर्देशन के लिए साइन किया है। इस बार उनके साथ कोई और नहीं, बल्कि तमिल सुपरस्टार अजित कुमार होंगे। यहां तक कि फिल्म में अनिरुद्ध रविचंदर को संगीतकार के रूप में शामिल किए जाने की चर्चा है।

हालांकि, इन खबरों पर भी आधिकारिक मुहर लगनी बाकी है। वहीं, बात करें धनुष के वर्कफ्रंट की तो अभिनेता के पास शेखर कम्मुला की कुबेर भी है । निर्माताओं ने हाल ही में घोषणा की कि मल्टी-स्टारर यह फिल्म 20 जून, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।

विदेश में अभिनय से जुड़ी स्पेशल ट्रेनिंग ले रहे अल्लू अर्जुन

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा 2 द रूल की दमदार सफलता का जश्न मना रहे हैं। वहीं, इस बीच अब अभिनेता अपनी अगली फिल्मों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अब उनके पास एटली, त्रिविक्रम श्रीनिवास और संदीप रेड्डी वांगा के साथ फिल्में हैं। शुरुआत में अल्लू अर्जुन ने त्रिविक्रम की फिल्म शुरू करने की योजना बनाई थी, लेकिन अब उन्होंने अपना मन बदल लिया है और एटली के प्रोजेक्ट को प्राथमिकता दी है।

विदेश में ट्रेनिंग ले रहे अल्लू अर्जुन

पिछले कुछ दिनों से अल्लू अर्जुन भारत से दूर हैं। बीते कुछ दिनों से प्रशंसकों और दर्शकों को लग रहा था कि वह छुट्टी मना रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। अभिनेता विदेश छुट्टियां मनाने नहीं, बल्किन स्पेशल ट्रेनिंग लेने गए हैं। इस बात का खुलासा अभिनेता के करीबी सहयोगी और तंडेल के निर्माता बनी वास ने किया है। दरअसल, उन्होंने अल्लू अर्जुन की ट्रेनिंग लेने की जानकारी छावा के तेलुगु प्रचार के दौरान साझा की।

बनी वास ने साझा की ये जानकारी

बनी वास ने कहा, अल्लू अर्जुन गारू एक महीने की ट्रेनिंग के लिए गए थे। बनी गारू हमेशा अपने खाली समय में अभिनय और अन्य कला-संबंधित क्षेत्रों के बारे में शोध करते हैं। उसी के तहत उन्होंने पिछले एक महीने में एक वेलनेस सेंटर में प्रशिक्षण लिया और आज शहर में उतरे। मैं अभी तक उनसे नहीं मिला हूं, लेकिन उनकी टीम जल्द ही उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट देगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्लू अर्जुन एटली की आने वाली फिल्म में एक योद्धा की भूमिका निभाएंगे, जिसे 600 करोड़ रुपये के बजट पर बनाया जा रहा है।